सूर्योदय 5:33 सूर्यास्त 7:23

आज का तापमान

| | | |
|---|---|---|
| शिमला | 16.6 न्यू | 21.5 अधि |
| धर्मशाला | 17.8 न्यू | 25.3 अधि |

बाजार

| | |
|---|---|
| सेंसेक्स | 76,755 |
| निफ्टी | 23,996 |

सोना 1,43,000 चांदी 2,26,000

# भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | वीरवार, 23 जुलाई 2026 | 8 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 89, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

## धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें, फिर चर्चा करेंगे : खड़गे

### राहुल समेत विपक्षी सांसद काले कपड़ों में पहुंचे संसद, छात्रों पर कार्रवाई को लेकर जताया विरोध

**एजेंसी, नई दिल्ली।** संसद के मानसून सत्र के दौरान बुधवार को विपक्ष ने कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थकों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर हंगामा किया। हंगामे के बीच लोकसभा-राज्यसभा वीरवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, वे सदन में नीट पेपर लीक मामले में चर्चा तभी चाहते हैं, जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दे दें। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने लोकसभा में कहा कि सरकार पिछले तीन दिनों से लगातार नीट पेपर लीक के मुद्दे पर चर्चा की पेशकश कर रहा है, लेकिन विपक्ष मुद्दे पर राजनीति कर रहा है। राहुल गांधी समेत अन्य विपक्षी सांसद काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे। विपक्षी पार्टियां 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान छात्रों पर पुलिस कार्रवाई, पेपर लीक का विरोध कर रही हैं।

### कल्याण बनर्जी मानसून सत्र से सस्पेंड किए

**टीएमसी** सांसद कल्याण बनर्जी को पूरे मानसून सत्र से निलंबित कर दिया गया है। कल्याण के खिलाफ यह कार्रवाई महिला सांसदों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने पर की गई थी। दरअसल मई 2026 में तृणमूल कांग्रेस की सांसद काकोली घोष दस्तिदार ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कल्याण बनर्जी के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी।

### विपक्ष युवाओं को राजनीतिक हथियार न बनाएं : राजनाथ

**राजनाथ** सिंह ने कहा दिल्ली में जारी विरोध-प्रदर्शन गंभीर चिंता का विषय है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश के छात्रों और युवाओं को कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए एक राजनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रहे हैं। हमारे छात्रों की हर चिंता को सुनना व उसका समाधान करना हमारी जिम्मेदारी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भारत के जागरूक, परिपक्व और विवेकशील युवा ऐसे भ्रामक प्रयासों को भली-भांति समझते हैं और वे प्रगति, विकास तथा राष्ट्रनिर्माण के मार्ग को ही चुनेंगे।

### पुलिसवालों ने मेरे कान में कहा सरकार को हटाइए : राहुल

**नई दिल्ली।** राहुल गांधी ने दिल्ली के इंदिरा भवन में छात्रों के खिलाफ लाठीचार्ज पर करीब 40 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने सबसे पहले अपने प्रेजेंटेशन में 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के संसद चलो मार्च में शामिल छात्रों के वीडियो चलाए। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि सुरक्षाबलों ने छात्रों को बुरी तरह पीटा। ऐसा क्यों किया गया। नीट पेपर लीक से देश के 7.5 करोड़ स्टूडेंट्स और उनके परिवार इस घटना से प्रभावित हुए हैं। नीट मामले में किसी भी को सजा नहीं हुई। राहुल ने कहा- जब पुलिसवाले मुझे हटाने आए, तो उन्होंने मेरे कान में कहा सरकार को हटाइए। मुझे घसीटा तो मुंह से खून आया, दो-तीन पंच लगे, लेकिन धर्मेंद्र प्रधान को जाना होगा। राहुल की दूसरी स्लाइड पेपर लीक के आंकड़ों से जुड़ी थी। राहुल

◆ मुझे घसीटा तो मुंह से खून आया, दो-तीन पंच लगे

ने कहा- अब तक 152 से ज्यादा पेपर लीक हुए हैं, जिससे 7.5 करोड़ छात्र प्रभावित हुए, लेकिन पेपर लीक करने वालों को कोई सजा नहीं मिली। राहुल ने प्रेजेंटेशन के दौरान चौथी स्लाइड दिखाई, जिसमें उन्होंने तीन डिमांड रखीं। पहली- शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। दूसरी- छात्रों को पीटने वालों पर कार्रवाई हो। तीसरा- पीएम मोदी छातों से माफी मांगें।

### वांगचुक अनशन तोड़ने को तैयार : सरकार भरोसा दे, बच्चों पर एक्शन न हो

## स्टूडेंट्स से मारपीट के फुटेज सुरक्षित रखें : हाईकोर्ट

**एजेंसी, नई दिल्ली।** कॉकरोच जनता पार्टी ने बुधवार को सरकार की तरफ से बातचीत की पेशकश ठुकरा दी। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि वे बातचीत के लिए किसी के घर या दफ्तर नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर सरकार बातचीत करना चाहती है, तो जंतर-मंतर आए या उसके आसपास किसी जगह पर बैठक करे।

अभिजीत दीपके ने सोनम वांगचुक से अनशन खत्म करने की अपील की। गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती वांगचुक ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह को चिट्ठी लिखी। उन्होंने कहा कि बच्चों के खिलाफ कोई एक्शन न हो। सरकार भरोसा दे तो वे अनशन खत्म कर सकते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट में स्टूडेंट्स से मारपीट के मामले में अर्जी पर सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने सरकार से कहा- मारपीट के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखे जाएं। बुधवार सुबह से हजारों प्रदर्शनकारी यहां मौजूद हैं। वहीं, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने राजधानी के 16 मेट्रो स्टेशनों को अगले आदेश तक बंद रखने का निर्णय लिया है। इन स्टेशनों पर यात्रियों की एंट्री और एग्जिट पूरी तरह बंद रहेगी। डीएमआरसी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी कि राजधानी के 16 मेट्रो स्टेशनों को अगले आदेश तक बंद रखा गया है राजीव चौक, मंडी हाउस और केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशनों पर केवल इंटरचेंज (लाइन बदलने) की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इन स्टेशनों पर यात्रियों के प्रवेश और निकास की अनुमति नहीं होगी।

### सुप्रीम कोर्ट का तुरंत सुनवाई से इनकार

**एजेंसी, नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी समर्थकों पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया है। बुधवार को एक वकील ने सीजेआई की अगुआई वाली 3 जजों की बेंच के सामने जनहित याचिका रखी थी। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'हमें वीडियो देखने में कोई रुचि नहीं है। हमारे पास उन्हें देखने का समय नहीं है।' जब वकील ने छात्रों के साथ मारपीट के वीडियो देखने का दूसरी बार अनुरोध किया तो सीजेआई ने कहा, 'हमारा और अपना समय बर्बाद मत कीजिए।'

## न्यूज शॉर्ट्स

### भारतीय नौसेना में शामिल हुआ 'आईएनएस मालवन'

**एजेंसी, नई दिल्ली।** भारतीय नौसेना ने कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे पर 'आईएनएस मालवन' को अपने बेड़े में शामिल कर लिया है। माहे श्रेणी का यह दूसरा पनडुब्बी रोधी युद्धपोत कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में 80 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत निर्मित किया गया है। इससे नौसेना की समुद्री सुरक्षा और पनडुब्बी रोधी क्षमता और मजबूत होगी। यह आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत युद्धपोत निर्माण में देश की बढ़ती क्षमता का परिचायक है।

### राममंदिर- ट्रस्ट ने 5 संतों को सौंपा धार्मिक काम

**एजेंसी, अयोध्या।** अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक बुधवार को हुई, जिसमें अभी स्थाई महासचिव और सीईओ के चयन पर कोई सहमति नहीं बन पाई। चंद्रमोहन ही अभी कार्यवाहक महासचिव रहेंगे। अगली बैठक 2 सितंबर को होगी। उसी में नए महासचिव और सीईओ के नामों का ऐलान किया जाएगा। 5 संतों को राम मंदिर का धार्मिक कार्यभार सौंपा गया है। ट्रस्ट कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि को धार्मिक समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। प्रवक्ता और सचिव की भी नियुक्ति होगी।

### ललित मोदी 16 साल बाद भारत लौटेंगे

**एजेंसी, नई दिल्ली।** आईपीएल के संस्थापक ललित मोदी 16 साल बाद भारत लौटने की तैयारी में हैं। एक अपीलीय ट्रिब्यूनल ने 16 जुलाई को आईपीएल 2009 के दक्षिण अफ्रीका आयोजन से जुड़े एफईएमए मामले में फैसला सुनाया है। इसमें मोदी को राहत देते हुए ईडी के लगाए गए जुर्माने को रद्द कर दिया है। फैसले के बाद ललित मोदी ने कहा कि अब उनकी भारत वापसी का रास्ता साफ हो गया है व वह इस साल के आखिर या अगले साल की शुरुआत में भारत लौट सकते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी अक्तूबर में बच्चे को जन्म देने वाली है, जिसके बाद वह भारत आने की योजना बना रहे हैं।

## आयातित जेनेरिक दवाओं पर 2 साल तक टैरिफ शून्य, उसके बाद लगेगा 100, 200 फीसदी : ट्रंप

**एजेंसी, वॉशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आयातित जेनेरिक दवाओं पर नई टैरिफ नीति का ऐलान किया है। ट्रंप ने कहा कि एक अगस्त से लागू होने वाली इस नीति के तहत पहले दो वर्षों तक आयातित जेनेरिक दवाओं पर शून्य प्रतिशत टैरिफ रहेगा।

इसके बाद अगले एक वर्ष के लिए 100 प्रतिशत टैरिफ और उसके बाद इसे बढ़ाकर 200 प्रतिशत कर दिया जाएगा। फ्रांस के टेलीविजन नेटवर्क फ्रांस24 के मुताबिक ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा कि इस नीति का उद्देश्य जेनेरिक दवाओं के उत्पादन को अमेरिका में वापस लाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो कंपनियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर अमेरिका में अपने उत्पादन संयंत्र और आवश्यक बुनियादी ढांचे की स्थापना नहीं करेंगी, उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ट्रंप अपनी 'मोस्ट-फेवर्ड-नेशन' ड्रग प्राइसिंग पॉलिसी के जरिए दवा कंपनियों पर कीमतें कम करने का दबाव भी बना रहे हैं। इस नीति के तहत कंपनियों से अपेक्षा की जा रही है कि वे अमेरिका में दवाओं की कीमतें उन विकसित देशों के समान रखें, जहां ये दवाएं अपेक्षाकृत कम कीमत पर उपलब्ध हैं। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के अनुसार अमेरिका में बिकने वाली 90 प्रतिशत से अधिक दवाएं जेनेरिक श्रेणी की हैं। हालांकि ट्रंप ने स्पष्ट किया कि पेटेंट, ब्रांडेड और नवाचार आधारित दवाओं से संबंधित मौजूदा नीति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

## हरियाणा के हर जिले में खुलेगा स्टार्टअप्स का द्वार : सैनी

### बरवाला में बनेगा लकड़ी का आधुनिक जोन, एमेजॉन से जुड़ेंगे स्वयं सहायता समूह

**एजेंसी, चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के हर जिले में स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया जाए व नया व्यवसाय शुरू करने में उद्यमियों को किसी भी प्रकार की प्रशासनिक अड़चन नहीं आनी चाहिए।

मुख्यमंत्री बुधवार को सिविल सचिवालय में 'हरियाणा विजन-2047' के तहत विजन -टू-एक्शन प्लान को लेकर एमएसएमई, उद्योग, स्टार्टअप व एचएसआईआईडीसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बरवाला क्षेत्र में एक विशेष वुडन जोन व वुडन मार्केट बनाकर वहां आधुनिक शोरूम विकसित किए जाएं। इससे स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि होगी और

रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि कैलेंडर बनाकर प्रदेश के प्रत्येक जिले में स्वदेशी मेलों का आयोजन किया जाए। इसके अतिरिक्त, राखी बनाने के उद्योग में स्वयं सहायता समूहों को व्यापक स्तर पर शामिल किया जाए और उनके उत्पादों की वैश्विक बिक्री के लिए उन्हें वॉलमार्ट, एमेजॉन जैसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के साथ जोड़ा जाए। व्यापार को सुगम बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य में 'राज्य नवाचार एवं एमएसएमई परिषद' तथा 'स्टार्टअप एडवाइजरी काउंसिल हरियाणा' का गठन किया जाएगा। पुनर्गठित सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम के माध्यम से व्यावसायिक स्वीकृतियों का समय 45 दिनों से घटाकर 30 दिन किया जाएगा, जिसे आगे चलकर 50 प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य है। हर जिले में स्टार्टअप्स को हैंड होल्डिंग सहायता देने के लिए समर्पित 'स्टार्टअप संपर्क अधिकारी' तैनात किए गए हैं।

## कश्मीर के अनंतनाग में आतंकी हमला, हेड कांस्टेबल की मौत

**एजेंसी, श्रीनगर।** कश्मीर स्थित अनंतनाग जिले के लाल चौक इलाके में बुधवार को आतंकियों ने हमला किया। इसमें हेड कांस्टेबल (35 साल) की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक दोपहर करीब 12:30 बजे आतंकियों ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर अचानक फायरिंग की।

सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलियां चलीं। इस दौरान हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी जख्मी हो गए। उन्हें तुरंत सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हमले के बाद आतंकी भाग गए। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी

◆ अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा में तैनात थे; द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली जिम्मेदारी

संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है, जिस जगह फायरिंग हुई, वह शहर का मुख्य बाजार है। यहां आम दिनों में भी काफी भीड़ रहती है। घटना के तुरंत बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे लाल चौक और आसपास के इलाके की घेराबंदी कर दी।

## दिल्ली सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम की 84 सेवाओं का समय घटाया, कुछ सेवाएं तुरंत मिलेंगी

**एजेंसी, नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम की 84 सेवाओं का समय घटाया और कुछ सेवाएं अब तुरंत मिलेंगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य लोगों और कारोबार से जुड़े लोगों को सरकारी सेवाएं पहले से ज्यादा तेज, आसान और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराना है। इसी दिशा में दिल्ली सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने डिरेगुलेशन एक्सरसाइज-फेज-II के तहत प्राथमिकता क्षेत्र-21 पर एक विस्तृत अध्ययन किया है। इस अध्ययन का उद्देश्य यह पता लगाना था कि सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए मिलने वाली सेवाओं में आवेदन से लेकर काम पूरा होने तक कितना समय लगता है और उस समय को कैसे कम किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि इस अध्ययन में 18 विभागों को

◆ नागरिकों व कारोबारियों को राहत, अब कई सेवाएं तुरंत मिलेंगी : सीएम रेखा

◆ डिजिटल सुधारों से सरकारी प्रक्रियाएं होंगी सरल

शामिल किया गया और सिंगल विंडो सिस्टम पर उपलब्ध 95 प्रमुख सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। सिंगल विंडो सिस्टम एक ऐसा डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जहां नागरिक और व्यवसाय विभिन्न लाइसेंस, परमिट, अनुमोदन और क्लीयरेंस के लिए एक ही जगह ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और उन्हें प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अध्ययन के बाद काम करने की प्रक्रियाओं में कई जरूरी सुधार किए गए। इसका परिणाम यह हुआ कि सिंगल विंडो सिस्टम पर उपलब्ध 84 सेवाओं में आवेदन के निपटारे का समय कम कर दिया गया है। इतना ही नहीं, कुछ सेवाएं अब तुरंत उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य दिल्ली में कारोबार करना और आसान बनाना, सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाना तथा नागरिकों और व्यवसायों के लिए सरकारी प्रक्रियाओं को सरल करना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का सूचना प्रौद्योगिकी विभाग डिजिटल तकनीक और बेहतर कार्यप्रणाली के जरिए लोगों तक तेज, आसान और नागरिक-केंद्रित सरकारी सेवाएं पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रहा है।

## फ्रांस में अब 15 से कम उम्र के बच्चे नहीं कर सकेंगे सोशल मीडिया का इस्तेमाल

**एजेंसी, पेरिस।** फ्रांस की संसद ने 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद फ्रांस ऐसा कानून पारित करने वाला यूरोपीय संघ का पहला देश बन गया है। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू व फ्रांसीसी टेलीविजन नेटवर्क फ्रांस24 की रिपोर्ट में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि उन्होंने जनता से किया अपना वादा पूरा किया है। उन्होंने कहा कि अब अंतिम निर्णय संवैधानिक परिषद को लेना है, जिसके बाद सरकार इस कानून को लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगी। मीडिया रिपोर्ट में फ्रांस के शिक्षा मंत्री एडुआर्ड गेफरे ने इस फैसले को 'बेहद जरूरी कदम' बताते हुए कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म युवाओं को वास्तविक दुनिया से दूर कर रहे हैं।

## हिमाचल में शुरू होगा 'खेलो हिमाचल-चिट्टा मुक्त अभियान', 11.56 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार

**अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला।** हिमाचल प्रदेश सरकार नशे, खासकर 'चिट्टा' के खिलाफ अब खेलों को बड़ा माध्यम बनाएगी। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार शाम शिमला में 'खेलो हिमाचल-चिट्टा मुक्त अभियान' की बैठक की अध्यक्षता करते हुए इस राज्यव्यापी अभियान की रूपरेखा और रणनीति की समीक्षा की।

सरकार का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़कर नशे से दूर रखना और पूरे प्रदेश में चिट्टा के खिलाफ जनजागरूकता बढ़ाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिट्टा और अन्य मादक पदार्थों की बढ़ती समस्या चिंता का विषय है। नशे की लत केवल युवाओं का भविष्य खराब नहीं करती, बल्कि

◆ सीएम सुक्खू ने कहा 3,758 पंचायतों में चलेगा जागरूकता अभियान

परिवारों और पूरे समाज पर भी इसका बुरा असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नशे के कारोबार पर सख्त कार्रवाई करने के साथ-साथ रोकथाम, जागरूकता और नशा छोड़ने के प्रयासों पर भी एक साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं।

इसी सोच के साथ 'खेलो हिमाचल-चिट्टा मुक्त अभियान' शुरू किया जा रहा है, जिससे युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ा जा सके और वे नशे से दूर रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सभी 3,758 ग्राम पंचायतों, आठ नगर निगमों, 29 नगर परिषदों और 39 नगर पंचायतों में चिट्टा के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही उन 235 ग्राम पंचायतों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिन्हें चिट्टा की समस्या से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है। इन इलाकों में विशेष अभियान चलाकर लोगों और युवाओं को नशे के नुकसान के बारे में जागरूक किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत खेल प्रतियोगिताएं उपमंडल, जिला और राज्य स्तर पर आयोजित की जाएंगी। इन प्रतियोगिताओं के संचालन, निगरानी और व्यवस्था के लिए तकनीकी समितियां बनाई जाएंगी। इनमें खेल संघों के रेफरी के साथ युवा सेवाएं एवं खेल, शिक्षा और पुलिस विभाग के प्रतिनिधि शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए 11.56 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार राशि भी दी जाएगी।

### भाजपा के प्रदेशव्यापी बूथ सम्मेलन अभियान का गोरखपुर में किया शुभारंभ

## बूथ कार्यकर्ता भाजपा की सबसे बड़ी ताकत : योगी

**एजेंसी, गोरखपुर।** भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक अभियान को नई गति देने के उद्देश्य से बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित प्रदेशव्यापी बूथ अध्यक्ष सम्मेलन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल पहुंचते ही भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। पूरे परिसर में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

यह सम्मेलन भाजपा के प्रदेशव्यापी बूथ सम्मेलन अभियान की औपचारिक शुरुआत है। इसके माध्यम से पार्टी बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने की दिशा में व्यापक रणनीति पर कार्य करेगी। सम्मेलन में बूथ अध्यक्षों की भूमिका, संगठन विस्तार, जनसंपर्क अभियान, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने तथा आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्मेलन में बूथ कार्यकर्ताओं को भाजपा संगठन की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति बताते हुए कहा कि पार्टी की प्रत्येक चुनावी सफलता के पीछे बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत, समर्पण और जनसंपर्क की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से पहुंचाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठन सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रहा है। बूथ जितना मजबूत होगा, लोकतंत्र उतना ही सशक्त होगा व संगठन की जड़ें उतनी ही गहरी होंगी। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक बूथ को और अधिक सक्रिय एवं संगठित बनाने का आह्वान किया।

### सहायता — पुष्कर सिंह धामी ने 'मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना' के दूसरे चरण का किया शुभारंभ

## एकल, विधवा व परित्यक्ता महिलाओं को स्वरोजगार का सहारा

**एजेंसी, देहरादून।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्य सेवक सदन, कैंट रोड में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राज्य की एकल महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना' के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर आठ जिलों की 212 पात्र महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए सहायता राशि की पहली किस्त जारी की गई। योजना के तहत प्रति लाभार्थी अधिकतम दो लाख रुपए तक की परियोजना लागत पर 75 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। इसकी अधिकतम सीमा डेढ़ लाख रुपये निर्धारित है। शेष 25 प्रतिशत अंशदान लाभार्थी महिला को देना होगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री

ने कहा कि राज्य की एकल और निराश्रित महिलाओं को आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से महिलाएं अपने ही क्षेत्र में स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। सरकार का लक्ष्य महिलाओं को रोजगार मांगने वाली नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाली बनाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना का उद्देश्य एकल, निराश्रित, परित्यक्ता व विधवा महिलाओं को सम्मानजनक आजीविका, आत्मनिर्भरता व सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना है। योजना के लाभार्थियों में विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा, किन्नर, परिवार पर आश्रित न रहने वाली अविवाहित महिला और एसिड अटैक पीड़ित एकल महिलाएं शामिल हैं। इसके लिए महिला का उत्तराखंड का मूल एवं स्थायी निवासी होना तथा आयु 21 से 50 वर्ष के बीच होना आवश्यक है।

### महिलाओं को मिला आत्मनिर्भर बनने का संबल

**महिला** सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना प्रदेश की महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में आठ जिलों की 212 महिलाओं को स्वरोजगार के लिए पहली किस्त के रूप में सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसके अलावा पूर्व में लाभान्वित 276 महिलाओं को दूसरी किस्त के रूप में एक करोड़ 20 लाख रुपए से अधिक की राशि जारी की गई है। उन्होंने बताया कि सरकार कृषि, पशुपालन, ब्यूटी पार्लर और सिलाई जैसे विभिन्न व्यवसायों के लिए 75 प्रतिशत तक विभागीय अनुदान उपलब्ध करा रही है। इससे महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत होने के साथ समाज में सम्मानजनक जीवन जी रही हैं। योजना की प्रगति के अनुसार, 10 फरवरी 2026 को आयोजित प्रथम चरण में छह जिलों की 484 महिलाओं को सशक्त उद्यमी बनाने के उद्देश्य से 3 करोड़ 45 लाख 34 हजार 500 रुपए की 50 प्रतिशत पहली किस्त जारी की गई थी। वहीं 22 जुलाई 2026 को द्वितीय चरण में अल्मोड़ा, चंपावत, चमोली, हरिद्वार, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी और देहरादून की 212 महिलाओं के लिए 1 करोड़ 55 लाख 44 हजार रुपए की पहली किस्त स्वीकृत की गई।

# अनुराग ठाकुर ने कांगड़ा-चंबा-धर्मशाला क्षेत्र की भूकंप सुरक्षा का मुद्दा उठाया

◆ केंद्र ने निगरानी व आपदा तैयारी को और सशक्त बनाने की दी जानकारी

**भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर।** पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर से सांसद अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में भूकंपीय दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील कांगड़ा-चंबा-धर्मशाला क्षेत्र में भूकंप सुरक्षा व आपदा तैयारियों का महत्वपूर्ण विषय उठाते हुए केंद्र सरकार से इस क्षेत्र में जनजीवन एवं आधारभूत ढांचे की सुरक्षा के लिए किए जा रहे उपायों की विस्तृत जानकारी मांगी।

संसद में अनुराग ठाकुर के प्रश्न का उत्तर देते हुए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने बताया कि कांगड़ा-चंबा-धर्मशाला क्षेत्र सीस्मिक जोन-5 में आता है, जो देश का सर्वाधिक भूकंप जोखिम वाला क्षेत्र है। मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) सहित विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार इस क्षेत्र में रिक्टर पैमाने पर 7.0 से अधिक तीव्रता के भूकंप आने की संभावना बनी हुई है। मंत्रालय ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) भूकंप निगरानी केंद्र के माध्यम से देशभर में भूकंपीय गतिविधियों पर निरंतर नजर रखता है। जून 2026 के दौरान कांगड़ा-चंबा क्षेत्र में कुल 16 भूकंप दर्ज किए गए, जिनमें एक भूकंप की तीव्रता 5.0 से 5.9 के बीच रही, जबकि शेष सभी कम तीव्रता के थे। सरकार ने यह भी बताया कि देशभर में वर्तमान में 172 भूकंपीय निगरानी केंद्र कार्यरत हैं, जिनमें से 7 केंद्र हिमाचल प्रदेश के शिमला, धर्मशाला, तिस्सा, सुंदरनगर, कल्पा, भाखड़ा तथा पोंग बांध में स्थापित हैं। इन केंद्रों से प्रदेश में भूकंपीय गतिविधियों की वास्तविक समय में निगरानी और अधिक प्रभावी हुई है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) राज्य सरकारों के समन्वय से नियमित मॉक ड्रिल, अधिकारियों एवं प्रथम प्रतिक्रिया दलों का प्रशिक्षण, आपदा प्रबंधन योजनाओं का निर्माण, जन-जागरूकता अभियान तथा क्षमता निर्माण कार्यक्रम संचालित कर रहा है।

# शिमला में प्रदर्शन के दौरान भाजपा और एसएफआई कार्यकर्ताओं में धक्का-मुक्की

## भाजपा-एसएफआई विवाद के बाद छात्राओं से बदसलूकी के आरोप, कार्रवाई की मांग तेज

**भारतेन्दु संवाददाता, शिमला।** शिमला के सीटीओ चौक पर बुधवार को उस समय तनाव पैदा हो गया, जब अलग-अलग मुद्दों को लेकर प्रदर्शन कर रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। पहले दोनों ओर से नारेबाजी हुई और फिर धक्कामुक्की शुरू हो गई। मौके पर मौजूद पुलिस ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को अलग किया और स्थिति को नियंत्रित किया।

सीटीओ स्थित उपायुक्त कार्यालय के बाहर भाजपा दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास के बाहर कांग्रेस और विपक्ष के प्रदर्शन के विरोध में धरना दे रही थी। वहीं, एसएफआई के कार्यकर्ता शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पेपर लीक की घटनाओं के विरोध और छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे थे। इसी दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और माहौल बिगड़ गया। भाजपा के धरने को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष बलबीर वर्मा ने कांग्रेस पर लोकतांत्रिक मर्यादाओं व संवैधानिक व्यवस्था का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली में हुई हिंसा में 118 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा। उन्होंने इस मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। बलबीर वर्मा ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के राजभवन के बाहर धरने की भी आलोचना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को धरना देने के बजाय प्रदेश के मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। घटना के बाद भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल ने आरोप लगाया कि पार्टी का प्रदर्शन प्रशासन से पूर्व अनुमति लेकर शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित किया गया था, लेकिन सीटू और एसएफआई से जुड़े कार्यकर्ताओं ने वहां पहुंचकर माहौल खराब करने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि छात्रों, विशेषकर छात्राओं को आगे कर टकराव की स्थिति बनाई गई। कटवाल ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन पूरी घटना के दौरान मूकदर्शक बना रहा और बिना अनुमति प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए और यह भी स्पष्ट किया जाए कि उन्हें सीटीओ परिसर और रेन शेल्टर में किस आधार पर बैठने की अनुमति दी गई। दूसरी ओर एसएफआई का कहना है कि उसके कार्यकर्ता शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पेपर लीक के विरोध और छात्र हितों की मांगों को लेकर शांतिपूर्ण क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे थे। घटना के बाद अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति ने भी भाजपा कार्यकर्ताओं पर गंभीर आरोप लगाए। समिति की राज्य अध्यक्ष रंजना जरेट और राज्य महासचिव फालमा चौहान ने आरोप लगाया कि धक्कामुक्की के दौरान छात्राओं के साथ बदसलूकी की गई, उनके कपड़े फाड़े गए और मारपीट की गई। समिति ने संबंधित लोगों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा कि कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन चलाया जाएगा।

# निर्धारित समय में पूरा करें निर्माण कार्य गुणवत्ता से समझौता न हो: विक्रमादित्य

**भारतेन्दु संवाददाता, शिमला।** लोक निर्माण व शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने शिमला जिले के कटासनी में निर्माणाधीन अत्याधुनिक शूटिंग रेंज व इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से परियोजना की वर्तमान स्थिति, निर्माण की गुणवत्ता और कार्य की समय सीमा को लेकर विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने निर्माण कार्यों में इस्तेमाल हो रही सामग्री की गुणवत्ता, तकनीकी पहलुओं और निर्धारित मानकों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के कार्य में तेजी लाई जाए, लेकिन गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के युवाओं और खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने और खेल अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित शूटिंग रेंज और इंडोर स्टेडियम के तैयार होने से खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी। इससे प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार हो सकेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को तय समय अवधि के भीतर पूरा किया जाए, ताकि जल्द से जल्द खिलाड़ियों और स्थानीय युवाओं को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य युवाओं को खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाना है।

# तकनीकी विवि: बी फार्मेसी व बी आर्क अंतिम सेमेस्टर का परिणाम घोषित

**भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर।** हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर ने बी फार्मेसी अंतिम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया है। बी फार्मेसी अंतिम सेमेस्टर 1409 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी, जिसमें 1274 उत्तीर्ण हुए हैं। इसके अलावा बी फार्मेसी री-अपीयर के अंतिम सेमेस्टर का परिणाम भी घोषित किया गया है।

इसमें 48 में से 15 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। वहीं, बी आर्क अंतिम सेमेस्टर में 17 में से 16 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं, जबकि एक को री-अपीयर है। तकनीकी विवि के कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक अनुपम कुमार ठाकुर ने कहा कि बी फार्मेसी और बी आर्क अंतिम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। परीक्षा तकनीकी विवि की वेबसाइट पर परीक्षा परिणाम देख सकते हैं।

# पब्बर नदी पर पुल निर्माण में देरी पर हाईकोर्ट ने सरकार से मांगी रिपोर्ट

**भारतेन्दु संवाददाता, शिमला।** हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने शिमला जिले के रोहड़ू क्षेत्र में पब्बर नदी पर सीमा के पास बनने वाले पुल के निर्माण में हो रही देरी के मामले को गंभीरता से लेते हुए जनहित याचिका (पीआईएल) के रूप में स्वीकार कर लिया है। अदालत ने हिमाचल प्रदेश सरकार को इस मामले में विस्तृत स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 31 अगस्त को होगी।

यह मामला हाईकोर्ट को प्रशासनिक स्तर पर मिली एक शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया। शिकायत में रोहड़ू लोक निर्माण विभाग मंडल और चिड़गांव उपमंडल के तहत आरसीसी सड़क पर सीमा में पब्बर नदी पर बनने वाले पुल के निर्माण में लंबे समय से हो रही देरी का मुद्दा उठाया गया था। शिकायत में आसपास के अन्य पुलों के निर्माण में हो रही देरी का भी जिक्र किया गया है। मुख्य न्यायाधीश जी.एस. संधावालिया और न्यायमूर्ति बिपिन सी. नेगी की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह पुल निर्माण की वर्तमान स्थिति, देरी के कारणों और आगे की कार्ययोजना से संबंधित रिपोर्ट अदालत में पेश करे।

यह कार्रवाई अजय धवन की ओर से दी गई एक शिकायत के आधार पर हुई है। उन्होंने सीमा में पब्बर नदी पर पुल निर्माण का काम जल्द शुरू करवाने की मांग की थी। शिकायत में कहा गया था कि पुल निर्माण में लगातार हो रही देरी से स्थानीय लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हाईकोर्ट ने अब इस मामले को जनहित याचिका के रूप में सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई 31 अगस्त को निर्धारित की गई है।

# शिमला में चिट्टे के साथ 2 लोग काबू नकदी भी बरामद

**भारतेन्दु संवाददाता, शिमला।** नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शिमला पुलिस ने दो लोगों को 9 ग्राम चिट्टे (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 12 हजार रुपए नकद भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 21 जुलाई को थाना ढली और स्पेशल सेल शिमला की संयुक्त टीम गश्त व सुरागरसी पर थी। इसी दौरान सूचना मिली कि दो व्यक्ति फागू की ओर से शिमला की तरफ चिट्टा सप्लाई करने आ रहे हैं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वाहन को रोककर तलाशी ली, जिसमें आरोपियों के पास से मादक पदार्थ और नकदी बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुलदीप (39) निवासी कोटी और मनोज (33) निवासी ढली, जिला शिमला के रूप में हुई है। पुलिस थाना ढली में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 29 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

# पठानकोट-जालंधर हाईवे पर बेकाबू बस ने चार को कुचला, दो की मौत; गुस्साई भीड़ ने बस फूंकी

**भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट।** पठानकोट-जालंधर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गांव कौंतरपुर के समीप मंगलवार रात एक दर्दनाक हादसा पेश आया। तेज रफ्तार प्राइवेट बस का संतुलन बिगड़ने से बस सड़क किनारे खड़े चार लोगों को अपनी चपेट में ले लिया।

हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने बस को आग के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार हादसा रात करीब 9 से 9:30 बजे के बीच हुआ। जालंधर से जम्मू जा रही लक्ष्मी ट्रैवल्स की बस (एआर20बी-0956) संदीपनी गुरुकुल स्कूल कौंतरपुर के पास अचानक अनियंत्रित हो गई। बस ने सड़क किनारे खड़े एक बाइक, स्कूटी और अन्य लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में स्कूटी और बाइक सवार को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन दोनों ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान फिलहाल नहीं हो पाई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी रोष फैल गया और उन्होंने बस को रोककर उसमें आग लगा दी। सूचना मिलते ही थाना नंगलभूर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। स्थानीय निवासी रिटायर्ड सूबेदार मेजर प्रह्लाद सिंह ने बताया कि बस ने पहले गांव के रणजीत सिंह की स्कूटी को टक्कर मारी। टक्कर के बाद स्कूटी बस के नीचे फंस गई, लेकिन चालक ने बस रोकने के बजाय आगे बढ़ाने का प्रयास किया। इसके बाद बस ने बाइक सवार अरुण कुमार को भी चपेट में ले लिया। कुछ दूरी आगे जाकर बस ने एक महिला को भी टक्कर मार दी, जो अपने बच्चे के साथ जा रही थी। बच्चे की जान बच गई, जबकि महिला घायल हो गई। मौके पर पहुंचे एसपी गुरुकवाल सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में बस चालक की तेज रफ्तार और लापरवाही सामने आई है। हादसे में दो लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि बस चालक की तलाश जारी है और मामले में बस चालक व मालिक के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि इसी बस कंपनी की एक स्लीपर बस कुछ दिन पहले पठानकोट-जालंधर मार्ग पर डमताल के पास दुर्घटनाग्रस्त हुई थी, जो जम्मू से हरिद्वार जा रही थी।

# हिमाचल के सभी एनएसएस स्वयंसेवकों का होगा माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण

**भारतेन्दु संवाददाता, शिमला।** हिमाचल प्रदेश के सरकारी और निजी स्कूलों में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) से जुड़े सभी स्वयंसेवकों का अब माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराया जाएगा। शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों, जहां एनएसएस इकाइयां संचालित हैं, वहां पढ़ने वाले प्रत्येक स्वयंसेवक का पंजीकरण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। शिक्षा विभाग ने जिला उपनिदेशकों और स्कूल प्रधानाचार्यों से कहा है कि इस प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा किया जाए। विभाग का मानना है कि इससे प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों और विभिन्न अवसरों से जुड़ने का मौका मिलेगा। माई भारत पोर्टल से जुड़ने के बाद एनएसएस स्वयंसेवकों को नेतृत्व विकास, कौशल प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम और अन्य राष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

# भाजपा राष्ट्र निर्माण का अभियान, कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी ताकत: जीतराम कटवाल

**भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर।** विधायक जीतराम कटवाल ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का व्यापक अभियान है। पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति उसके समर्पित व निष्ठावान कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में कार्यकर्ताओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

झंडूता विधानसभा क्षेत्र में पंचायत स्तर पर चल रहे कार्यकर्ता संवाद एवं समन्वय अभियान के तहत बुधवार को जीतराम कटवाल ने घराण और नघ्यार पंचायतों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से संवाद किया और संगठन को मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। विधायक ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत, अनुशासन और समाज सेवा की भावना से ही संगठन मजबूत बनता है। उन्होंने कहा कि भाजपा का उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि राष्ट्रहित के विचारों को हर घर तक पहुंचाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से हर बूथ को मजबूत बनाने और अधिक से अधिक युवाओं व महिलाओं को संगठन से जोड़ने की अपील की। जीतराम कटवाल ने कहा कि झंडूता के कोटधार क्षेत्र को पहले पिछड़े इलाके के रूप में देखा जाता था, लेकिन पिछले आठ वर्षों में केंद्र सरकार के सहयोग से यहां विकास की नई तस्वीर सामने आई है। सड़कों, पुलों, पेयजल और विद्युत सुविधाओं में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र को शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर विधायक ने स्थानीय लोगों की समस्याएं भी सुनीं। कई समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया, जबकि अन्य मामलों के निपटारे के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

# नप बिलासपुर ने किया पौधरोपण

**भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर।** पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर परिषद बिलासपुर द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष जमुना, उपाध्यक्ष नरेंद्र पंडित, वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी वर्षा चौधरी, पार्षदों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं और नगर परिषद कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष नरेंद्र पंडित ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से अपनी मां के नाम पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रकृति संरक्षण के साथ मातृत्व के सम्मान का संदेश भी देती है। ईओ वर्षा चौधरी ने भी लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। कार्यक्रम में सीएमएम डेएनयूएलएम बंदना लखनपाल, मनीष ठाकुर, सुनीला कुमारी, शिवानी ठाकुर, रिशांत चौहान और शिवेंद्र शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

## कोटखाई में 87 लाख से बनेगा संपर्क मार्ग, शिक्षा मंत्री ने किया भूमि पूजन

# संस्कृति व परंपराओं का संरक्षण हमारी जिम्मेदारी: रोहित

**भारतेन्दु संवाददाता, शिमला।** शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने अपने एकदिवसीय कोटखाई दौरे के दौरान पराली बदरूनी पंचायत के अंतर्गत हरिजन बस्ती धार शरघाल संपर्क मार्ग का भूमि पूजन किया। करीब 1500 मीटर लंबे इस संपर्क मार्ग के निर्माण पर 87 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे।

इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और जल्द समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद शिक्षा मंत्री देवरी खनेटी पहुंचे, जहां उन्होंने जिला स्तरीय ऐतिहासिक रिहाली मेले में शिरकत कर माता देवी नंदन का आशीर्वाद लिया। उन्होंने मेले में पहुंचे श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रिहाली मेला क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। यह मेला हर वर्ष सावन माह में आयोजित किया जाता है, जिसमें स्थानीय क्षेत्रों के हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। रोहित ठाकुर ने कहा कि हिमाचल की संस्कृति पूरे विश्व में अपनी अलग पहचान रखती है और मेले व त्योहार इसका महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने युवा पीढ़ी से अपनी संस्कृति से जुड़े रहने और ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने मेला आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और वॉलीबॉल टूर्नामेंट व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की सराहना की।

उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया। मंत्री ने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ उन्हें नशे जैसी बुराइयों से दूर रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने हाई मास्ट लाइट के लिए 4 लाख रुपए तथा मेला कमेटी और स्थानीय क्लब के लिए 50 हजार रुपए देने की घोषणा की। शिक्षा मंत्री ने बताया कि कोटखाई विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति दी जा रही है। लोक निर्माण विभाग के तहत करीब 550 करोड़ रुपए के विभिन्न कार्य चल रहे हैं, जिनसे गांवों को सड़क सुविधा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि देवरी खनेटी स्कूल भवन का निर्माण 40 लाख रुपए की लागत से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के भवनों का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें देवरी खनेटी स्वास्थ्य केंद्र भी शामिल है। इसके अलावा कोटखाई में केंद्रीय विद्यालय की स्वीकृति, सब-जज कोर्ट, वेटरनरी अस्पताल, आदर्श स्वास्थ्य संस्थान और 182 सड़कों की मंजूरी क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धियां हैं।

# जिला मुख्यालय के स्कूलों का नहीं होगा विलय: आशीष

**भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर।** विधायक आशीष शर्मा ने शहीद कैप्टन मृदुल शर्मा राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हमीरपुर और राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हमीरपुर के विलय पर विराम लगाकर इन दो स्कूलों को क्रमश: सीबीएसई व प्रदेश बोर्ड से सहशिक्षा करने के प्रदेश सरकार के निर्णय का स्वागत किया है।

विधायक आशीष शर्मा ने कहा कि इस विषय को उन्होंने हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बीते बजट सत्र के दौरान भी सरकार के समक्ष रखा था और इस संबंध में उपायुक्त के माध्यम से सरकार को ज्ञापन भी भेजा था। देर से ही सही लेकिन प्रदेश सरकार की आंख खुली और विद्यार्थियों के हित में दोनों स्कूलों के विलय को रद्द कर दोनों स्कूलों को दो बोर्डों से सहशिक्षा करने की अधिसूचना जारी की है। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक संस्थान हैं, अब शहीद कैप्टन मृदुल शर्मा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीबीएसई बोर्ड से और राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हमीरपुर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के तहत संचालित होगा, अब विद्यार्थी अपनी पसंद के बोर्ड के तहत संचालित होने वाले स्कूल में दाखिला ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा पटल पर उन्होंने इन विद्यालयों को सहशिक्षा करने और एक स्कूल को हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड तथा दूसरे को सीबीएसई से संचालित करने की मांग की थी, जिस पर अब सरकार के कानों पर जूं रेंगी और सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है।

**खुशी** पुराने गर्ल्स स्कूल को मिलेगा नया स्वरूप, अब बनेगा को-एजुकेशनल आदर्श स्कूल

# हर समस्या का समाधान प्राथमिकता: सुनील बिट्टू

**भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर।** हमीरपुर मुख्यालय में स्थित वर्षों पुराने गर्ल्स स्कूल को अब को-एजुकेशनल बनाकर तथा इसे हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अंतर्गत राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला के नाम से संचालित करने के निर्णय का शहर के विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठन, अन्य संस्थाएं, शिक्षक संघ, स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) और आम लोगों में खुशी का माहौल है।

### प्रधानाचार्य व शिक्षक संघों ने भी जताया आभार

**पुराने** गर्ल्स स्कूल की प्रधानाचार्य पूनम चैहान, प्रवक्ता संघ के जिला अध्यक्ष गौतम सिंह राणा, विज्ञान अध्यापक संघ के जिला अध्यक्ष विकेश कौशल और अन्य शिक्षक संघों के पदाधिकारियों ने भी इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इससे हमीरपुर शहर और इसके आस-पास के क्षेत्रों के बच्चों को सीबीएसई या हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड से पढ़ाई करने के दोनों विकल्प उपलब्ध होंगे।

बुधवार को लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में आयोजित एक कार्यक्रम में इन संगठनों एवं संस्थाओं के पदाधिकारियों और अन्य लोगों ने मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उमड़े शहरवासियों को संबोधित करते हुए सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू हमेशा आम लोगों की जरुरतों और जनभावनाओं के अनुसार ही कार्य करते हैं और संजीदगी के साथ त्वरित निर्णय लेते हैं। पुराने गर्ल्स स्कूल के मुद्दे पर भी उन्होंने स्थानीय जरुरतों एवं जनभावनाओं को देखते हुए ही सराहनीय निर्णय लिया है। सुनील शर्मा बिट्टू ने बताया कि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हमीरपुर में किसी भी तरह की समस्या नहीं रहनी चाहिए। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार वह हमीरपुर के हर क्षेत्र का दौरा करके आम लोगों की समस्याओं और स्थानीय जरूरतों को चिह्नित कर रहे हैं, ताकि इनके निवारण के लिए त्वरित कदम उठाए जा सकें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री प्रत्येक हमीरपुरवासी की ताकत हैं और यहां की हर समस्या के समाधान तथा चहुमुखी विकास के लिए दलगत राजनीति से ऊपर उठकर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने गर्ल्स स्कूल के मुद्दे पर सहयोग के लिए सभी संगठनों एवं संस्थाओं, व्यापारियों और आम लोगों का भी धन्यवाद किया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमन भारती, व्यापार मंडल अध्यक्ष सुमीत ठाकुर, राजेंद्र सोनी, प्रसिद्ध व्यवसायी नंदा और पुराने गर्ल्स स्कूल की एसएमसी की अध्यक्ष मंजू देवी ने भी अपने विचार रखे तथा मुख्यमंत्री और सुनील शर्मा बिट्टू का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में एपीएमसी अध्यक्ष अजय शर्मा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुनील कुमार, एचपीएमसी के बीओडी मेंबर राजेश ठाकुर, प्रधानाचार्य पूनम चौहान, कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, पूर्व पार्षद, व्यापार मंडल, शहर की अन्य संस्थाओं, एसएमसी और शिक्षक संघों के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

# एचपीयू में अनियमितताओं की जांच की मांग, एसएफआई ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

**भारतेन्दु संवाददाता, शिमला।** हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के 57वें स्थापना दिवस पर स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने विश्वविद्यालय की पारदर्शिता, वित्तीय जवाबदेही और प्रशासनिक सुधारों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। एसएफआई ने कहा कि स्थापना दिवस आत्ममंथन का अवसर भी है और विश्वविद्यालय की गरिमा व लोकतांत्रिक चरित्र बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। संगठन ने विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि, वित्तीय अनियमितताओं, निजी व सरकारी महाविद्यालयों के निरीक्षण, विभागाध्यक्ष नियुक्तियों और कैरियर एडवांसमेंट स्कीम से जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग की। एसएफआई ने वर्ष 2020 के बाद हुई शिक्षकों की नियुक्तियों, निर्माण कार्यों और ईआरपी परियोजना में संभावित अनियमितताओं की भी जांच की मांग उठाई। एसएफआई ने प्रत्यक्ष छात्र चुनाव बहाल करने की मांग करते हुए कहा कि छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा जरूरी है। संगठन ने मुख्यमंत्री से सभी मामलों की समयबद्ध जांच करवाने का आग्रह किया।

# बस स्टैंड हमीरपुर के रेलवे बुकिंग काउंटर पर लगेगा ताला

## एचआरटीसी द्वारा दुकानों की तालाबंदी कर खाली करवाने का सिलसिला जारी

**अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर।** बस स्टैंड हमीरपुर में बनाए गए उत्तर रेलवे के बुकिंग काउंटर बंद करने को एचआरटीसी कर्मियों ने तालाबंदी शुरू कर दी है।

वीरवार से रेलवे बुकिंग काउंटर पर लोगों को सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाएंगी। तालाबंदी तो बुधवार को ही मुकम्मल हो जानी थी, लेकिन किन्हीं कारणों से हो नहीं पाई। इसके अलावा हमीरपुर बस अड्डे के भीतर स्थित अलग-अलग तकरीबन 10 दुकान और बंद हो रही है इनमें दो दुकानों को बंद कर दिया गया है उन पर ताले लगा दिए गए हैं। कुछ दुकानों की दिक्कत यह है कि 30 साल का उनका एग्रीमेंट है। इस वजह से अभी स्थिति अजीबोगरीब है, लेकिन एचआरटीसी के अधिकारियों का कहना है कि बस अड्डे के भीतर तमाम दुकानों को क्लोज कर दिया जाएगा और यह कार्रवाई दो-तीन दिनों में मुकम्मल हो जाएगी, इन्हें नोटिस जारी किए गए थे और 15 दोनों का समय दिया गया था, लेकिन किसी ने भी उस पर अमल नहीं किया इसलिए अब निगम के कर्मचारियों की एक टीम संबंधित दुकानों पर जाकर इनके शटर डाउन करवा रही है, उन पर तालाबंदी कर रही है। इसका मुख्य कारण है कि हमीरपुर का नया बस अड्डा निर्माणाधीन है, अगले चार-पांच महीना में वह बन कर तैयार हो जाएगा। मौजूदा बस अड्डे की वहां शिफ्टिंग हो जाएगी, लेकिन जो मौजूदा बस स्टैंड है, उस जगह को खाली करके वहां पर विशाल शॉपिंग कांप्लेक्स का निर्माण होगा। इसकी घोषणा मुख्यमंत्री सुक्खू कर चुके हैं। इसके लिए धनराशि भी स्वीकृत हो चुकी है। निगम के अधिकारी इसलिए इस बस स्टैंड की दुकानों को खाली करवाने का प्रक्रिया शुरू किए हुए हैं। बस अड्डे के बाहर की साइड को भी तकरीबन 10 दुकानें हैं। फिलहाल उन्हें मुख्यमंत्री से मिलने के बाद राहत मिली है। उन्हें खोखों में शिफ्ट किया जाएगा। इस बारे में एचआरटीसी के मंडलीय प्रबंधक राज कुमार पाठक ने बताया कि बस स्टैंड में दुकानदारों को नोटिस दिए गए थे बावजूद इसके दुकानदारों ने दुकानें खाली नहीं की। उन्होंने बताया कि यह दुकानें लीज पर दी गई थी इनमें से कुछ दुकानदारों की लीज समाप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया कि रेलवे बुकिंग काउंटर को शिफ्ट करने को लेकर प्रशासन ही इसके बारे में बता सकता है। उन्होंने बताया कि एक या दो दिन लोगों को दिक्कत होगी उसके बाद इन्हें शिफट कर दिया जाएगा।

# कलियर शरीफ के 758वें सालाना उर्स की तैयारियां तेज, प्रशासन ने कसी कमर

## कलियर उर्स में देश-विदेश से आएंगे जायरीन, सुविधाओं का खाका तैयार

**भारतेंदु संवाददाता, देहरादून।** कलियर शरीफ में 758वें सालाना उर्स, मेला-2026 के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर जिला कार्यालय सभागार में बुधवार को तैयारियों की समीक्षा बैठक की गई। अपर जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि इस वर्ष 758वें सालाना उर्स का आयोजन 13/14 अगस्त से 3/4 सितंबर तक होगा। चांद दिखाई देने पर मेहंदी डोरी की रस्म के साथ उर्स का शुभारंभ होगा, जबकि मुख्य आयोजन 24-25 अगस्त से 28-29 अगस्त तक संपन्न होंगे।

अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि उर्स शुरू होने से पहले मेला क्षेत्र से सभी अवैध अतिक्रमण हटाए जाएं और श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी विभाग समन्वय के साथ निर्धारित समय सीमा में अपने कार्य पूरे करें, ताकि देश-विदेश से आने वाले जायरीनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बैठक में अस्थायी कार्यालयों और पुलिस चौकियों की स्थापना, जर्मन हैंगर, बैरिकेडिंग, अस्थायी दुकानों, विद्युत व्यवस्था, मोबाइल शौचालय, पार्किंग, सफाई, पेयजल, चिकित्सा, अग्निशमन एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस विभाग ने अस्थायी चौकियों, भीड़ नियंत्रण, जल पुलिस और मोटर बोट की तैनाती की योजना प्रस्तुत की। वहीं रेलवे एवं परिवहन विभाग ने अतिरिक्त ट्रेनों, शटल बसों और पार्किंग व्यवस्था, नगर पंचायत पिरान कलियर ने सफाई, जल संस्थान ने पेयजल आपूर्ति, स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सकों, एंबुलेंस एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा अग्निशमन विभाग ने आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की जानकारी दी।

### विभिन्न विभागों के अधिकारी रहे मौजूद

**ज्वाइंट** मजिस्ट्रेट रुड़की दीपक रामचंद्र सेठ ने विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने पर जोर दिया। विधायक पिरान कलियर फुरकान अहमद ने भी सभी विभागों से समन्वय के साथ कार्य करते हुए उर्स मेले की सभी तैयारियां समय पर पूरी करने की अपील की। बैठक में नगर मजिस्ट्रेट हरगिरि, जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल, आरटीओ प्रवर्तन कृष्ण चंद्र पलारिया, उप नगर आयुक्त रुड़की अमरजीत कौर, तहसीलदार विकास अवस्थी सहित पुलिस एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

## केदारनाथ पैदल मार्ग पर गिरे बोल्डर, कुछ देर बाधित रहा आवागमन

**भारतेंदु संवाददाता, देहरादून।** केदारघाटी में रातभर हुई भारी बारिश के कारण गौरीकुंड से लगभग एक किलोमीटर आगे छौड़ी के पास केदारनाथ पैदल मार्ग पर बोल्डर और मलबा गिरने से कुछ समय के लिए आवागमन बाधित हो गया। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यात्रियों को सोनप्रयाग, गौरीकुंड और भीमबली सहित सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया। सूचना मिलते ही संबंधित विभागों की टीम मौके पर पहुंची और मार्ग से बोल्डर व मलबा हटाने का कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद पैदल मार्ग को दोबारा आवागमन के लिए सुचारु कर दिया गया। इसके बाद सुरक्षित स्थानों पर रुके श्रद्धालुओं को चरणबद्ध तरीके से आगे रवाना किया गया। प्रशासन ने यात्रियों से मौसम को देखते हुए सतर्क रहने और यात्रा के दौरान केवल आधिकारिक निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

# हिंदुस्तान ओलंपियाड 2026 में एसजीआरआर कर्णप्रयाग के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

## कर्णप्रयाग के एसजीआरआर स्कूल ने ओलंपियाड में लहराया सफलता का परचम

**भारतेंदु संवाददाता, कर्णप्रयाग।** श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल कर्णप्रयाग जयकंडी चमोली के विद्यार्थियों ने हिंदुस्तान ओलंपियाड 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय में आयोजित एक सम्मान समारोह में सत्र 2025-26 के दौरान राज्य और जनपद स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र, मेडल और नगद राशि के चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विद्यालय के कुल 15 विद्यार्थियों ने हिंदुस्तान ओलंपियाड में शानदार सफलता हासिल की। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। समारोह में प्रधानाचार्य बुद्धि बल्लभ डोभाल ने सफल विद्यार्थियों की जमकर सराहना करते हुए कहा कि छात्रों की मेहनत, लगन और शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह सफलता प्राप्त हुई है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी तरह मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

ओलंपियाड में विद्यालय की कक्षा 12 की छात्रा रीतिका डिमरी ने कॉमर्स वर्ग में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। उन्हें पुरस्कार स्वरूप 5100 रुपये की नगद राशि का चेक प्रदान किया गया। वहीं कक्षा 12 की ही छात्रा अदिति ने कॉमर्स वर्ग में राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल कर 4100 रुपये की राशि प्राप्त की।

### प्रधानाचार्य ने अभिभावकों को दी शुभकामनाएं

**विद्यालय** के प्रधानाचार्य बुद्धि बल्लभ डोभाल और श्री गुरु राम राय एजुकेशन मिशन के चेयरमैन श्री महंत देवेंद्र दास महाराज ने सभी सफल विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं दीं।

### विद्यार्थियों ने किया शानदार प्रदर्शन

**जनपद** स्तर पर भी विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। रीतिका, वंशिका सती, ऋत्विक रावत, अर्शदीप सिमल्टी और अभिनव कनवासी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 3100 रुपये की नगद राशि के चेक प्राप्त किए। इसके अलावा अदिति, मानसी, जातिक कैलखुरा, अनुष्का पंत, सार्थक नैनवाल और आरुष भैरवान ने जनपद स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल किया और उन्हें 2100 रुपये की राशि प्रदान की गई।

# निरंतर मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से ही मिलती है सफलता: डॉ. कंचन नेगी

## बोली- मेहनत और आत्मविश्वास से हर सपना होगा साकार

**भारतेंदु संवाददाता, देहरादून।** हिमालयन पब्लिक स्कूल के सीनियर विंग में आयोजित इन्वेस्टिचर सेरेमनी में अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविद्, शोध एवं विकास विशेषज्ञ और उत्तराखण्ड हेरिटेज स्कूल ऑफ मीडिया एंड एडवांस्ड स्टडीज़ की संस्थापक एवं निदेशक डॉ. कंचन नेगी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद नवगठित छात्र परिषद के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई।

अपने संबोधन में डॉ. कंचन नेगी ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। निरंतर मेहनत, दृढ़ संकल्प, अनुशासन और आत्मविश्वास ही जीवन में सफलता की वास्तविक कुंजी हैं। उन्होंने कहा कि नेतृत्व केवल अधिकार प्राप्त करना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाना, सेवा भाव रखना और उत्कृष्ट चरित्र का परिचय देना है।

डॉ. नेगी ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के संघर्षपूर्ण जीवन का उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए लगातार प्रयास करने की प्रेरणा दी। उन्होंने छात्रों से समय का सदुपयोग करने, सकारात्मक सोच अपनाने, नैतिक मूल्यों का पालन करने और स्वयं को एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. कंचन नेगी ने विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. दुर्गा प्रसाद वर्मा और प्रधानाचार्या स्वाति उनियाल का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण पर राज्यपाल ने दिया विशेष जोर

# राज्यपाल गुरमीत सिंह से मिले संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति

**भारतेंदु संवाददाता, देहरादून।** देहरादून स्थित लोक भवन में उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाकान्त पाण्डेय ने राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान कुलपति ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, शोध कार्यों, नवाचार पहलों और भविष्य की योजनाओं के बारे में राज्यपाल को विस्तृत जानकारी दी।

बैठक में विश्वविद्यालय में संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार, भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के विषयों पर चर्चा हुई। राज्यपाल ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं बल्कि

- **कुलपति प्रो. रमाकान्त पाण्डेय ने राज्यपाल को सौंपी विश्वविद्यालय की रिपोर्ट**

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और ज्ञान परंपरा का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने विश्वविद्यालय से संस्कृत अध्ययन, शोध और नई शैक्षणिक पहलों को और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और शोध को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ आधुनिक जरूरतों के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था विकसित करनी चाहिए।

# देहरादून में राहुल गांधी के खिलाफ सड़कों पर उतरी भाजपा

## राहुल गांधी के दिल्ली प्रदर्शन के विरोध में देहरादून में भाजपा ने किया शक्ति प्रदर्शन

**भारतेंदु संवाददाता, देहरादून।** देहरादून में बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में किए गए प्रदर्शन के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा ने राहुल गांधी और कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सड़क पर उतरकर अपना विरोध दर्ज कराया। बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता महानगर कार्यालय से कांग्रेस भवन की ओर कूच करने के लिए निकले, लेकिन पुलिस ने उन्हें कनक चौक के पास बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया।

भाजपा कार्यकर्ताओं का काफिला जैसे ही कांग्रेस भवन की ओर बढ़ा, पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए उन्हें आगे जाने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद प्रदर्शनकारी सड़क पर ही बैठ गए और कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगे। कुछ कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग पर चढ़ने का प्रयास भी किया। स्थिति को देखते हुए मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया और अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया।

प्रदर्शन करते भाजपा कार्यकर्ता।

प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच कुछ समय तक तीखी नोकझोंक भी हुई। पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए बैरिकेडिंग के आगे सुरक्षा घेरा बनाया। कनक चौक क्षेत्र में प्रदर्शन के कारण यातायात व्यवस्था भी कुछ समय के लिए प्रभावित हुई। हालांकि पुलिस की सतर्कता से स्थिति को नियंत्रण में रखा गया।

भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक संस्थाओं को लेकर भ्रम फैलाने की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास के घेराव जैसे कार्यक्रम केवल राजनीतिक दबाव बनाने का प्रयास हैं। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह जनता से जुड़े मुद्दों के बजाय विरोध की राजनीति को प्राथमिकता दे रही है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं और व्यवस्थाओं का सम्मान करना भी जरूरी है। उन्होंने कांग्रेस से जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाने और अराजकता फैलाने वाली राजनीति से दूर रहने की अपील की।

### भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पार्टी पर लगाए गंभीर आरोप

**भाजपा** नेताओं ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक संस्थाओं को लेकर भ्रम फैलाने की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास के घेराव जैसे कार्यक्रम केवल राजनीतिक दबाव बनाने का प्रयास हैं। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह जनता से जुड़े मुद्दों के बजाय विरोध की राजनीति को प्राथमिकता दे रही है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं और व्यवस्थाओं का सम्मान करना भी जरूरी है। उन्होंने कांग्रेस से जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाने और अराजकता फैलाने वाली राजनीति से दूर रहने की अपील की।

कांग्रेस से जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाने और अराजकता फैलाने वाली राजनीति से दूर रहने की अपील की।

गोविंदघाट से घांघरिया तक रोपवे अलाइनमेंट तैयार

# हेमकुंड रोपवे परियोजना को गति सितंबर तक पूरा होगा फील्ड सर्वे

जिला प्रशासन की बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा करते अधिकारी।

**भारतेंदु संवाददाता, चमोली।** हेमकुंड रोपवे सहित प्रमुख विकास परियोजनाओं के भूमि हस्तांतरण प्रकरणों को लेकर जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पिटकुल, बीआरओ, एनएचआईडीसीएल, यूएसडीए और लोक निर्माण विभाग की परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। हेमकुंड रोपवे परियोजना के तहत लिडार सर्वे पूरा हो चुका है और गोविंदघाट से घांघरिया तक रोपवे का अलाइनमेंट तैयार कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सितंबर तक परियोजना का फील्ड सर्वे पूरा कर भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को लंबित भूमि हस्तांतरण मामलों का समयबद्ध निस्तारण करने और आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। बीआरओ की सड़क परियोजनाओं में भी भूमि अधिग्रहण और मुआवजा प्रक्रिया तेज करने पर जोर दिया गया।

वीरभद्र मंदिर घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर डॉ. अग्रवाल सख्त

# ऋषिकेश में 6 करोड़ 91 लाख की लागत से बने घाटों का डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने किया निरीक्षण

**भारतेंदु संवाददाता, देहरादून।** ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने शारदा पीठ विस्थापित क्षेत्र और वीरभद्र मंदिर के समीप सिंचाई विभाग द्वारा लगभग 6 करोड़ 91 लाख रुपये की लागत से निर्मित घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाट निर्माण की गुणवत्ता, सुरक्षा व्यवस्थाओं और आमजन के लिए उपलब्ध सुविधाओं का विस्तार से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता सुरेंद्र श्रीकोटी भी मौजूद रहे। डॉ. अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घाटों का निर्माण केवल मजबूत संरचना तक सीमित न रहे, बल्कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण भी तैयार किया जाए।

वीरभद्र मंदिर के समीप बने घाट का निरीक्षण करते हुए डॉ. अग्रवाल ने स्पर के ऊपर सुरक्षा श्रृंखला लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मां गंगा के तट पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

### अधिकारियों को सुविधाएं बढ़ाने के दिए निर्देश

**डॉ. अग्रवाल** ने कहा कि ऋषिकेश धार्मिक आस्था के साथ-साथ पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण स्थान है। ऐसे में घाटों का आकर्षक, सुव्यवस्थित और सुरक्षित निर्माण क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने अधिकारियों को घाटों के आसपास स्वच्छता, बेहतर प्रकाश व्यवस्था और हरित वातावरण बनाए रखने पर विशेष ध्यान देने को कहा। हरेला पर्व के अवसर पर डॉ. अग्रवाल ने घाट क्षेत्र में अधिक से अधिक पौधारोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण जरूरी है और हरेला पर्व प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी को दर्शाता है।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन में ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

# एकेश्वर में लखपति दीदी सम्मेलन सम्मानित हुईं 48 सफल महिला उद्यमी

**भारतेंदु संवाददाता, एकेश्वर।** महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत, आत्मनिर्भर और समाज में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए सक्षम बनाने की दिशा में सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए एकेश्वर विकासखंड मुख्यालय पणखेत में भाजपा महिला मोर्चा की ओर से लखपति दीदी सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल के विभिन्न विकासखंडों से चयनित 48 लखपति दीदियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज

सतपाल महाराज ने महिलाओं को बताया विकास की मजबूत आधारशिला।

ने कहा कि लखपति दीदी योजना का उद्देश्य केवल महिलाओं की आय में वृद्धि करना नहीं है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाना भी है। उन्होंने कहा कि आज देशभर में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी करोड़ों महिलाएं अपने परिश्रम, कौशल और लगन के बल पर परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं। महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से समाज और देश के विकास को नई दिशा मिल रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता के अवसर प्रदान करना है।

**भूस्खलन** सीमांत क्षेत्र में पहाड़ों का टूटना जारी, तवाघाट मार्ग बंद होने से बढ़ी लोगों की परेशानी

# पिथौरागढ़ में भूस्खलन से कैलाश मानसरोवर मार्ग बंद, चीन सीमा का संपर्क टूटा

**भारतेंदु संवाददाता, पिथौरागढ़ ।** उत्तराखंड के सीमांत जिले पिथौरागढ़ में लगातार हो रही भारी बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बारिश के कारण पहाड़ों के दरकने और भूस्खलन की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। बुधवार को कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर तवाघाट के पास भारी भूस्खलन होने से सड़क पूरी तरह बंद हो गई। पहाड़ी से बड़ी चट्टानें टूटकर सड़क पर आ गिरीं, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। इस घटना के बाद चीन सीमा से लगे क्षेत्रों का संपर्क भी टूट गया है।

जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर करीब दो बजे तवाघाट के नजदीक कैलास मानसरोवर यात्रा मार्ग पर अचानक भारी चट्टान खिसक गई। देखते ही देखते सड़क पर मलबे का ढेर लग गया और मार्ग बंद हो गया। पहाड़ी क्षेत्र में लगातार बारिश के चलते चट्टानों के गिरने का खतरा पहले से ही बना हुआ था। प्रशासन और सीमा सड़क संगठन की टीम मार्ग खोलने के प्रयासों में जुट गई है।

तवाघाट क्षेत्र में इससे पहले भी भूस्खलन की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। मंगलवार को तवाघाट दारमा मार्ग पर पमांबे के पास पूरा पहाड़ दरक गया था, जिससे क्षेत्र में आवाजाही प्रभावित हुई थी। लगातार हो रहे भूस्खलन ने सीमांत इलाकों में रहने वाले लोगों की परेशानियां बढ़ा दी हैं।

कैलास मानसरोवर यात्रा मार्ग सामरिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यह मार्ग चीन सीमा की ओर जाने वाले क्षेत्रों को जोड़ता है। सड़क बंद होने से सीमा क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों और सुरक्षा बलों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और मौसम में सुधार का इंतजार किया जा रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार बारिश के दौरान पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें कई बार बंद हो जाती हैं। भूस्खलन के कारण यात्रियों और स्थानीय निवासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

### कैलाश यात्रा मार्ग पर भूस्खलन से यातायात पूरी तरह ठप

**मौसम** विभाग ने उत्तराखंड के कई पर्वतीय क्षेत्रों में अभी भी बारिश का अनुमान जताया है। ऐसे में प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे मौसम की स्थिति और सड़क मार्गों की जानकारी लेने के बाद ही यात्रा करें।

सीमा सड़क संगठन और प्रशासन की टीमें मलबा हटाने और मार्ग को जल्द से जल्द खोलने के लिए काम कर रही हैं। हालांकि लगातार बारिश के कारण राहत कार्यों में भी बाधा आ रही है। अधिकारियों का कहना है कि मौसम सामान्य होते ही सड़क खोलने का काम तेजी से पूरा किया जाएगा।

पिथौरागढ़ जैसे पहाड़ी जिलों में मानसून के दौरान भूस्खलन एक बड़ी चुनौती बन जाता है। हर साल बारिश के मौसम में कई सड़कें बंद हो जाती हैं और लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण कार्यों और सड़क सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। फिलहाल तवाघाट के पास कैलास मानसरोवर यात्रा मार्ग बंद है और प्रशासन हालात पर लगातार नजर रख रहा है।

**कोविड-19** महामारी के बाद आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना शुरू की गई। इसका उद्देश्य छोटे खाद्य उद्योगों को आर्थिक सहायता, प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग देकर मजबूत बनाना है। योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं और कई लोगों ने अपना व्यवसाय शुरू किया है। लाखों उद्यमियों को इसका लाभ मिला है। श्री जमनालाल पाटीदार ने भी योजना के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित की, जो आज सफल व्यवसाय बन चुकी है। यह योजना छोटे उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। **-चिराग पासवान ( प्रसंस्करण उद्योग मंत्री )**

# हरेला पखवाड़े पर राजस्व नगर में हुआ वृक्षारोपण लोगों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

**भारतेंदु संवाददाता, देहरादून।** हरेला पखवाड़े के अवसर पर राजस्व नगर फेज-2 नागरिक कल्याणकारी समिति की ओर से चिल्ड्रन पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कॉलोनीवासियों और समिति सदस्यों ने मिलकर पौधे लगाए और पार्क की साफ-सफाई कर सौंदर्यीकरण का कार्य किया। कार्यक्रम की शुरुआत बायो ब्रिज सदस्य चंडी प्रसाद जोशी ने पौधारोपण कर की। समिति अध्यक्ष देव चंद उत्तराखंडी ने बताया कि हरेला पखवाड़ा 16 से 22 जुलाई तक चलेगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे एक वृक्ष मां के नाम या अपने नाम पर लगाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें।

# एलएडीसी सिस्टम के विरोध में वकीलों ने शुरू की भूख हड़ताल

**भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़**

लीगल एड डिफेंस काउंसिल (एलएडीसी) सिस्टम के विरोध में चंडीगढ़ जिला अदालत के वकीलों ने बुधवार से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। पंजाब में संयुक्त कार्रवाई समिति के आह्वान पर जिला बार एसोसिएशन, चंडीगढ़ ने भी आंदोलन को समर्थन देते हुए पहले दिन कई पदाधिकारियों को भूख हड़ताल पर बैठाया। वकीलों का कहना है कि एलएडीसी व्यवस्था लागू होने के बाद स्वतंत्र रूप से प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ताओं के सामने रोजगार और आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

भूख हड़ताल के पहले दिन बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक चौहान, उपाध्यक्ष संदीप गुज्जर, सचिव अमीश शर्मा, कोषाध्यक्ष उज्जवल भसीन के अलावा अधिवक्ता मुकेश कुमार, धर्मेंद्र सिंह, एएस गुजराल, आरएल मौर्य और नरेश कुमार सहित कई वरिष्ठ वकील आंदोलन में शामिल हुए। आंदोलन स्थल पर बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने एकजुट होकर एलएडीसी सिस्टम की समीक्षा की मांग उठाई और इसे वर्तमान स्वरूप में लागू रखने पर आपत्ति जताई।

बार एसोसिएशन ने जिला अदालत के न्यायाधीशों से भी अनुरोध किया है कि आंदोलन में शामिल अधिवक्ताओं की अनुपस्थिति के कारण उनके मामलों में कोई प्रतिकूल आदेश पारित न किया जाए। एसोसिएशन का कहना है कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं बल्कि अधिवक्ताओं के पेशेवर हितों की रक्षा के लिए किया जा रहा है। इसलिए अदालतों से सहयोग की अपेक्षा की जा रही है।

वकीलों का आरोप है कि एलएडीसी सिस्टम लागू होने के बाद बड़ी संख्या में ऐसे मामले, जिनमें पहले जरूरतमंद पक्षकार अपनी पसंद के निजी वकीलों की सेवाएं लेते थे, अब लीगल एड डिफेंस काउंसिल के माध्यम से निपटाए जा रहे हैं।

# पंजाब के युवा बिजनेस क्लास से बने आत्मनिर्भर उद्यमी

## शिक्षा क्रांति के तहत शुरू कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने स्टार्टअप स्थापित कर किया 90 करोड़ का कारोबार

**भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़**

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई 'शिक्षा क्रांति' के तहत लागू 'बिजनेस क्लास' कार्यक्रम ने पहले ही वर्ष में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उच्च एवं तकनीकी शिक्षण संस्थानों में शुरू किए गए इस कार्यक्रम के माध्यम से हजारों विद्यार्थियों ने पढ़ाई के साथ-साथ उद्यमिता की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। सरकार का दावा है कि इस पहल ने युवाओं को केवल नौकरी तलाशने के बजाय स्वयं रोजगार सृजित करने के लिए प्रेरित किया है।

उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि बी.कॉम., बीबीए, बी.टेक., बी.वोकेशनल, आईटीआई और पॉलिटेक्निक के विद्यार्थियों के लिए शुरू किए गए दो क्रेडिट के अनिवार्य पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में लगभग 95 हजार विद्यार्थियों ने भाग लिया। इनमें से 25 हजार 693 विद्यार्थियों ने अपने स्टार्टअप शुरू किए, जबकि 20 हजार 241 छात्र उद्यमों ने पहले ही वर्ष में लगभग 90 करोड़ रुपये का कारोबार किया।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसे युवा तैयार करना है जो नवाचार करें, नए व्यवसाय स्थापित करें और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करें। उनके अनुसार यदि युवाओं को सही मार्गदर्शन और अवसर दिए जाएं तो वे राज्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकते हैं।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में राज्य के 20 विश्वविद्यालयों, 494 कॉलेजों, 320 आईटीआई और 91 पॉलिटेक्निक सहित कुल 925 संस्थानों में यह कार्यक्रम लागू किया गया। पाठ्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को व्यवसायिक अवसरों की पहचान, बाजार अनुसंधान, ग्राहक व्यवहार, डिजिटल मार्केटिंग, वित्तीय प्रबंधन, मूल्य निर्धारण, संचार कौशल और समस्या समाधान जैसे व्यावहारिक विषयों का प्रशिक्षण दिया गया। इसका परिणाम यह रहा कि लगभग 57 हजार विद्यार्थी पढ़ाई के दौरान ही वास्तविक व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़ गए।

कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों ने ई-कॉमर्स, डिजिटल कंटेंट निर्माण, ग्राफिक डिजाइनिंग, बेकरी एवं फूड सर्विस, फिटनेस, कृषि आधारित उद्यम, हस्तशिल्प, ब्यूटी एवं पर्सनल केयर, कोडिंग और अन्य स्थानीय सेवाओं से जुड़े व्यवसाय शुरू किए। इससे उन्हें न केवल व्यावहारिक अनुभव मिला बल्कि आय अर्जित करने का अवसर भी प्राप्त हुआ।

कई विद्यार्थियों ने अपनी सफलता से इस पहल की उपयोगिता साबित की है। गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के छात्र सौरव ने अपने माचा पेय ब्रांड के माध्यम से लगभग 90 हजार रुपये की कमाई की। महाराजा रणजीत सिंह पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी के छात्र शरणवीर सिंह ने डिजिटल करियर मार्गदर्शन मंच विकसित किया, जिसके ढाई लाख से अधिक उपयोगकर्ता हो चुके हैं। सरकारी आईटीआई पटियाला के कमलजीत सिंह ने मशरूम उत्पादन का व्यवसाय शुरू कर लगभग डेढ़ लाख रुपये कमाए, जबकि मोहाली की गगनप्रीत कौर ने घर से नेल आर्ट व्यवसाय शुरू कर 55 हजार रुपये की आय अर्जित की। वहीं मोहाली के ही रमनदीप सिंह ने ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर स्थापित कर अपने कारोबार का विस्तार किया। कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने सर्वसम्मति से शैक्षणिक सत्र 2026-27 से इसे सभी स्नातक पाठ्यक्रमों में लागू करने की सिफारिश की है।

## न्यूज ब्रीफ

### ट्रेड डील विरोध में किसानों का चंडीगढ़ में प्रदर्शन

**भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़।** भारत-अमेरिका प्रस्तावित ट्रेड डील के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर बुधवार को किसानों ने चंडीगढ़ में प्रदर्शन किया। किसान सेक्टर-35 स्थित किसान भवन से रैली निकालकर सेक्टर-33 स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय कमलम की ओर बढ़ रहे थे। हालांकि पुलिस ने किसान भवन के बाहर बैरिकेडिंग कर उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान किसानों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई, जिससे कुछ देर के लिए तनावपूर्ण स्थिति बन गई। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के चंडीगढ़ प्रधान कुलदीप सिंह कुड्डू ने बताया कि यह देशव्यापी आंदोलन का हिस्सा है। किसानों ने न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, कृषि ऋण माफी, फसल बीमा योजना में सुधार, भूमि अधिग्रहण पर उचित मुआवजा तथा किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग उठाई। बाद में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा मौके पर पहुंचे और किसानों से उनका मांग पत्र प्राप्त किया। पुलिस की मौजूदगी में प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

### मोहाली में वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार

**भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली।** फेज-11 थाना पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 15 चोरी के दोपहिया वाहन और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच अधिकारी हवलदार हरप्रीत सिंह को मिली गुप्त सूचना के आधार पर गुरप्रीत सिंह उर्फ बॉबी को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से चोरी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल मिली। पूछताछ के बाद पुलिस ने हरशदीप उर्फ सुच्चा, अमनदीप सिंह उर्फ अमनजोत, अमन और लवकुश को भी गिरफ्तार किया। पुलिस अब आरोपियों से अन्य चोरी की वारदातों को लेकर पूछताछ कर रही है। बरामद वाहनों को उनके असली मालिकों को लौटाया जाएगा।

### पंजाब के स्कूलों में अब एआई बनेगा मुख्य विषय

**भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़।** पंजाब के सरकारी स्कूलों में अब पहली से 12वीं कक्षा तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कोर विषय के रूप में पढ़ाया जाएगा। राज्य सरकार ने गुरुवार से नई व्यवस्था लागू करने का फैसला लिया है। शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए 15 दिनों में नई पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी और पाठ्यक्रम को हर छह महीने में अपडेट किया जाएगा। पहली से पांचवीं तक एआई की मूल जानकारी और छठी से 12वीं तक व्यावहारिक उपयोग सिखाया जाएगा। शिक्षकों को भी नियमित प्रशिक्षण दिया जाएगा। सरकार का उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीक और रोजगार की जरूरतों के लिए तैयार करना है।

### गमाडा परियोजना के खिलाफ किसानों ने खोला मोर्चा

**भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली।** गमाडा की एरोट्रोपोलिस आवासीय परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण अवार्ड घोषित होने के बाद किसानों का विरोध बढ़ गया है। भारतीय किसान यूनियन (लखोवाल) और किसान मजदूर यूनियन ने पंजाब सरकार पर जबरन जमीन अधिग्रहण का आरोप लगाया है। किसान नेताओं ने कहा कि कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया के अनुसार नहीं हुई और प्रशासनिक दबाव बनाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि उपजाऊ जमीन कम कीमत पर ली जा रही है, जबकि बाद में उसे महंगे दामों पर बेचा जाता है। नेताओं ने आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। उन्होंने सरकारी जमीन के मूल्यांकन और किसानों को मिलने वाले मुआवजे पर भी सवाल उठाए हैं। किसान नेताओं ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर उचित विचार नहीं किया जाता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने सरकार से पारदर्शी प्रक्रिया अपनाने और किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

# जीएमसीएच परिसर में एमबीबीएस छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

**भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़।** सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच-32) के चौथे वर्ष के एमबीबीएस छात्र करण सिंह संधू ने मंगलवार शाम अस्पताल परिसर स्थित ई-ब्लॉक की लाइब्रेरी की छठी मंजिल से छलांग लगाकर जान दे दी। 23 वर्षीय करण सेक्टर-32 का निवासी था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और कहा है कि मृत्यु के कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही की जाएगी। जानकारी के अनुसार, करण मंगलवार शाम घर से अस्पताल जाने की बात कहकर निकला था। वह सीधे ई-ब्लॉक स्थित लाइब्रेरी पहुंचा। वहां से उसने अपने कुछ दोस्तों को मोबाइल पर विदाई संदेश भेजा। इसके कुछ समय बाद वह गंभीर रूप से घायल अवस्था में अस्पताल परिसर में मिला। मौके पर मौजूद डॉक्टरों और कर्मचारियों ने उसे तुरंत उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मेडिकल छात्र की मौत पर जांच तेज

**पुलिस** की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि करण पिछले कुछ समय से पढ़ाई के दबाव का सामना कर रहा था। परिवार के अनुसार उसने कुछ दिन पहले मेडिकल क्षेत्र में अपने भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त की थी। हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना अभी जल्दबाजी होगी और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मोबाइल फोन और अन्य साक्ष्यों की भी जांच कर रही है। यह घटना एक बार फिर मेडिकल छात्रों और डॉक्टरों के मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक दबाव तथा संस्थागत सहयोग की आवश्यकता को लेकर गंभीर चर्चा का विषय बन गई है। इस घटना के बाद जीएमसीएच-32 के छात्रों और चिकित्सकों में शोक का माहौल है। कई छात्रों ने मेडिकल शिक्षा के दौरान बढ़ते शैक्षणिक दबाव, लंबे अध्ययन समय और मानसिक तनाव को गंभीर चुनौती बताया। विशेषज्ञों का मानना है कि मेडिकल संस्थानों में नियमित मानसिक स्वास्थ्य परामर्श, तनाव प्रबंधन कार्यक्रम और गोपनीय काउंसिलिंग सुविधाओं को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

# नई टाटा नेक्सन की खामियों पर महिला को मिला मुआवजा

**भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली**

मोहाली जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग (उपभोक्ता फोरम) ने नई टाटा नेक्सन कार में लगातार सामने आई तकनीकी और फिटिंग संबंधी समस्याओं के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। फोरम ने माना कि वाहन में बार-बार सामने आई कमियों के कारण शिकायतकर्ता को कई बार अधिकृत वर्कशॉप के चक्कर लगाने पड़े, जिससे उन्हें मानसिक परेशानी और अनावश्यक असुविधा हुई। इसी आधार पर फोरम ने मोहाली स्थित अधिकृत डीलर को महिला उपभोक्ता को 50 हजार रुपये मुआवजा 30 दिनों के भीतर देने का आदेश दिया। हालांकि वाहन बदलने और पूरी कीमत वापस करने की मांग को फोरम ने खारिज कर दिया।

मोहाली के एयरोसिटी निवासी गुरपाल कौर बैंस ने अगस्त 2023 में उपभोक्ता फोरम में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि जुलाई 2022 में उन्होंने मोहाली स्थित अधिकृत डीलर से लगभग 10.68 लाख रुपये में नई टाटा नेक्सन एक्सएम वैरिएंट कार खरीदी थी। उनका कहना था कि वाहन खरीदने के अगले ही दिन कार में कई कमियां दिखाई देने लगीं। इनमें डैशबोर्ड की फिटिंग में गैप, ढीले नट-बोल्ट, लॉक की खराब फिटिंग तथा इंटीरियर के कई हिस्सों का अपनी जगह से निकलना शामिल था। उनका आरोप था कि नई कार होने के बावजूद उसकी गुणवत्ता और फिनिशिंग अपेक्षित स्तर की नहीं थी।

शिकायतकर्ता ने बताया कि उन्होंने कंपनी और डीलर को ई-मेल के माध्यम से कई बार शिकायत भेजी। इसके बाद वाहन को कई बार अधिकृत वर्कशॉप में ले जाया गया, जहां हर बार जॉब कार्ड तैयार कर वारंटी के तहत मरम्मत की गई। इसके बावजूद समस्याएं पूरी तरह समाप्त नहीं हुईं। लगातार परेशानी के बाद उन्होंने कानूनी नोटिस भेजा और उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाते हुए वाहन की पूरी कीमत ब्याज सहित वापस करने, पांच लाख रुपये हर्जाना और मुकदमे का खर्च दिलाने की मांग की।

# एयरोट्रोपोलिस भूमि अधिग्रहण में किसानों को मिलेगा अधिक मुआवजा और कई विशेष सुविधाओं का लाभ

## पुनर्वास सहायता के साथ किसानों को कौशल प्रशिक्षण और बिजली कनेक्शन भी मिलेगा

**भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली**

ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (गमाडा) ने एयरोट्रोपोलिस परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाते हुए किसानों और भूमि मालिकों के लिए आकर्षक मुआवजा पैकेज तथा कई अतिरिक्त सुविधाओं की घोषणा की है। प्राधिकरण का कहना है कि भूमि अधिग्रहण पूरी तरह भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन अधिनियम 2013 के प्रावधानों के अनुसार किया जा रहा है, जिससे प्रभावित किसानों को बाजार मूल्य से कहीं अधिक मुआवजा मिलेगा।

गमाडा ने पात्र भूमि मालिकों के लिए दो विकल्प तय किए हैं। पहले विकल्प के तहत यदि कोई भूमि मालिक लैंड पूलिंग योजना को अपनाता है और उसे विकसित प्लॉट आवंटित किया जाता है, तो उस प्लॉट की रजिस्ट्री अथवा कन्वेयंस डीड पर किसी प्रकार की स्टांप ड्यूटी या अन्य शुल्क नहीं देना होगा। इससे भूमि मालिकों को भविष्य में अतिरिक्त आर्थिक लाभ मिलेगा।

दूसरे विकल्प में यदि कोई भूमि मालिक अधिग्रहित जमीन के बदले पंजाब में कहीं अन्य स्थान पर नई भूमि खरीदना चाहता है, तो उसे अधिग्रहित भूमि की कलेक्टर दर के आधार पर स्टांप ड्यूटी में छूट प्रदान की जाएगी। इस संबंध में पंजाब का राजस्व विभाग अलग से आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करेगा ताकि प्रभावित किसानों को इस सुविधा का लाभ आसानी से मिल सके। गमाडा ने किसानों के हित में एक और महत्वपूर्ण सुविधा की घोषणा की है। पात्र किसानों को प्राथमिकता के आधार पर ट्यूबवेल के लिए बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा। सहूलियत प्रमाणपत्र जमा करने के बाद पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड दो माह के भीतर प्राथमिकता के आधार पर बिजली कनेक्शन जारी करने की प्रक्रिया पूरी करेगा, जिससे किसानों की कृषि गतिविधियों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि भूमि का मुआवजा जमाबंदी और इंतकाल में दर्ज हिस्सेदारी के अनुसार सीधे संबंधित भूमि मालिकों के खातों में दिया जाएगा। यदि भूमि पर किसी बैंक का ऋण या अन्य वित्तीय देनदारी होगी तो पहले उसका भुगतान किया जाएगा और शेष राशि भूमि स्वामी को मिलेगी। यदि स्वामित्व अथवा मुआवजे को लेकर किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न होता है, तो मामला भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन प्राधिकरण के समक्ष भेजा जाएगा।

भूमि अधिग्रहण से प्रभावित पात्र परिवारों को पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन योजना के तहत प्रति परिवार पांच लाख रुपये की एकमुश्त सहायता तथा पचास हजार रुपये पुनर्स्थापन भत्ता भी दिया जाएगा। इसके अलावा परिवार के सदस्यों को कौशल विकास प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा ताकि उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें।

# नाबालिग ड्राइविंग पर पंजाब सरकार सख्त, अभिभावकों पर भी होगी कार्रवाई

**भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़।** जाब सरकार ने नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के मामलों में सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। वित्त एवं परिवहन मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि यदि कोई नाबालिग वाहन चलाते हुए पकड़ा जाता है तो केवल नाबालिग के खिलाफ ही नहीं, बल्कि उसके माता-पिता, अभिभावक या वाहन मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग वाहन चलाने पर माता-पिता और मालिक भी होंगे जिम्मेदार

सरकार की नई व्यवस्था के तहत नाबालिग के वाहन चलाते पकड़े जाने पर मौके पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा संबंधित वाहन का पंजीकरण भी तुरंत रद्द किया जा सकता है। वहीं, वाहन चलाने वाले नाबालिग को 25 वर्ष की उम्र तक ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है। हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि कम उम्र में वाहन चलाना केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों की जिंदगी के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि कई सड़क हादसों में बिना लाइसेंस या कम उम्र के चालक शामिल पाए जाते हैं, जिनकी लापरवाही से निर्दोष लोगों की जान चली जाती है।

मंत्री ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को कम उम्र में वाहन चलाने की अनुमति न दें।

# विवाद छात्र आंदोलन पर समर्थन और विरोध में बंटे पंजाबी सितारे

## सीजेपी आंदोलन पर पंजाबी कलाकारों की राय बंटी, कुछ ने समर्थन किया तो कुछ ने बनाई दूरी

**भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़**

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन और प्रदर्शन के दौरान हुए लाठीचार्ज को लेकर पंजाबी फिल्म और संगीत जगत में अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कुछ कलाकारों ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ संवाद करने और उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की है, जबकि कुछ कलाकारों ने आंदोलन के समर्थन से दूरी बनाते हुए अलग दृष्टिकोण रखा है।

पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने छात्रों के साथ सख्ती बरतने की बजाय उनकी बात सुनने की अपील की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि छात्रों की मांगों पर शांतिपूर्ण तरीके से विचार किया जाना चाहिए। दिलजीत ने यह भी कहा कि सामाजिक मुद्दों पर अपनी राय रखने के कारण उन्हें पहले भी आलोचनाओं और कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, लेकिन जनता से जुड़े मुद्दों पर संवाद जरूरी है।

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने भी छात्रों के साथ हुए व्यवहार पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ टकराव की स्थिति बनाने के बजाय बातचीत और संवेदनशील रवैया अपनाना चाहिए। उनके अनुसार किसी भी समस्या का समाधान आपसी चर्चा और समझदारी से निकाला जा सकता है।

पंजाबी गायक जसबीर जस्सी ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से छात्रों के मुद्दों को संवेदनशीलता से देखने की अपील की। उन्होंने कहा कि छात्रों की चिंताओं को राजनीतिक नजरिए से देखने के बजाय उनकी समस्याओं को समझना और सम्मानजनक समाधान निकालना आवश्यक है।

अभिनेत्री सोनम बाजवा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि सवाल करना कब से गलत हो गया। हालांकि उन्होंने किसी घटना या संगठन का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी पोस्ट को मौजूदा घटनाक्रम से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं दूसरी ओर पंजाबी गायक बब्बू मान ने आंदोलन का समर्थन करने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि पंजाब और पंजाबियों ने पिछले कई दशकों में आंदोलनों और संघर्षों में बड़ी कीमत चुकाई है। उनका कहना था कि हर मुद्दे पर पंजाबियों से आगे आने की उम्मीद करना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि किसान आंदोलन के दौरान क्या सीजेपी नेतृत्व पंजाब के समर्थन में सामने आया था।

छात्र आंदोलन और प्रदर्शन के दौरान हुई कार्रवाई को लेकर पंजाब और देशभर में चर्चा जारी है। कलाकारों की प्रतिक्रियाओं ने इस बहस को और तेज कर दिया है कि युवाओं की समस्याओं को किस तरह सुना और समझा जाना चाहिए। कई कलाकारों का मानना है कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में युवाओं को अपनी बात रखने का अधिकार है और उनकी चिंताओं का समाधान बातचीत के माध्यम से किया जाना चाहिए।

दिलजीत दोसांझ, सोनू सूद और जसबीर जस्सी जैसे कलाकारों ने जहां छात्रों के साथ संवेदनशील रवैया अपनाने की अपील की, वहीं बब्बू मान ने आंदोलन की राजनीति और पंजाब के पुराने संघर्षों का हवाला देते हुए अलग दृष्टिकोण रखा। इससे साफ है कि समाज के अलग-अलग वर्गों में इस मुद्दे को लेकर अलग-अलग विचार मौजूद हैं।

# चंडीगढ़ में रोबोटिक पार्किंग और नए शुल्क लागू करने की तैयारी तेज

**भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़**

चंडीगढ़ में पार्किंग व्यवस्था को अधिक आधुनिक, व्यवस्थित और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में नगर निगम ने दो महत्वपूर्ण पहल शुरू की हैं। एक ओर जुलाई के अंतिम सप्ताह में होने वाली नगर निगम सदन की बैठक में पार्किंग शुल्क को समय आधारित बनाने का प्रस्ताव दोबारा रखा जाएगा, वहीं दूसरी ओर शहर की दो प्रमुख पार्किंगों को रोबोटिक मल्टीलेवल पार्किंग में बदलने की योजना पर भी काम तेज कर दिया गया है। इसके लिए सेक्टर-15 स्थित पटेल मार्केट और इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 में एलांते मॉल के बाहर स्थित पार्किंग का प्रस्ताव यूटी प्रशासन को भेज दिया गया है।

नगर निगम प्रशासन ने मेयर सौरभ जोशी के निर्देश पर सदन की बैठक की तैयारियां शुरू कर दी हैं। बैठक में स्मार्ट पार्किंग नीति के तहत हर चार घंटे के हिसाब से अलग-अलग पार्किंग शुल्क तय करने का प्रस्ताव पेश किया जाएगा। वर्तमान व्यवस्था में पूरे 24 घंटे के लिए एक समान शुल्क लिया जाता है। हालांकि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पहले ही इस प्रस्ताव का विरोध कर चुकी हैं। भाजपा के कुछ पार्षद भी शुल्क बढ़ाने के पक्ष में नहीं हैं, इसलिए प्रस्ताव के पारित होने को लेकर संशय बना हुआ है। यदि सदन इसे मंजूरी नहीं देता है तो नगर निगम आयुक्त अपनी टिप्पणी के साथ मामला अंतिम निर्णय के लिए यूटी प्रशासन को भेज सकते हैं।

शहर में बढ़ते वाहनों और सीमित पार्किंग स्थान की समस्या को देखते हुए नगर निगम पहली बार रोबोटिक मल्टीलेवल पार्किंग विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। दोनों प्रस्तावित स्थलों का विस्तृत सर्वे शहरी नियोजन विभाग को भेजा गया है। विभाग अब भूमि, आसपास की इमारतों, बिजली की लाइनों और अन्य तकनीकी पहलुओं का निरीक्षण करेगा।

रोबोटिक पार्किंग प्रणाली में चालक को केवल वाहन एंट्री प्वाइंट तक लाना होगा। इसके बाद अत्याधुनिक मैकेनिकल लिफ्ट और रोबोटिक शटल वाहन को स्वतः निर्धारित स्थान पर पार्क करेंगे और आवश्यकता पड़ने पर वापस एंट्री प्वाइंट तक पहुंचा देंगे।

# नीट पेपर लीक पर कांग्रेस का केंद्र सरकार पर हमला

## विजय इंदर सिंगला ने छात्रों से मुलाकात कर नीट मामले में केंद्र से जवाब और इस्तीफे की मांग की

**भारतेंदु संवाददाता, बठिंडा**

देश की शिक्षा व्यवस्था और नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को बठिंडा में कांग्रेस नेताओं ने विद्यार्थियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और केंद्र सरकार पर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। इस दौरान पंजाब के पूर्व शिक्षा मंत्री विजय इंदर सिंगला ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए विजय इंदर सिंगला ने कहा कि नीट पेपर लीक जैसा गंभीर मामला सामने आने के बावजूद केंद्र सरकार उचित कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि देशभर के लाखों विद्यार्थियों की मेहनत और भविष्य प्रभावित हुआ है, लेकिन सरकार इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रही है। उन्होंने दिल्ली में छात्रों और विपक्षी नेताओं के साथ पुलिस के व्यवहार की भी आलोचना की। सिंगला ने आरोप लगाया कि अपनी मांगों को लेकर आवाज उठा रहे लोगों पर लाठीचार्ज और धक्कामुक्की की गई, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ दिल्ली में हुए पुलिस व्यवहार की निंदा करते हुए कहा कि गृह मंत्रालय को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

विजय इंदर सिंगला ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में लगातार सामने आ रही खामियों के कारण विद्यार्थियों में निराशा बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि पेपर लीक की घटनाएं युवाओं के विश्वास को कमजोर कर रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने देश में बढ़ती बेरोजगारी को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि देश में बड़ी संख्या में युवा डिग्री हासिल करने के बाद भी रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनके अनुसार, सरकार की नीतियों के कारण रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा नहीं हो पा रहे हैं और इसका सीधा असर युवाओं पर पड़ रहा है।

कांग्रेस नेता ने आम आदमी पार्टी सरकार को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि यदि दिल्ली में छात्रों के मुद्दों को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं तो पंजाब में भी शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक के मामलों पर मुख्यमंत्री भगवंत मान को जवाब देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में भी विद्यार्थियों से जुड़े कई मुद्दे हैं जिन पर सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजन गर्ग सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इनमें हरलीन कौर बराड़, पूर्व विधायक जगदेव सिंह कमालू, रुपिंदर कौर रूबी, केके अग्रवाल, अशोक कुमार, मास्टर हरमिंदर सिंह, बलवंत राय नाथ, टिंकू ग्रोवर, संजीव कुमार भुच्चो, माधव शर्मा और किरणजीत सिंह गहिरी समेत अन्य नेता शामिल थे।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि विद्यार्थियों के हितों और शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए पार्टी अपनी आवाज उठाती रहेगी। वहीं, केंद्र सरकार की ओर से नीट मामले और विपक्ष के आरोपों पर अभी कोई विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि नीट परीक्षा से जुड़े विवादों ने देशभर के विद्यार्थियों के बीच असमंजस की स्थिति पैदा कर दी है। उन्होंने मांग की कि परीक्षा प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाया जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। विजय इंदर सिंगला ने कहा कि विद्यार्थियों को निष्पक्ष अवसर मिलना उनका अधिकार है और किसी भी तरह की अनियमितता से उनकी मेहनत प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए प्रभावी नीतियां लागू करने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवाओं का भरोसा बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है।

# एसकेएम के आह्वान पर किसानों का राज्यव्यापी प्रदर्शन

## लैंड पूलिंग योजना और खाद-ईंधन की कीमतों को लेकर भी जताया विरोध

**भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़।** संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के आह्वान पर बुधवार को पंजाब भर में किसानों ने विभिन्न मांगों को लेकर राज्यव्यापी प्रदर्शन किया। किसानों ने प्रस्तावित भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते, पंजाब सरकार की लैंड पूलिंग योजना और खाद सहित अन्य कृषि मुद्दों को लेकर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक प्रदेश के कई टोल प्लाजा को टोल मुक्त रखा गया, जिससे वाहन चालक बिना शुल्क दिए गुजरते रहे।

पंजाब में किसानों के प्रदर्शन में तीन घंटे टोल फ्री

बठिंडा जिले में जीदा, लहरा बेगा, बल्लुआना, जस्सी बगवाली और शेखपुरा टोल प्लाजा पर बड़ी संख्या में किसान और महिला किसान पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते को रद्द करने की मांग की। किसानों ने कहा कि इस समझौते से पंजाब के कृषि और डेयरी क्षेत्र को नुकसान पहुंच सकता है।

किसान नेताओं ने यूरिया और डीएपी खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ी कीमतें वापस लेने की मांग भी उठाई। उनका आरोप था कि केंद्र सरकार की नीतियां किसानों, मजदूरों और कर्मचारियों के हितों के खिलाफ हैं और सरकार उनकी समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है।

लुधियाना में लाडोवाल, गुल्लाल और चौकीमान टोल प्लाजा पर भी किसानों ने तीन घंटे तक प्रदर्शन किया। वहीं पठानकोट-अमृतसर मार्ग स्थित लदपालवां टोल प्लाजा पर भी किसानों ने धरना देकर वाहनों को बिना शुल्क गुजरने दिया। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि फास्टैग के माध्यम से किसी वाहन से टोल राशि काटी जाती है तो संबंधित लोग मोर्चे से संपर्क करें।

संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने पंजाब सरकार की लैंड पूलिंग योजना का भी विरोध किया। उन्होंने कहा कि किसान अपनी उपजाऊ जमीन किसी भी कीमत पर सरकार को नहीं देंगे। किसानों का आरोप है कि सरकार की इस योजना से किसानों के हित प्रभावित होंगे।

प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली में नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े पेपर लीक मामलों तथा विद्यार्थियों पर हुए पुलिस लाठीचार्ज की भी निंदा की। किसान नेताओं ने कहा कि अगर सरकारों ने उनकी मांगों पर जल्द ध्यान नहीं दिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रशासन की ओर से राज्यभर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। ज्यादातर स्थानों पर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा और किसी बड़ी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

# पटियाला में आरटीए की कार्रवाई, नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर कसा शिकंजा

## विशेष अभियान में 28 चालान, वाहन दस्तावेजों की जांच हुई सख्त

**भारतेंदु संवाददाता, पटियाला।** पंजाब स्टेट ट्रांसपोर्ट कमिश्नर, चंडीगढ़ के दिशा-निर्देशों के अनुसार रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (आरटीए) की ओर से मंगलवार को विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान सड़क पर चलने वाले विभिन्न वाहनों की जांच की गई और मोटर वाहन नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान आरटीए अधिकारियों ने नियमों की अनदेखी करने वाले कुल 28 वाहन चालकों के चालान किए। इन चालानों की कुल राशि 7 लाख 82 हजार 500 रुपये बताई गई है। अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार, सचिव आरटीए और आरटीओ का कार्यभार संभालने की तिथि 23 फरवरी 2026 से 21 जुलाई 2026 तक कुल 939 चालान किए गए हैं। इन चालानों से कुल 2 करोड़ 97 लाख 111 रुपये की राशि निर्धारित की गई है। अधिकारियों का कहना है कि सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियमों का पालन करवाना प्राथमिकता है।

आरटीए की ओर से सभी वाहन चालकों को निर्देश जारी किए गए हैं कि वे अपने वाहनों के सभी जरूरी दस्तावेज हमेशा अपडेट रखें। इनमें वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र, फिटनेस प्रमाणपत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, वैध बीमा, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र, परमिट और टैक्स से जुड़े दस्तावेज शामिल हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बिना दस्तावेजों के वाहन चलाने या मोटर वाहन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे नियमों का पालन करें और सड़क सुरक्षा में सहयोग दें।

इसके अलावा सभी स्कूल बस संचालकों और चालकों को भी विशेष निर्देश दिए गए हैं। आरटीए ने कहा कि स्कूल बसों को सेफ स्कूल वाहन पॉलिसी के तहत जारी दिशा-निर्देशों का पूरा तरह पालन करना होगा।

# पालतू कुत्तों के पंजीकरण के लिए निगम ने बढ़ाई जागरूकता

**भारतेंदु संवाददाता, ठिंडा।** सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत पालतू कुत्तों का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। इसे लेकर नगर निगम ने शहरवासियों को जागरूक करने के लिए जन-जागरूकता अभियान शुरू किया है। अभियान के दौरान लोगों को पालतू कुत्तों के आसान पंजीकरण और आवारा कुत्तों के मानवीय प्रबंधन की जानकारी दी जा रही है। नगर निगम कमिश्नर लवजीत कलसी ने बताया कि पंजाब सरकार ने पालतू जानवरों के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बना दिया है।

अब लोग पोर्टल और एम-सेवा एप के माध्यम से घर बैठे अपने पालतू जानवरों का पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण के लिए मालिक का नाम, मोबाइल नंबर, पता, कुत्ते की फोटो, नस्ल, आयु और टीकाकरण की जानकारी देनी होगी। उन्होंने बताया कि नगर निगम कार्यालय में भी पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है।

# डीबीटी योजनाओं से पंजाब को मिले 36 हजार करोड़

## 318 योजनाओं का लाभ सीधे खातों तक पहुंचा, पारदर्शी व्यवस्था से बढ़ी सरकारी मदद

**भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़।** केंद्र सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के तहत पंजाब के नागरिकों को पिछले पांच वर्षों में बड़ी आर्थिक सहायता मिली है। केंद्र सरकार के 56 मंत्रालयों द्वारा संचालित 318 प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजनाओं के माध्यम से पंजाब के लाभार्थियों के बैंक खातों में कुल 36,249.45 करोड़ रुपये सीधे भेजे गए हैं।

पंजाब में डीबीटी से पांच साल में लाभार्थियों को मिले 36 हजार करोड़ रुपए

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा सदस्य सतनाम सिंह संधू के सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 में पंजाब के लिए डीबीटी के माध्यम से राशि हस्तांतरण सबसे अधिक रहा।

आंकड़ों के अनुसार पंजाब में डीबीटी भुगतान में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2021-22 में राज्य के लाभार्थियों को 3,344.19 करोड़ रुपये की राशि सीधे खातों में मिली थी, जो बढ़कर वर्ष 2024-25 में 9,824.61 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। इससे स्पष्ट है कि सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे नागरिकों तक पहुंचाने की प्रक्रिया में तेजी आई है।

केंद्र सरकार ने बताया कि सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के माध्यम से देशभर में पिछले पांच वर्षों के दौरान कुल 17.57 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के खातों में ट्रांसफर किए गए हैं।

सरकार के अनुसार डीबीटी व्यवस्था लागू होने से योजनाओं में पारदर्शिता बढ़ी है और फर्जी लाभार्थियों को हटाने में मदद मिली है। प्रशासनिक सुधारों और डिजिटल भुगतान व्यवस्था के कारण पिछले पांच वर्षों में सरकारी खजाने को करीब 3,35,805 करोड़ रुपये की बचत हुई है।

डीबीटी प्रणाली का उद्देश्य सरकारी सहायता को बिना किसी बिचौलिए के सीधे पात्र लोगों तक पहुंचाना है। केंद्र सरकार का कहना है कि इससे भ्रष्टाचार और धन के दुरुपयोग पर रोक लगी है तथा योजनाओं का लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक तेजी से पहुंच रहा है। सरकार ने कहा कि लाभार्थियों को समय पर आर्थिक सहायता मिल रही है।

# लुधियाना में कांग्रेस को झटका पार्षद गुरमीत मुंडिया ने छोड़ी पार्टी

**भारतेंदु संवाददाता लुधियाना।** नगर निगम चुनावों के बाद पंजाब कांग्रेस को लगातार राजनीतिक झटके लग रहे हैं। कई निर्वाचित कांग्रेस पार्षदों के आम आदमी पार्टी में शामिल होने के बाद अब एक और कांग्रेस पार्षद ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। वार्ड नंबर-24 से कांग्रेस पार्षद गुरमीत सिंह मुंडिया ने इस्तीफा देने का ऐलान किया है।

गुरमीत सिंह मुंडिया ने अपने इस्तीफे की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से साझा की। हालांकि उन्होंने इस्तीफे के पीछे कोई विस्तृत कारण नहीं बताया है। उनके इस कदम के बाद लुधियाना के राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। गुरमीत सिंह मुंडिया साहनेवाल क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। उनका नाम हाल ही में जमीन से जुड़े कथित धोखाधड़ी के एक मामले में दर्ज पुलिस केस के बाद सुर्खियों में आया था। इसी बीच उनके इस्तीफे ने राजनीतिक हलकों में नई अटकलों को जन्म दे दिया है।

सूत्रों के अनुसार, चर्चा है कि गुरमीत सिंह मुंडिया जल्द ही आम आदमी पार्टी का रुख कर सकते हैं। हालांकि अभी तक उन्होंने या आम आदमी पार्टी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

हादसे में दो लोगों की मौत, घायल महिला अस्पताल में भर्ती, आक्रोशित लोगों ने बस फूंकी

# पठानकोट बस हादसे में दो की मौत गुस्से में लोगों ने लगाई बस को आग

**भारतेंदु संवाददाता, पठानकोट।** पंजाब के पठानकोट में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने निजी कंपनी की बस को आग के हवाले कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई।

जानकारी के अनुसार, निजी कंपनी की बस जम्मू की ओर जा रही थी। इसी दौरान बस ने पहले एक स्कूटी को टक्कर मारी और फिर एक बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में घायल महिला को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए और हादसे को लेकर नाराजगी जताई। गुस्साई भीड़ ने बस को घेरकर उसमें आग लगा दी। आग से बस पूरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस और दमकल विभाग की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। थाना प्रभारी जगदीश कुमार ने बताया कि हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया है।

# लुधियाना में पार्षद को मिली धमकी भरी कॉल से मचा हड़कंप

**भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना।** महानगर में साइबर अपराध और धमकी भरे कॉल का एक नया मामला सामने आया है। यहां एक पार्षद को विदेशी व्हाट्सएप नंबर से कॉल कर जान से मारने की धमकी दी गई। आरोप है कि कॉल करने वाले व्यक्ति ने पार्षद और उनके परिवार के खिलाफ जातिसूचक तथा आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। इसके अलावा परिवार की महिलाओं के प्रति भी अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया। पीड़ित पार्षद गौरव भट्टी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 22 जून को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात व्हाट्सएप कॉल आई थी।

# मांगों को लेकर मजदूरों का हल्लाबोल 5 अगस्त को जालंधर में होगा प्रदर्शन

**भारतेंदु संवाददाता, जालंधर।** ग्रामीण और खेत मजदूर संगठनों के ज्वाइंट फ्रंट ने सरकार की ओर से जमीनहीन मजदूरों की मांगों को नजरअंदाज किए जाने के विरोध में 5 अगस्त को राज्य स्तरीय रैली करने का ऐलान किया है। यह रैली देश भगत मेमोरियल हॉल, जालंधर में आयोजित की जाएगी। इसके बाद मजदूर संगठन मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च निकालेंगे।

जालंधर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मजदूर नेताओं ने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार बनने के बाद से मजदूर संगठन लगातार अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अभी तक केवल आश्वासन मिले हैं। नेताओं का आरोप है कि सरकार ने मजदूरों के साथ बैठक कर समस्याओं का समाधान नहीं किया और मांगों को लागू नहीं किया, जिससे उनमें नाराजगी बढ़ रही है।

संगठन के नेताओं ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में सालभर रोजगार की व्यवस्था, नए जी राम जी कानून को रद्द करना, मनरेगा कानून को बहाल करना, वयस्क मजदूरों को 700 रुपये प्रतिदिन दिहाड़ी देना और विधवा, बुजुर्ग तथा दिव्यांग पेंशन को बढ़ाकर 5000 रुपये प्रतिमाह करना शामिल है।

मजदूर नेताओं ने कहा कि इन मांगों को लेकर पंजाबभर से मजदूर अपने परिवारों सहित 5 अगस्त को रैली में शामिल होंगे। इस दौरान कई संगठन पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

# डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र के बिना 10वीं के प्रमाण पत्र में नहीं होगी जन्म तिथि दर्ज

**भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़।** पंजाब में सरकारी बसों से सफर करने वाले यात्रियों के लिए जरूरी खबर है। पंजाब रोडवेज, पनबस और पीआरटीसी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन ने अपनी मांगों को लेकर तीन दिवसीय हड़ताल का ऐलान किया है। यूनियन के फैसले के अनुसार 3, 4 और 5 अगस्त को पूरे राज्य में सरकारी बसों का संचालन प्रभावित रहेगा। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

जानकारी के अनुसार पंजाब रोडवेज, पनबस और पीआरटीसी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन की राज्य स्तरीय बैठक लुधियाना में हुई। बैठक की अध्यक्षता यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष रेशम सिंह गिल ने की। इस दौरान कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ नाराजगी जाहिर की।

यूनियन नेताओं ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने सत्ता में आने से पहले कर्मचारियों से कई बड़े वादे किए थे। इनमें कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, ठेका प्रणाली खत्म करना और कर्मचारियों को पूरी वेतन सुविधा देना शामिल था। लेकिन सरकार के कार्यकाल में चार साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद इन मांगों पर केवल बैठकें हुई हैं, समाधान नहीं निकला।

यूनियन के प्रदेश महासचिव शमशेर सिंह ढिल्लों, संयुक्त सचिव जोध सिंह, जलौर सिंह और मीत प्रधान जतिंदर सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों पर स्पेशल कैडर नीति जबरन लागू करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन पर नई नीतियां थोपी जा रही हैं।

कर्मचारी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द उनकी मांगों पर सकारात्मक फैसला नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 27 जुलाई को प्रदेश के सभी बस डिपो पर गेट रैलियां आयोजित की जाएंगी। इसके बाद 3, 4 और 5 अगस्त को तीन दिन की राज्यव्यापी हड़ताल की जाएगी।

यूनियन ने यह भी घोषणा की है कि हड़ताल के दौरान ट्रांसपोर्ट मंत्री और मुख्यमंत्री आवास के बाहर भी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

**लापरवाही** बिना पूरी जांच जारी हुए फिटनेस प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

# सरकारी अस्पतालों में मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र प्रक्रिया में बड़ी लापरवाही

**भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर।** पंजाब के स्वास्थ्य तंत्र में मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है। जिला स्तरीय सिविल अस्पताल और अन्य सरकारी अस्पतालों में विभिन्न भर्तियों के लिए आने वाले उम्मीदवारों की मेडिकल जांच नियमों के अनुसार नहीं किए जाने का मामला सामने आया है। सिविल सर्जन अमृतसर की ओर से जारी आधिकारिक पत्र में इस संबंध में कई कमियां उजागर की गई हैं।

जानकारी के अनुसार, सरकारी नौकरियों और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के लिए उम्मीदवारों को मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र जारी किया जाता है। नियमों के मुताबिक उम्मीदवारों की जांच निर्धारित मेडिकल अधिकारी या विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा की जानी चाहिए, लेकिन कई अस्पतालों में इस प्रक्रिया का सही तरीके से पालन नहीं किया जा रहा है।

जांच के दौरान सामने आया है कि कुछ मामलों में बिना पूरी मेडिकल जांच के ही फिटनेस प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए। कई मेडिकल टेस्ट स्लिप में जरूरी जानकारियां भी पूरी नहीं भरी गईं। उम्मीदवार की उम्र, पहचान चिन्ह और मेडिकल अधिकारी की मुहर जैसी महत्वपूर्ण जानकारियों को दर्ज करना अनिवार्य है, लेकिन कई जगहों पर इन नियमों की अनदेखी की गई।

स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों को नियमों के सख्त पालन के निर्देश दिए हैं जारी

सिविल सर्जन कार्यालय ने अब सभी संबंधित अस्पतालों को निर्देश जारी किए हैं कि मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करते समय निर्धारित प्रक्रिया का सख्ती से पालन किया जाए। मेडिकल टेस्ट स्लिप को पूरी तरह भरना और संबंधित अधिकारी की पुष्टि करना जरूरी होगा। इस मामले ने स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि यदि लंबे समय से नियमों की अनदेखी हो रही थी तो अधिकारियों को इसकी जानकारी पहले क्यों नहीं मिली। इससे यह भी सवाल उठता है कि सरकारी अस्पतालों में निगरानी और जवाबदेही की व्यवस्था कितनी प्रभावी है।

ऑल इंडिया एंटी करप्शन मोर्चा के चेयरमैन महंत रमेशानंद सरस्वती ने कहा कि बिना उचित जांच के मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करना गंभीर लापरवाही है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल सरकारी व्यवस्था पर असर पड़ता है बल्कि जन सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती है। गलत प्रमाण पत्रों के आधार पर अयोग्य व्यक्ति नौकरी में शामिल हो सकते हैं, जिसके भविष्य में गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने मांग की कि स्वास्थ्य विभाग केवल आदेश जारी करने तक सीमित न रहे, बल्कि जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करे।

# विद्यालय और समाज मिलकर ही रोक सकते हैं बच्चों और युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की भयावह प्रवृत्ति

आज बच्चों और युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं पूरे समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि भारत में प्रत्येक वर्ष हजारों विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं। वर्ष 2024 में भारत में छात्रों की आत्महत्या के मामले बढ़कर 14,488 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए, जो लगातार बढ़ती गंभीर स्थिति को दर्शाता है। देशभर में होने वाली कुल आत्महत्याओं में से लगभग 8.1त्र मामले छात्रों के हैं; इस संकट का मुख्य कारण पढ़ाई का दबाव, जैसी कठिन प्रतियोगी परीक्षाएं और परिवार की उम्मीदें हैं। औसतन प्रतिदिन लगभग 35 विद्यार्थी अपनी जीवन-लीला समाप्त कर रहे हैं । निश्चित रूप से यह हमारे परिवारों, शिक्षण संस्थानों और समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 15-29 वर्ष आयु वर्ग में आत्महत्या विश्व स्तर पर मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। दूसरी ओर, यूनिसेफ की विभिन्न रिपोर्टें बताती हैं कि किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं, जबकि अधिकांश बच्चों को समय पर मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध नहीं हो पाती। ऐसे में यह प्रश्न अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है कि आखिर इस स्थिति के लिए जिम्मेदार कौन है-शिक्षण संस्थान, परिवार, समाज या स्वयं बच्चे? वस्तुत: इसका उत्तर किसी एक पक्ष में नहीं, बल्कि सभी की सामूहिक जिम्मेदारी में निहित है।

सुखदेव सिंह
स्वतंत्र लेखक, नूरपुर (कांगड़ा)

बच्चे की शिक्षा विद्यालय से पहले उसके घर से प्रारंभ होती है। परिवार उसकी पहली पाठशाला है और माता-पिता उसके प्रथम शिक्षक। बच्चा परिवार में रहकर बोलना, चलना, व्यवहार करना, अनुशासन, प्रेम, सम्मान और जीवन-मूल्यों को सीखता है।

यदि परिवार में संवाद, स्नेह और सकारात्मक वातावरण हो तो उसका प्रभाव बच्चे के व्यक्तित्व पर स्पष्ट दिखाई देता है। इसके विपरीत तनावपूर्ण, उपेक्षापूर्ण या अत्यधिक अपेक्षाओं से भरा पारिवारिक वातावरण उसके मानसिक विकास को प्रभावित कर सकता है। प्रत्येक बच्चे की पहली पाठशाला उसका परिवार ही होता है।

आधुनिक मनोविज्ञान भी इस बात की पुष्टि करता है कि जिन बच्चों को बचपन में भावनात्मक सुरक्षा, विश्वास और बिना शर्त स्वीकार्यता मिलती है, वे जीवन की चुनौतियों का सामना अधिक संतुलित ढंग से करते हैं, लेकिन बदलती जीवनशैली, व्यस्तता और बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने परिवारों के भीतर संवाद को कम कर दिया है। अनेक घरों में बच्चों से यह पूछा जाता है कि 'आज कितने अंक आए?' लेकिन यह कम पूछा जाता है कि 'आज तुम कैसा महसूस कर रहे हो?' यह परिवर्तन केवल भाषा का नहीं, बल्कि हमारी प्राथमिकताओं का संकेत है।

बच्चों की तुलना भाई-बहनों, रिश्तेदारों या पड़ोस के बच्चों से करना, उनकी हर उपलब्धि को अंकों से जोड़ना तथा असफलता को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रश्न बना देना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार लगातार तुलना और अत्यधिक अपेक्षाएं बच्चों में आत्म-संदेह, चिंता, अवसाद तथा आत्मसम्मान में कमी का कारण बन सकती हैं। परिवारों को यह स्वीकार करना होगा कि प्रत्येक बच्चा अद्वितीय है और उसकी प्रतिभा किसी एक परीक्षा या अंकपत्र से निर्धारित नहीं होती। विद्यालय और महाविद्यालय केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाले संस्थान नहीं हैं, बल्कि ऐसे सामाजिक संस्थान हैं जहां बच्चों का व्यक्तित्व आकार लेता है। शिक्षक केवल विषय विशेषज्ञ नहीं, बल्कि मार्गदर्शक, प्रेरक और संकट के समय सबसे भरोसेमंद सहारा भी होते हैं। दुर्भाग्यवश आज अनेक विद्यालयों में सफलता का प्रमुख मानदंड परीक्षा परिणाम, बोर्ड मेरिट और प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन बन गया है। परिणामस्वरूप संस्थानों पर बढ़ता प्रदर्शन का दबाव विद्यार्थियों तक पहुंच जाता है। शिक्षण संस्थानों को यह समझना होगा कि उत्कृष्ट परिणाम देने से अधिक महत्वपूर्ण ऐसे विद्यार्थी तैयार करना है जो जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना कर सकें। यदि कोई विद्यार्थी निराशा, अकेलेपन, व्यवहार में अचानक परिवर्तन, पढ़ाई से अरुचि या आत्मग्लानि के संकेत दे रहा है, तो उसे अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि समय पर सहायता की जरूरत है। स्कूलों में प्रारंभिक पहचान प्रणाली विकसित कर मानसिक तनाव के संकेतों की पहचान और मनोवैज्ञानिक सहायता मुहैया कराई जानी चाहिए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 10-19 वर्ष आयु वर्ग के प्रत्येक सात में से एक किशोर मानसिक स्वास्थ्य समस्या से प्रभावित है तथा 15-29 वर्ष आयु वर्ग में आत्महत्या मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। वहीं यूनिसेफ की 'विश्व के बच्चों की स्थिति' रिपोर्ट बताती है कि अधिकांश मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की शुरुआत किशोरावस्था में ही हो जाती है, किंतु समय पर पहचान और उपचार के अभाव में वे गंभीर रूप धारण कर लेती हैं।

**( ये लेखक के निजी विचार हैं )**

# मानसून का बदलता अर्थः जीवन देने वाली बूंदें अब क्यों नजर आती हैं संकट की तरह

बारिश केवल आसमान से गिरने वाली पानी की बूंदों का नाम नहीं है। यह प्रकृति का सबसे सुंदर उपहार है, जो धरती को नया जीवन देती है। वर्षा खेतों को हरियाली देती है, नदियों को प्रवाह देती है, जंगलों को जीवन देती है और मनुष्य के मन में नई ऊर्जा का संचार करती है। भारतीय संस्कृति में मानसून का विशेष महत्व रहा है। साहित्य, संगीत, चित्रकला और लोकगीतों में वर्षा का जितना सुंदर चित्रण मिलता है, उतना शायद किसी अन्य मौसम का नहीं। सावन और भादों का नाम सुनते ही मन में हरियाली, झूले, कजरी, रिमझिम फुहारें और मिट्टी की सोंधी खुशबू की यादें ताजा हो जाती हैं। लेकिन समय के साथ हमारी सोच बदल गई है।

अब बारिश का स्वागत मुस्कान से कम और चिंता से अधिक होने लगा है। मौसम, जो कभी आनंद का कारण था, आज हमारे लिए असुविधा और परेशानी का पर्याय बनता जा रहा है। एक समय था जब पहली बारिश का इंतजार पूरे उत्साह से किया जाता था।

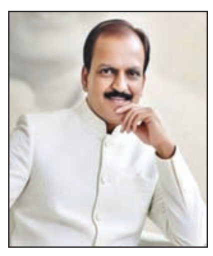

संजीव शर्मा
सहायक उप-निदेशक
पी आई बी, शिमला

जैसे ही बादल बरसते, बच्चे घरों से निकलकर गलियों में कागज की नाव चलाने लगते थे। खेतों में किसान प्रसन्न होकर आकाश की ओर देखते थे क्योंकि यही पानी उनकी फसल और भविष्य दोनों को संवारता था। पेड़-पौधे जैसे नए जीवन से भर उठते थे और पक्षियों की चहचहाहट वातावरण को और भी मधुर बना देती थी। लेकिन आज बारिश शुरू होते ही लोग सबसे पहले छाता खोजते हैं, मोबाइल को बचाने की चिंता करते हैं और ट्रैफिक जाम की खबरें देखने लगते हैं। ऐसा लगता है जैसे हमने बारिश को महसूस करना ही छोड़ दिया है।

वास्तव में समस्या बारिश नहीं बल्कि हमारी बदलती जीवनशैली है। आधुनिक जीवन ने हमें सुविधाएं तो बहुत दी हैं, लेकिन प्रकृति से हमारा रिश्ता कमजोर कर दिया है। वातानुकूलित कमरों में रहने की आदत, बंद गाड़ियों में सफर और मोबाइल की दुनिया में खोए रहने के कारण हम मौसम को केवल खिड़की के शीशों के पार से देखने लगे हैं। धूप हमें परेशान करती है, ठंड हमें असहज लगती है और बारिश हमें आफत दिखाई देती है। हमने हर मौसम को समस्या मान लिया है, जबकि प्रकृति का प्रत्येक मौसम अपने साथ जीवन का कोई न कोई संदेश लेकर आता है। यह भी एक विडंबना है कि हम वर्षा चाहते भी हैं और उससे बचना भी चाहते हैं। गर्मियों में जब जलसंकट बढ़ता है तो हम बारिश की प्रार्थना करते हैं, लेकिन जब बादल बरसते हैं तो सबसे पहले शिकायत करने लगते हैं। यदि बारिश कम हो तो सूखे की चिंता होती है और अधिक हो तो बाढ़ की। हम चाहते हैं कि बारिश हमारे समय के अनुसार हो, जब हमें कहीं जाना न हो, जब सड़कें खाली हों और जब हमें कोई असुविधा न हो। प्रकृति अपने नियमों से चलती है, लेकिन हम चाहते हैं कि वह हमारी सुविधा के अनुसार व्यवहार करे। यही सोच हमें प्रकृति से दूर करती जा रही है।

मीडिया और सामाजिक माध्यमों ने भी मौसम को देखने का नजरिया बदल दिया है। पहले बारिश का मतलब रिमझिम फुहारें, हरियाली और खुशियां होती थीं, लेकिन अब अधिकतर समाचारों में बारिश के साथ केवल जलभराव, दुर्घटनाएं और कहर जैसे शब्द सुनाई देते हैं। निश्चित रूप से प्राकृतिक आपदाएं गंभीर विषय हैं और उनसे सावधान रहना आवश्यक है, लेकिन हर बारिश को संकट की तरह प्रस्तुत करना भी उचित नहीं है। यदि हम पर्यावरण का संतुलन बनाए रखें, नदियों और नालों को स्वच्छ रखें, जल निकासी की उचित व्यवस्था करें और अंधाधुंध निर्माण से बचें, तो अधिकांश समस्याएं कम हो सकती हैं। दोष बारिश का नहीं बल्कि हमारी अव्यवस्थित विकास नीति का है।

**( ये लेखक के निजी विचार हैं )**

" **मृत्यु** और विनाश बिना बुलाए ही आया करते हैं, क्योंकि ये हमारे मित्रों के रूप में नहीं शत्रुओं के रूप में आते हैं।

-भगवतीचरण वर्मा

## संपादकीय

# छात्र आंदोलनः संवाद ही समाधान का एकमात्र मार्ग

दिल्ली की सड़कों पर एक बार फिर देश की युवा शक्ति की आवाज सुनाई दे रही है। जंतर-मंतर और संसद परिसर के आसपास हुए छात्र प्रदर्शनों ने एक बार फिर यह बहस तेज कर दी है कि देश का युवा अपने भविष्य को लेकर कितना आश्वस्त है। प्रतियोगी परीक्षाओं में देरी, भर्ती प्रक्रियाओं में अनिश्चितता, परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता को लेकर उठते सवाल और रोजगार की बढ़ती चिंता ने बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर किया है। यह केवल कुछ मांगों को लेकर किया गया प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह उस भरोसे की तलाश है जिसकी जरूरत हर युवा को अपने भविष्य के लिए होती है। भारत दुनिया का सबसे युवा देशों में से एक है। देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी है। यही युवा आने वाले समय में प्रशासन, उद्योग, विज्ञान, तकनीक और समाज के हर क्षेत्र में अपनी भूमिका निभाएगा। लेकिन जब यही युवा अपनी पढ़ाई और करियर की तैयारी छोड़कर सड़कों पर उतरने को मजबूर होता है तो यह केवल एक आंदोलन नहीं रह जाता बल्कि व्यवस्था के सामने एक गंभीर सवाल बन जाता है। यह सवाल है कि क्या हमारी संस्थाएं युवाओं की उम्मीदों और चिंताओं को समय पर समझ पा रही हैं।

लोकतंत्र में विरोध और असहमति का अपना विशेष महत्व होता है। किसी भी मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहचान यही होती है कि वह जनता की आवाज को सुनती है और समस्याओं के समाधान के लिए संवाद का रास्ता अपनाती है। संविधान प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने का अधिकार देता है। इसलिए शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को सामने रखना लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन इसके साथ यह भी जरूरी है कि हर आंदोलन अपनी मर्यादा और उद्देश्य को बनाए रखे। छात्र आंदोलन केवल नाराजगी का प्रदर्शन नहीं होते बल्कि वे समाज में सुधार की मांग का माध्यम भी बन सकते हैं। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं जब युवाओं की आवाज ने नीतियों और व्यवस्थाओं में बदलाव लाने का काम किया है। छात्रों ने हमेशा देश के सामाजिक और राजनीतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी ऊर्जा और जागरूकता लोकतंत्र को मजबूती देती है। लेकिन किसी भी आंदोलन की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसमें अनुशासन, संयम और स्पष्ट उद्देश्य कितना है।

आज छात्रों की सबसे बड़ी चिंता रोजगार और अवसरों को लेकर है। लाखों विद्यार्थी वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। वे अपने परिवार की उम्मीदों और अपने सपनों के साथ मेहनत करते हैं। ऐसे में यदि परीक्षा प्रक्रिया में देरी होती है, परिणाम समय पर नहीं आते या किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो उनका विश्वास प्रभावित होता है। कई बार एक परीक्षा में देरी का अर्थ छात्रों के जीवन में कई वर्षों की देरी हो सकता है। इसलिए परीक्षा और भर्ती व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, तेज और भरोसेमंद बनाना समय की आवश्यकता है। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से सुने। युवाओं के सवालों को केवल राजनीतिक विरोध या कानून व्यवस्था की समस्या के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। सरकार और छात्रों के बीच नियमित संवाद की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि समस्याएं आंदोलन का रूप लेने से पहले ही हल हो सकें। परीक्षा प्रणाली में सुधार, भर्ती प्रक्रिया की समय सीमा तय करना और शिकायतों के समाधान के लिए प्रभावी तंत्र बनाना युवाओं के विश्वास को मजबूत कर सकता है।

पारदर्शिता किसी भी व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत होती है। जब युवाओं को यह भरोसा होता है कि मेहनत का सही मूल्यांकन होगा और अवसर निष्पक्ष तरीके से मिलेंगे तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। लेकिन जब बार-बार अनिश्चितता पैदा होती है तो निराशा बढ़ने लगती है। इसलिए सरकार को ऐसी नीतियां बनानी होंगी जिनसे युवाओं को केवल रोजगार ही नहीं बल्कि भरोसा भी मिले। हालांकि आंदोलन करने वाले छात्रों की भी अपनी जिम्मेदारियां हैं। लोकतांत्रिक अधिकारों के साथ लोकतांत्रिक जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। विरोध का उद्देश्य समाधान होना चाहिए न कि टकराव। यदि कोई आंदोलन हिंसा, तोड़फोड़ या अव्यवस्था का रूप ले लेता है तो इससे वास्तविक मुद्दा कमजोर पड़ जाता है। कुछ असामाजिक तत्व ऐसे अवसरों का फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। इसलिए छात्रों को अपने आंदोलन को शांतिपूर्ण और अनुशासित बनाए रखना जरूरी है।

युवाओं को यह भी समझना होगा कि उनका सबसे बड़ा हथियार उनकी शिक्षा और क्षमता है। किसी भी व्यवस्था में सुधार के लिए आवाज उठाना जरूरी है लेकिन अपने भविष्य की तैयारी को पूरी तरह नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। आंदोलन और पढ़ाई के बीच संतुलन बनाना उनकी सफलता के लिए आवश्यक है। आज का युवा पहले से कहीं अधिक जागरूक है। वह अपने अधिकारों को समझता है और अपनी बात मजबूती से रखना जानता है। सोशल मीडिया ने भी युवाओं को अपनी आवाज उठाने का नया मंच दिया है। लेकिन डिजिटल माध्यमों के दौर में जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। किसी भी सूचना को साझा करने से पहले उसकी सत्यता जांचना और भावनाओं के बजाय तथ्यों के आधार पर निर्णय लेना जरूरी है। देश के विकास की गति तभी मजबूत होगी जब युवा खुद को व्यवस्था का हिस्सा महसूस करेंगे। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में सरकार और जनता के बीच विश्वास सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। युवाओं का भरोसा मजबूत करना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। परिवार, शिक्षण संस्थान और प्रशासन सभी को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां युवा अपने भविष्य को लेकर सकारात्मक सोच सकें।

-शिवांश धाकड़

# विरोध प्रदर्शन से लेकर विदेशी प्रभाव तक, भारत में बदलते राजनीतिक आंदोलनों की पूरी कहानी

सोशल मीडिया पर वायरल हुए व्यंग्यात्मक विरोध-प्रदर्शन ने अब तक प्रभावी भूमिका निभाने में असफल रहे राजनीतिक विपक्ष, विशेषकर वामपंथ के कमजोर पड़ चुके समूहों को एक नया मंच दे दिया है। किसान आंदोलन की तरह इसे भी बड़ा जनआंदोलन बनाने का प्रयास किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक आधार खोने के बाद यह उनके लिए अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता वापस पाने का एक अवसर भी बन सकता है।

डॉ. सिंपल सुशील शर्मा, स्वतंत्र लेखक

इतिहास बताता है कि युवाओं के नेतृत्व में होने वाले आंदोलन लोकतंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। वे जनता की असंतुष्टि और लोकतांत्रिक भागीदारी दोनों का माध्यम होते हैं। लेकिन किसी भी आंदोलन को समझने के लिए यह जरूरी है कि वास्तविक जनभावनाओं, राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित अभियानों और विदेशी शक्तियों द्वारा ऐसे आंदोलनों का लाभ उठाने के प्रयासों के बीच स्पष्ट अंतर किया जाए। आंदोलन नाम का गला घोंटने वाले तथाकथित बुद्धिजीवी केजरीवाल, अरुंधति रॉय, योगेंद्र यादव जैसे लोग इस आंदोलन को अपने लिए संजीवनी जैसा बनाना चाहते हैं।

राजनीतिक अध्ययन भी यह स्वीकार करते हैं कि कई बार शक्तिशाली राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क और डिजिटल प्रचार तंत्र रणनीतिक महत्व वाले देशों में अपने हितों के अनुसार माहौल बनाने का प्रयास करते हैं। इसके लिए सूचना युद्ध, साइबर अभियान, मीडिया नैरेटिव और वित्तीय सहायता जैसे माध्यमों का उपयोग किया जाता है, जिससे प्रभावित देशों में अस्थिरता और अराजकता पैदा हो सकती है। भारत भी लंबे समय से बाहरी वित्तपोषण और विदेशी हस्तक्षेप की चुनौतियों का सामना करता रहा है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 (स्नष्ठ) लागू किया गया, ताकि विदेशी धन के दुरुपयोग और अवैध हस्तक्षेप पर रोक लगाई जा सके। सोनम वांगचुक का नाम भी इस कानून से जुड़े विवादों में सामने आया है। सरकार के साथ संवाद की कोशिश सफल न होने के बाद उन्होंने वर्तमान आंदोलन का रास्ता चुना।

आज भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं, डिजिटल तकनीक, रक्षा सहयोग और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में उसकी बढ़ती भूमिका ने बड़ी शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा को और तेज कर दिया है। ऐसे समय में भारत की आंतरिक राजनीतिक स्थिरता केवल देश के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए भी महत्वपूर्ण है।

हमने पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार का पतन देखा, बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का सत्ता से हटना देखा और नेपाल में तथाकथित 'जनरेशन ''' आंदोलन भी देखा। इन सभी घटनाओं को लेकर अलग-अलग राजनीतिक विश्लेषण मौजूद हैं। ऐसे समय में जब भारत 'मेक इन इंडिया' और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है, तब बाहरी चुनौतियाँ तो स्वाभाविक हैं, लेकिन यदि आंतरिक स्तर पर भी विकास की गति को बाधित करने वाले प्रयास हों, तो यह चिंता का विषय है। लोकतंत्र का अर्थ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अवश्य है, लेकिन राष्ट्रीय विकास और स्थिरता को नुकसान पहुँचाना लोकतांत्रिक भावना के अनुरूप नहीं माना जा सकता।

सरकार द्वारा स्नष्ठ और अन्य वित्तीय कानूनों के सख्त पालन के कारण कई विदेशी संस्थाओं की गतिविधियाँ जांच के दायरे में आई हैं। जॉर्ज सोरोस की ओपन सोसाइटी फाउंडेशन और सोरोस इकोनॉमिक डेवलपमेंट फंड की प्रवर्तन निदेशालय द्वारा से जुड़े मामलों में जांच की जा रही है। इसी प्रकार ऑक्सफैम इंडिया, ग्रीनपीस इंडिया और कम्पैशन इंटरनेशनल जैसी संस्थाओं को भी स्नष्ठ, नियमों के पालन से जुड़े मामलों में कार्रवाई का सामना करना पड़ा। वहीं अमेरिका की शॉर्ट-सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों पर भी नियामकीय स्तर पर अलग-अलग निष्कर्ष सामने आए।

दूसरी ओर, किसी भी लोकतंत्र की मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि सरकार जनता की समस्याओं, युवाओं की चिंताओं और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का कितनी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ समाधान करती है। सीबीआई ने नीट मामले की गंभीरता को देखते हुए अब तक कई गिरफ्तारियां की हैं और मुख्य साजिशकर्ताओं के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल कर दी है 'सीबीआई ने बिहार में प्रवेश परीक्षा के पेपर लीक मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ पहली चार्जशीट दाखिल कर दी है ।केंद्रीय जांच एजेंसी ने अपनी जांच में पाया है कि यह केवल एक साधारण पेपर लीक नहीं, बल्कि एक सुनियोजित अंतरराज्यीय नेटवर्क का हिस्सा था।

**( ये लेखक के निजी विचार हैं )**

## व्यक्तित्व विशेष

# जिसने कहा मेरा नाम आजाद है

चंद्रशेखर आजाद

**चंद्रशेखर आजाद** का जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले के भाबरा गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम पंडित सीताराम तिवारी तथा माता का नाम जगरानी देवी था। बचपन से ही उनमें देशभक्ति की भावना, साहस और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने का जज्बा था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा वाराणसी में प्राप्त की। वर्ष 1921 में जब महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन शुरू किया तब किशोर अवस्था में ही चंद्रशेखर उसमें शामिल हो गए।

आंदोलन के दौरान उन्हें अंग्रेजों ने गिरफ्तार किया। न्यायालय में जब उनसे नाम पूछा गया तो उन्होंने अपना नाम 'आज़ाद' पिता का नाम 'स्वतंत्रता' और निवास स्थान 'जेल' बताया। तभी से वे पूरे देश में चंद्रशेखर आज़ाद के नाम से प्रसिद्ध हो गए। असहयोग आंदोलन वापस लिए जाने के बाद उन्होंने सशस्त्र क्रांति का मार्ग अपनाया। वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन से जुड़े और बाद में इसे हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के रूप में संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कविता

## बंधन और मुक्ति

अमित मैहरा (एचएएस)
एडीसी, जिला चंबा (हि.प्र.)

**वो** कहते हैं- प्रेम बांध देता है,
मैंने जाना-यह खोल देता है सब बंधन।
मैं स्वतंत्र हुआ हूं तुम्हें पाकर,
जैसे आकाश अपने ही विस्तार से परिचित हो जाए।
मेरी परिधि, जो कभी सीमित थी,
तुम्हारे स्पर्श से अनंत होने लगी।
मैंने तुम्हारे प्रेम में खुद को जन्म लेते देखा है-
एक नया मैं,जो पहले कभी था नहीं।
मेरा हर श्वास अब तुम्हारा ही नाम लेता है,
जैसे हवा भी कोई प्रार्थना हो,
और मेरे भीतर चलता हो झंझावात।
यदि यह बंधन है- तो यही मेरी मुक्ति है,
यदि यह प्रेम है- तो यही मेरा आविष्कार है।

# जब श्रीलंका सांप्रदायिक हिंसा की भीषण आग में झुलस उठा

23 जुलाई 1983 श्रीलंका के इतिहास की उन दुखद और निर्णायक तिथियों में से एक है जिसने पूरे देश की राजनीति समाज और भविष्य को गहराई से प्रभावित किया। इसी दिन उत्तरी श्रीलंका के जाफना क्षेत्र में तमिल उग्रवादी संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम ने श्रीलंकाई सेना के एक दल पर घात लगाकर हमला किया जिसमें तेरह सैनिकों की मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद पूरे देश विशेषकर राजधानी कोलंबो और अन्य प्रमुख शहरों में व्यापक हिंसा भड़क उठी। अगले कई दिनों तक चले दंगों में हजारों तमिल नागरिकों के घर दुकानों और प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। बड़ी संख्या में लोगों की जान गई और लाखों लोग अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर हुए। इतिहास में यह घटना ब्लैक जुलाई के नाम से दर्ज है और इसे श्रीलंका के गृहयुद्ध की सबसे महत्वपूर्ण शुरुआत माना जाता है।

प्रताप सिंह पटियाल
स्वतंत्र लेखक

श्रीलंका में सिंहली और तमिल समुदाय सदियों से साथ रहते आए थे लेकिन स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद दोनों समुदायों के बीच राजनीतिक और सामाजिक मतभेद धीरे धीरे बढ़ने लगे। देश की अधिकांश आबादी सिंहली समुदाय की थी जबकि तमिल समुदाय मुख्य रूप से उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में निवास करता था। तमिल समुदाय का आरोप था कि उन्हें सरकारी नौकरियों शिक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में समान अवसर नहीं दिए जा रहे हैं। दूसरी ओर सरकार का कहना था कि वह राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए नीतियां बना रही है। इन मतभेदों के कारण दोनों समुदायों के बीच अविश्वास लगातार बढ़ता गया।

वर्ष 1956 में सिंहला भाषा को एकमात्र आधिकारिक भाषा बनाए जाने के निर्णय ने तमिल समुदाय में असंतोष को और अधिक बढ़ा दिया। इसके बाद विश्वविद्यालयों में प्रवेश और सरकारी सेवाओं में आरक्षण संबंधी नीतियों को लेकर भी विवाद गहराता गया। तमिल नेताओं ने अपने अधिकारों की मांग शांतिपूर्ण ढंग से उठाई लेकिन समय के साथ कुछ उग्रवादी संगठन भी सामने आए जिन्होंने अलग तमिल राष्ट्र की मांग शुरू कर दी। इन्हीं संगठनों में सबसे प्रभावशाली संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम था जिसे सामान्यत: एलटीटीई कहा जाता है।

23 जुलाई 1983 को एलटीटीई द्वारा किए गए हमले में श्रीलंकाई सेना के तेरह सैनिकों की मृत्यु ने पूरे देश में तनाव को विस्फोटक स्थिति में पहुंचा दिया। सैनिकों के अंतिम संस्कार के बाद कई स्थानों पर हिंसा भड़क उठी। देखते ही देखते यह हिंसा बड़े पैमाने पर तमिल विरोधी दंगों में बदल गई। कोलंबो सहित अनेक शहरों में तमिल नागरिकों के घरों दुकानों कारखानों और धार्मिक स्थलों को आग के हवाले कर दिया गया। कई स्थानों पर लोगों की पहचान उनके नाम और भाषा के आधार पर की गई और उन पर हमले किए गए। अनेक परिवारों को अपने घर छोड़कर राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी।

ब्लैक जुलाई के दौरान हुई हिंसा में सैकड़ों से लेकर हजारों लोगों के मारे जाने का अनुमान लगाया जाता है। विभिन्न रिपोर्टों में मृतकों की संख्या अलग अलग बताई गई है लेकिन यह स्पष्ट है कि यह श्रीलंका के इतिहास की सबसे भीषण सांप्रदायिक हिंसाओं में से एक थी। हजारों मकान और व्यापारिक प्रतिष्ठान नष्ट हो गए। बड़ी संख्या में तमिल नागरिक भारत और अन्य देशों की ओर पलायन करने लगे। इस घटना के बाद श्रीलंका से तमिल प्रवासियों का एक बड़ा समुदाय दुनिया के अनेक देशों में बस गया।

ब्लैक जुलाई का सबसे गंभीर प्रभाव यह हुआ कि श्रीलंका में लंबे समय तक चलने वाले गृहयुद्ध की नींव मजबूत हो गई। तमिल युवाओं का एक बड़ा वर्ग उग्रवादी संगठनों की ओर आकर्षित हुआ क्योंकि उन्हें लगा कि उनकी सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा केवल हथियारों के माध्यम से ही संभव है। दूसरी ओर सरकार ने भी उग्रवाद के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तेज कर दी। परिणामस्वरूप देश लगभग तीन दशकों तक हिंसा आतंकवाद और संघर्ष की आग में झुलसता रहा।

श्रीलंका का गृहयुद्ध वर्ष 1983 से लेकर 2009 तक चला और इस दौरान हजारों सैनिक नागरिक महिलाएं और बच्चे अपनी जान गंवा बैठे। लाखों लोग विस्थापित हुए और देश की अर्थव्यवस्था पर भी गंभीर प्रभाव पड़ा। पर्यटन उद्योग जो श्रीलंका की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार था वह भी लंबे समय तक प्रभावित रहा। निवेश कम हुआ विकास परियोजनाएं धीमी पड़ गईं और समाज में भय तथा असुरक्षा का वातावरण बना रहा।

ब्लैक जुलाई केवल राजनीतिक संघर्ष की कहानी नहीं है बल्कि यह मानवीय त्रासदी का भी प्रतीक है। अनेक परिवार ऐसे थे जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। बच्चों ने अपने माता पिता को खोया महिलाओं ने अपने परिवारों को बिखरते देखा और हजारों लोग शरणार्थी बनकर जीवन बिताने को मजबूर हुए। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि जातीय और सांप्रदायिक हिंसा का सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिकों को ही उठाना पड़ता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ब्लैक जुलाई की व्यापक प्रतिक्रिया हुई। अनेक देशों और मानवाधिकार संगठनों ने श्रीलंका में हुई हिंसा पर चिंता व्यक्त की और सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र सहित कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने शांति और संवाद के माध्यम से समाधान निकालने पर जोर दिया। भारत ने भी स्थिति पर लगातार नजर रखी क्योंकि बड़ी संख्या में तमिल शरणार्थी दक्षिण भारत विशेषकर तमिलनाडु पहुंचे थे। बाद के वर्षों में भारत ने श्रीलंका में शांति स्थापित करने के प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वर्ष 1987 में भारत और श्रीलंका के बीच समझौता हुआ जिसके बाद भारतीय शांति सेना को श्रीलंका भेजा गया। हालांकि यह प्रयास भी पूरी तरह सफल नहीं हो सका और संघर्ष कई वर्षों तक जारी रहा। अंतत: वर्ष 2009 में श्रीलंकाई सेना ने एलटीटीई के खिलाफ अंतिम सैन्य अभियान चलाकर गृहयुद्ध समाप्त होने की घोषणा की। इसके बावजूद युद्ध और ब्लैक जुलाई की स्मृतियां आज भी श्रीलंका के समाज में गहराई से मौजूद हैं।

**( ये लेखक के निजी विचार हैं )**

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

## न्यूज ब्रीफ

### डीएम ने संभाली बाढ़ तैयारी की कमान चौकियों को सक्रिय करने के आदेश

**एजेंसी, महोबा।** अतिवृष्टि और बाढ़ से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए जिलाधिकारी गजल भारद्वाज ने बुधवार को बाढ़ स्टेयरिंग कमेटी की बैठक की। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों को बाढ़ चौकियों की स्थिति दुरुस्त कर कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। चौकियों पर कर्मचारियों के नाम, मोबाइल नंबर, गोताखोरों की सूची और नावों की उपलब्धता की जानकारी दर्ज कराने को कहा गया। डीएम ने सिंचाई विभाग को उर्मिल, चंद्रावल, मझगांव, कबरई, लहचुरा और क्योंलारी बांधों के जलस्तर पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए। संभावित प्रभावित गांवों को अलर्ट मोड पर रखने और ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाने को कहा गया।

### जंगल से बाजार तक पहुंची सोनभद्र महिलाओं की मेहनत, बढ़ी आमदनी और सम्मान

**एजेंसी, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार के प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित मॉडल से वन क्षेत्रों की महिलाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज विकासखंड के साजौर गांव का बजरंगबली स्वयं सहायता समूह बकरी के दूध, नीम, एलोवेरा, हल्दी, चंदन और मोरिंगा से हर्बल साबुन तैयार कर रहा है। समूह से जुड़ी 10 से अधिक महिलाएं हर महीने 50 से 60 हजार रुपये तक के उत्पाद बेच रही हैं। इससे प्रत्येक महिला को 8 से 10 हजार रुपये मासिक अतिरिक्त आय मिल रही है। प्रशिक्षण, पैकेजिंग और विपणन की सुविधा मिलने से महिलाएं अपने उत्पादों को बाजार तक पहुंचा रही हैं। हर्बल साबुन ने महिलाओं को आर्थिक मजबूती के साथ नई पहचान भी दी है।

### मिनी नंदिनी योजना से चमकी शिवम की डेयरी, सालाना कमाई 20 लाख पार

**एजेंसी, लखनऊ।** मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का माध्यम बन रही है। सांड़वा चंडिका गांव निवासी शिवम सिंह ने गोसेवा से शुरू हुए सफर को आधुनिक डेयरी उद्यम में बदल दिया है। पांच वर्ष पहले उनके पिता को एक घायल देसी गाय मिली थी, जिसकी सेवा से गोपालन की शुरुआत हुई। योजना के तहत ऋण मिलने के बाद शिवम ने साहीवाल और गिर नस्ल की गायें लेकर डेयरी का विस्तार किया। आज उनके पास 25 गोवंश हैं और प्रतिदिन करीब 110 लीटर दूध उत्पादन हो रहा है। इससे परिवार की सालाना आय 20 लाख रुपये से अधिक पहुंच गई है। शिवम अब ए2 दूध उत्पाद और नस्ल सुधार पर काम कर रहे हैं।

### आईआईवीआर की नई पहल, सुरक्षित और पौष्टिक सब्जियों पर शोध शुरू

**एजेंसी, मीरजापुर।** भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (आईआईवीआर), अदलपुरा में जीनोम एडिटिंग आधारित नई परियोजना शुरू की गई है। आईसीएआर के वित्त पोषण से चल रही इस परियोजना में टमाटर, मिर्च, खीरा और खरबूजे की उन्नत किस्में विकसित की जाएंगी। वैज्ञानिकों का लक्ष्य रोग प्रतिरोधी, गुणवत्तापूर्ण और अधिक उत्पादन देने वाली सब्जियां तैयार करना है। टमाटर में रोग नियंत्रण व लाइकोपिन बढ़ाने, मिर्च में रोग प्रतिरोधक क्षमता और खरबूजे की भंडारण क्षमता बढ़ाने पर शोध किया जा रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार इससे उत्पादन बढ़ेगा, कीटनाशकों का उपयोग घटेगा और किसानों को बेहतर लाभ मिलेगा।

### लखनऊ में भाजपा का कांग्रेस कार्यालय घेराव पुलिस से हुई धक्का-मुक्की

**एजेंसी, लखनऊ।** लखनऊ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शन राहुल गांधी के प्रधानमंत्री आवास के सामने धरने के विरोध में किया गया। पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर कार्यकर्ताओं को रोका, इस दौरान हल्की धक्का-मुक्की हुई। पंकज चौधरी ने कहा कि संवेदनशील क्षेत्र में प्रदर्शन उचित नहीं था और पेपर लीक मामले में दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। भाजपा नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन संवैधानिक मर्यादाओं का पालन जरूरी है।

# राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने हॉस्टलों में नशे की बढ़ती समस्या पर युवाओं को किया जागरूक

## दीक्षांत समारोह में बोलीं आनंदीबेन पटेल, नशा सपनों और प्रतिभा को कर देता है खत्म

**एजेंसी, लखनऊ**

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालयों के हॉस्टलों में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को लेकर चिंता जताई है। बुधवार को मेरठ स्थित चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के 38वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं राज्यपाल ने दावा किया कि उन्होंने करीब 15 विश्वविद्यालयों के हॉस्टलों का निरीक्षण किया है, जहां कई जगह शराब की बोतलें पड़ी मिलीं। उन्होंने कहा कि हॉस्टलों में बाहर से आने वाले खाने के माध्यम से भी नशीले पदार्थ पहुंचने की शिकायतें सामने आई हैं।

इस संबंध में उन्होंने हॉस्टल प्रबंधन और कुलपतियों को तस्वीरें दिखाकर सतर्क किया है। दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। यह धीरे-धीरे व्यक्ति के सपनों, प्रतिभा, स्वास्थ्य और परिवार की उम्मीदों को खत्म कर देता है। उन्होंने युवाओं से जीवन में सकारात्मक सोच अपनाने, चरित्र निर्माण करने और अपने भविष्य को बेहतर दिशा देने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि आज कई युवा सही दिशा को लेकर भ्रमित हैं। उन्हें यह समझने की आवश्यकता है कि उनके कार्य देश और समाज के हित में हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि कई बार युवा बिना सोचे-समझे किसी के पीछे चल पड़ते हैं, लेकिन हर व्यक्ति को अपने निर्णयों की जिम्मेदारी समझनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से महापुरुषों के जीवन और उनके संघर्षों से प्रेरणा लेने की अपील की। आनंदीबेन पटेल ने कहा कि युवाओं को अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाना चाहिए।

शिक्षा के साथ संस्कार और जिम्मेदारी की भावना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के बल पर युवा अपने साथ-साथ देश का भविष्य भी मजबूत कर सकते हैं। इससे पहले राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 199 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए। उन्होंने छात्राओं के बेहतर प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि आज के समारोह में 75 प्रतिशत बेटियों और 25 प्रतिशत छात्रों को पदक मिले हैं। यह साबित करता है कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से पीछे नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि समाज को बेटियों पर भरोसा करना चाहिए और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर देने चाहिए। बेटियां शिक्षा, रोजगार और हर क्षेत्र में परिवार और देश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बेटियों को बोझ न समझें, बल्कि उनकी प्रतिभा को पहचानकर उनका उत्साह बढ़ाएं। राज्यपाल ने समारोह में विद्यार्थियों को सफलता के साथ अच्छे संस्कार अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि युवा ही देश की सबसे बड़ी ताकत हैं और उनके सही मार्ग पर चलने से समाज और राष्ट्र का विकास संभव है। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार और जिम्मेदारी की भावना भी जरूरी है। उन्होंने युवाओं को मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच अपनाकर समाज व देश के विकास में योगदान देने का संदेश दिया।

# पेपरलीक करने वाले को कठोर दंड मिलना चाहिए: अम्बरीष सिंह

**एजेंसी, लखनऊ**

विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के प्रवक्ता अम्बरीष सिंह ने पेपर लीक मामलों को लेकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक करने वाले दोषियों को कठोर दंड मिलना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने इस मुद्दे पर संसद में भी गंभीर चर्चा की आवश्यकता बताई। अम्बरीष सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से कहा कि छात्रों को अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन करने का पूरा अधिकार है, लेकिन जंतर मंतर पर प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों की वेशभूषा और कथित भारत विरोधी नारों को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

**विहिप बोला, आंदोलन की आड़ में एजेंडा नहीं**

विहिप प्रवक्ता ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद और असहमति के लिए आंदोलन जरूरी हैं, लेकिन छात्रों के आंदोलन का सहारा लेकर कुछ लोग अपने राजनीतिक और विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों की साजिशों को विफल करना जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि आंदोलन के मंच से देश और हिन्दू धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने विपक्षी नेताओं पर प्रधानमंत्री के खिलाफ अभद्र भाषा के इस्तेमाल और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों को समर्थन देने का आरोप लगाया।

अम्बरीष सिंह ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखना और देश विरोधी गतिविधियों पर रोक लगाना सभी की जिम्मेदारी है। अम्बरीष सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार सभी को है, लेकिन किसी भी आंदोलन का उपयोग देश की एकता और सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से ऐसे मामलों में सख्त निगरानी और प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

## 1 किलो 359 ग्राम गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

**एजेंसी, वाराणसी**

मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान में जालौन पुलिस को मिली बड़ी सफलता

मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रामपुरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने जगम्मनपुर कस्बे में छापेमारी कर एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 1 किलो 359 ग्राम गांजा बरामद किया गया।

क्षेत्राधिकारी अंबुज कुमार यादव के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी शिव प्रकाश सिंह के निर्देशन में पुलिस टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने जगम्मनपुर निवासी सुनील कुमार अवस्थी के घर की तलाशी ली, जहां से गांजा मिला। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी पहले भी मादक पदार्थों की अवैध बिक्री के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## बहराइच में विवाहिता की संदिग्ध मौत, दहेज हत्या का आरोप

**एजेंसी, बहराइच।** उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के पयागपुर थाना क्षेत्र के मनकापुर गांव में 21 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका आरती की मां चेदना पत्नी मंसाराम निवासी जिगनिया महिपाल सिंह थाना रानीपुर ने पयागपुर थाने में तहरीर देकर बताया कि उनकी बेटी का विवाह करीब एक वर्ष पहले मनकापुर निवासी हरिओम के साथ हुआ था। शादी में परिवार ने अपनी क्षमता के अनुसार दान-दहेज दिया था, लेकिन विवाह के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर आरती का उत्पीड़न करने लगा। परिजनों का आरोप है कि आरती के साथ मारपीट भी की जाती थी। इस मामले में पहले भी थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी और समझौते के प्रयास किए गए थे।

## बारिश के मौसम में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर उत्तर मध्य रेलवे ने विशेष तैयारी की शुरू

**एजेंसी, प्रयागराज**

मानसून में सुरक्षित रेल संचालन को लेकर उत्तर मध्य रेलवे ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रयागराज स्थित मुख्यालय में महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी प्रमुख विभागों के अधिकारियों और तीनों मंडलों के वरिष्ठ अफसरों ने हिस्सा लिया।

महाप्रबंधक ने निर्देश दिए कि बारिश के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और ट्रेनों के सुचारू संचालन के लिए सभी सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन किया जाए। अधिकारियों को संवेदनशील रेल खंडों का निरीक्षण कर जरूरी सुधार करने को कहा गया। साथ ही आपात स्थिति से निपटने के लिए राहत सामग्री और मानसून वैगन को तैयार रखने के निर्देश दिए गए। रेल पुलों, पुलियों, ट्रैक, जल निकासी व्यवस्था और सिग्नल प्रणाली की नियमित निगरानी करने को कहा गया है।

रेलवे प्रशासन ने फ्लैश फ्लड और जलभराव जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए चौबीस घंटे सतर्क रहने की तैयारी की है। उत्तर मध्य रेलवे ने मानसून के दौरान सुरक्षित रेल संचालन के लिए सभी विभागों को सतर्क रहने और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

## डंपर की चपेट में आने से व्यापारी की मौत

**एजेंसी, झांसी**

उत्तर प्रदेश के झांसी जनपद में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में फेरी लगाकर सामान बेचने वाले व्यापारी की मौत हो गई। हादसा टोडी फतेहपुर थाना क्षेत्र के बढ़वार बस स्टैंड भस्नेह के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार व्यापारी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि व्यापारी डंपर के नीचे आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान मढ़ौरी निवासी भोला पुत्र रामचरण अहिरवार (35) के रूप में हुई है। बताया गया कि भोला मोटरसाइकिल से गांव-गांव घूमकर महिलाओं के बालों के बदले गुड़िया के बाल, बर्तन और जीरा बेचने का काम करता था। बुधवार सुबह वह रोज की तरह अपने काम के लिए बाइक से निकला था। इसी दौरान बढ़वार बस स्टैंड भस्नेह के पास तेज रफ्तार डंपर ने उसकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही टोडी फतेहपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से व्यापारी के शव को डंपर के नीचे से बाहर निकलवाया।

पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी पवन जायसवाल ने बताया कि हादसे के बाद डंपर को कब्जे में ले लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है। झांसी के टोडी फतेहपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से फेरी व्यापारी भोला अहिरवार की मौत हो गई। हादसा बढ़वार बस स्टैंड भस्नेह के पास हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर डंपर को कब्जे में ले लिया है। मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

## राशन वितरण में लापरवाही पर प्रशासन सख्त कोटेदार के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

**एजेंसी, देवरिया**

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में अनियमितता के मामले में उचित दर विक्रेता के खिलाफ कार्रवाई की गई है। विकासखंड भलुवनी की ग्राम पंचायत सुरहा के कोटेदार प्रेमशंकर दीक्षित पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की जाएगी। जिला पूर्ति अधिकारी संजय पाण्डेय और अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) रामाशंकर की संस्तुति पर हुई जांच में राशन वितरण और स्टॉक में भारी गड़बड़ी सामने आई। जांच टीम ने कार्डधारकों के बयान दर्ज किए और दुकान के स्टॉक का सत्यापन कराया।

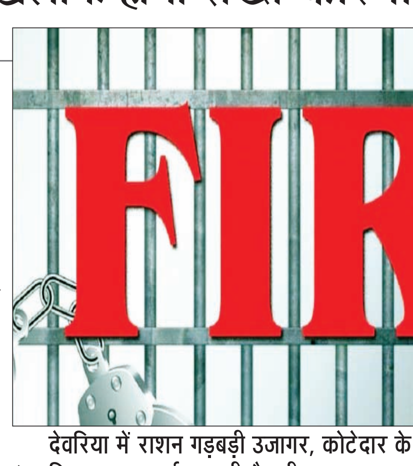



देवरिया में राशन गड़बड़ी उजागर, कोटेदार के खिलाफ एफआईआर की तैयारी

जांच में रिकॉर्ड के मुकाबले दुकान में 7.60 कुंतल गेहूं, 75.23 कुंतल चावल और 24 किलोग्राम चीनी कम मिली। इसके बाद उचित दर दुकान का अनुबंध निलंबित कर दिया गया और खाद्यान्न को दूसरी दुकान पर स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की अनुमति के बाद कोटेदार के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि राशन वितरण में गड़बड़ी और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जिला प्रशासन ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुचारू और पारदर्शी बनाए रखने के लिए लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। राशन वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही, खाद्यान्न की कमी या कालाबाजारी पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने कहा कि दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

## बलरामपुर में 1.97 लाख पशुओं का होगा नि:शुल्क टीकाकरण

**एजेंसी, बलरामपुर।** राष्ट्रीय पशुधन नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जनपद बलरामपुर में फुट एंड माउथ डिजीज (एफएमडी) से बचाव के लिए नि:शुल्क टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। तहसील तुलसीपुर से शुरू हुए इस विशेष अभियान के अंतर्गत जिले के करीब 1.97 लाख गोवंश एवं महिषवंशीय पशुओं का टीकाकरण किया जाएगा। अभियान का शुभारंभ शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर के पीठाधीश्वर महंत मिथिलेश नाथ योगी महाराज, जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन और मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता ने संयुक्त रूप से टीकाकरण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया। यह अभियान 22 जुलाई से 7 अगस्त 2026 तक संचालित होगा।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पशुओं को फुट एंड माउथ डिजीज जैसी संक्रामक बीमारी से सुरक्षित रखना, पशुधन की उत्पादकता बढ़ाना और पशुपालकों की आजीविका को मजबूत करना है। टीकाकरण के लिए पशुपालन विभाग की टीमें विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर पशुओं को नि:शुल्क टीके लगाएंगी। अभियान के शुभारंभ के बाद जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान को पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि कोई भी पात्र पशु टीकाकरण से वंचित न रहे। अधिकारियों ने बताया कि पशुधन संरक्षण के लिए यह अभियान महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। अभियान के दौरान पशुपालन विभाग की टीमें गांव-गांव पहुंचकर पशुओं का टीकाकरण करेंगी। प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकाप्रशासन ने बताया कि एफएमडी टीकाकरण अभियान से पशुओं में बीमारी के प्रसार को रोकने में मदद मिलेगी। पशुपालन विभाग की टीमें निर्धारित क्षेत्रों में पहुंचकर पशुपालकों को जागरूक करेंगी और सभी पात्र पशुओं का टीकाकरण सुनिश्चित करेंगी।

## ड्यूटी पर गए जवान की जमीन पर कब्जे की कोशिश, डीएम ने दिए जांच निर्देश

**एजेंसी, उरई**

भारतीय थल सेना में तैनात एक जवान ने अपनी खरीदी हुई दुकान और प्लॉट पर कथित रूप से कब्जे के प्रयास का आरोप लगाते हुए बुधवार को जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई है। जवान ने आरोप लगाया कि ड्यूटी पर तैनात रहने के दौरान उसकी गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर कुछ लोगों ने उसकी संपत्ति पर अतिक्रमण करने की कोशिश की। विरोध करने पर उसे गाली गलौज, जान से मारने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई।

मामला उरई के थाना रामपुरा क्षेत्र के ग्राम जगम्मनपुर का है। गांव निवासी और वर्तमान में राजस्थान के जैसलमेर में तैनात सेना जवान सूर्यकांत मिश्रा ने जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे को शिकायती पत्र देकर बताया कि उन्होंने गांव की रहने वाली संध्या नामक महिला से दुकान और उससे जुड़ा प्लॉट खरीदा था। सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद उन्हें संपत्ति का कब्जा भी मिल गया था। जवान का आरोप है कि ड्यूटी पर वापस जाने के बाद पड़ोसी राजकुमार और सुनील कुमार ने उनकी अनुपस्थिति का लाभ उठाकर दुकान और प्लॉट की जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया। शिकायत में उन्होंने योगेंद्र उर्फ पप्पू पर भी आरोप लगाया कि वह कथित रूप से आरोपितों का सहयोग कर रहे हैं।

सूर्यकांत मिश्रा ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कराकर अतिक्रमण रोकने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। जिलाधिकारी ने मामले की जांच के लिए संबंधित तहसीलदार को निर्देश दिए हैं। जालौन में सेना जवान ने अपनी संपत्ति पर अवैध कब्जे के प्रयास का आरोप लगाते हुए प्रशासन से मदद मांगी है। जवान का कहना है कि ड्यूटी के दौरान उसकी अनुपस्थिति का फायदा उठाया गया। जिलाधिकारी ने मामले की निष्पक्ष जांच के निर्देश देकर कार्रवाई का भरोसा दिया है।

**जलसंकल्प** जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की दिशा में अधिकारियों ने दिए निर्देश

# जल संरक्षण जागरूकता संदेश को लेकर निकली प्रभात फेरी

**एजेंसी, फर्रुखाबाद**

उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जनपद में भूजल संरक्षण को लेकर चलाए गए जागरूकता अभियान 'जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प' थीम के साथ बुधवार को भूजल सप्ताह का समापन हो गया। सप्ताह भर चले कार्यक्रमों के अंतिम दिन जिले में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने प्रभात फेरी निकालकर लोगों को जल संरक्षण का संदेश दिया और पानी बचाने के लिए जनसहभागिता की अपील की।

भूजल सप्ताह के समापन अवसर पर कलेक्ट्रेट फतेहगढ़ से मुख्य विकास अधिकारी ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज और म्युनिसिपल इंटर कॉलेज फतेहगढ़ के छात्र-छात्राओं की प्रभात फेरी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रभात फेरी के माध्यम से बच्चों ने आमजन को भूजल के महत्व और

इसके संरक्षण की आवश्यकता के प्रति जागरूक किया।

प्रभात फेरी में विद्यार्थियों ने 'जल है तो कल है', 'जल आज नहीं बचाओगे तो कल कहां से लाओगे' और 'वर्षा का जल न हो बर्बाद, जल संरक्षण को रखना याद' जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जल बचाने का संदेश दिया। बच्चों ने लोगों से अपील की कि वे पानी का अनावश्यक दोहन रोकें और जल संरक्षण के उपायों को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। कार्यक्रम के बाद विकास भवन सभागार में जनपद स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी ने की।

इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया और भूजल संरक्षण को लेकर किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की। बैठक में वर्षा जल संचयन, भूजल स्तर में सुधार, जल के उचित उपयोग और आम लोगों में जागरूकता बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने कहा कि तेजी से घटता भूजल स्तर आने वाले समय के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। ऐसे में जल संरक्षण को केवल सरकारी अभियान तक सीमित नहीं रखा जा सकता, बल्कि इसे जन आंदोलन का रूप देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को पानी की बचत और संरक्षण के लिए अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

बैठक में अधिकारियों ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तालाबों का संरक्षण, वर्षा जल का संचयन और जल स्रोतों की सुरक्षा जैसे उपाय भूजल स्तर को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, सहायक अभियंता लघु सिंचाई सहित कई विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भूजल संरक्षण बेहद जरूरी है।

# स्ट्रॉबेरी की खेती से चमकी किसानों की किस्मत 90 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर दे रही सरकार

**एजेंसी, मीरजापुर**

किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार पारंपरिक खेती के साथ साथ बागवानी फसलों को बढ़ावा दे रही है। इसका सकारात्मक असर मीरजापुर जिले में देखने को मिल रहा है। यहां बड़ी संख्या में किसान अब स्ट्रॉबेरी की खेती अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर रहे हैं। कम समय में बेहतर मुनाफा देने वाली इस फसल की ओर किसानों का रुझान लगातार बढ़ रहा है।

सरकारी अनुदान और तकनीकी मदद से बढ़ा स्ट्रॉबेरी उत्पादन

**लाल फल की खेती ने बदली किसानों की किस्मत, लाखों में पहुंची कमाई**

जिला उद्यान अधिकारी मेवाराम ने बताया कि वर्तमान में जिले के करीब 190 किसान 100 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में स्ट्रॉबेरी की खेती कर रहे हैं। विभाग की ओर से वर्ष 2026-27 में स्ट्रॉबेरी खेती का क्षेत्रफल बढ़ाकर 150 एकड़ करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की ओर से प्रति हेक्टेयर 90 हजार रुपये तक का अनुदान भी उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे किसानों को शुरुआती लागत कम करने में मदद मिल रही है।

उन्होंने बताया कि स्ट्रॉबेरी की खेती किसानों के लिए आर्थिक रूप से काफी लाभदायक साबित हो रही है। एक एकड़ क्षेत्र में किसान एक फसल से करीब 12 से 14 लाख रुपये तक का शुद्ध लाभ अर्जित कर रहे हैं। यही वजह है कि जिले के किसान अब गेहूं, धान और अन्य पारंपरिक फसलों के साथ आधुनिक बागवानी की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। जिला उद्यान अधिकारी के अनुसार मीरजापुर की जलवायु और मिट्टी स्ट्रॉबेरी उत्पादन के लिए काफी अनुकूल है। बाजार में इस फल की मांग सालभर बनी रहती है, जिससे किसानों को अच्छे दाम मिल रहे हैं।

उद्यान विभाग की ओर से किसानों को गुणवत्तापूर्ण पौधे, तकनीकी जानकारी और प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जा रहा है। स्ट्रॉबेरी उत्पादन से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। फसल की तुड़ाई, पैकिंग और विपणन कार्यों में स्थानीय लोगों को काम मिल रहा है। मीरजापुर की स्ट्रॉबेरी अब आसपास के जिलों के साथ-साथ बड़े शहरों के बाजारों तक पहुंच रही है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले समय में जिले में स्ट्रॉबेरी की खेती का दायरा और बढ़ेगा।

# लुवास वैज्ञानिकों ने विकसित किया चिया बीज युक्त पौष्टिक न्यूट्रिफिट मिल्क बार, 45 दिन सुरक्षित

## उच्च प्रोटीन और फाइबर से भरपूर मिल्क बार बच्चों व खिलाड़ियों के लिए बेहतर विकल्प

**भारतेन्दु संवाददाता, हिसार**

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के वैज्ञानिकों ने स्वास्थ्यवर्धक खाद्य उत्पादों की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के पशु उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग के वैज्ञानिकों ने चिया बीज युक्त 'न्यूट्रिफिट मिल्क बार' विकसित किया है। यह उत्पाद उच्च प्रोटीन, फाइबर और प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है, जिसे बच्चों, युवाओं, खिलाड़ियों और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों के लिए बेहतर विकल्प माना जा रहा है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, बदलती जीवनशैली में पौष्टिक और सुविधाजनक खाद्य पदार्थों की मांग तेजी से बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए लुवास में यह रेडी-टू-ईट स्नैक तैयार किया गया है। इसके निर्माण में स्किम मिल्क पाउडर,

45 दिन तक सुरक्षित रहने वाला पौष्टिक उत्पाद वैज्ञानिकों की बड़ी उपलब्धि

मानकीकृत दूध, कोको पाउडर, बादाम फ्लेक्स और प्राकृतिक मिठास के लिए शहद अथवा गुड़ पाउडर का प्रयोग किया गया है।

शोध के दौरान स्किम मिल्क पाउडर की जगह 5 और 10 प्रतिशत चिया बीज पाउडर मिलाकर अलग अलग फॉर्मूलेशन तैयार किए गए। इनका पोषण मूल्य, स्वाद, बनावट और उपभोक्ता स्वीकार्यता के आधार पर परीक्षण किया गया। अध्ययन में सामने आया कि 10 प्रतिशत चिया बीज पाउडर से तैयार मिल्क बार में प्रोटीन की मात्रा अधिक पाई गई और इसकी बनावट भी बेहतर रही।

वैज्ञानिकों ने बताया कि चिया बीज पोषण का उत्कृष्ट स्रोत है। इसमें लगभग 23.9 प्रतिशत प्रोटीन, 29.5 प्रतिशत वसा, 49.5 प्रतिशत अघुलनशील आहार रेशा, 0.98

### स्वास्थ्यवर्धक खाद्य उत्पादों की दिशा में लुवास की बड़ी उपलब्धि

प्रतिशत खनिज तत्व और पर्याप्त मात्रा में प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इन्हीं पोषक गुणों के कारण चिया बीज को सुपर फूड की श्रेणी में शामिल किया जाता है।

लुवास के वैज्ञानिकों ने इस उत्पाद की भंडारण क्षमता बढ़ाने पर भी काम किया है। शोध के दौरान तैयार किए गए फॉर्मूलेशन में क्रीम के स्थान पर मानकीकृत दूध और प्राकृतिक मिठास के लिए शहद तथा गुड़ पाउडर का उपयोग किया गया। इससे उत्पाद में नमी कम हुई और इसकी गुणवत्ता लंबे समय तक बनी रही। अध्ययन के अनुसार, 10 प्रतिशत चिया बीज, स्किम मिल्क पाउडर और मानकीकृत दूध के मिश्रण से तैयार उत्पाद को बेहतर परिणाम मिले।

# कुरुक्षेत्र में कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने की ग्रीवेंस कमेटी की सुनवाई

**भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र**

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने बुधवार को कुरुक्षेत्र पहुंचकर जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति (ग्रीवेंस कमेटी) की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में लोगों की विभिन्न जनसमस्याओं और लंबित शिकायतों पर सुनवाई शुरू की गई। कुल 11 मामलों को एजेंडे में शामिल किया गया, जिनमें पांच पुराने विवाद भी शामिल रहे। इन मामलों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली गई और शिकायतकर्ताओं की बात भी सुनी गई।

बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों पर क्रमवार चर्चा की गई। कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का समाधान समयबद्ध और निष्पक्ष तरीके से किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आम लोगों की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करना है। जिन मामलों का मौके पर समाधान संभव था, वहां संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। पुराने लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने स्पष्ट किया कि वर्षों से लंबित शिकायतों का जल्द निस्तारण किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि लापरवाही या अनावश्यक देरी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और शिकायतों के समाधान में पारदर्शिता बनाए रखें। बैठक में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। उन्होंने संबंधित मामलों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई। मंत्री ने कहा कि ग्रीवेंस कमेटी का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का प्रभावी समाधान करना और शासन-प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत करना है। उन्होंने अधिकारियों से जनहित के मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने तथा शिकायतों के निपटारे में तेजी लाने के निर्देश दिए।

## न्यूज ब्रीफ

### हिसार के जन्नत बार में लगी भीषण आग लाखों का सामान जलकर हुआ पूरी तरह राख

**भारतेन्दु संवाददाता, हिसार।** हिसार की पीएलए मार्केट स्थित जन्नत बार में बुधवार सुबह भीषण आग लगने से लाखों रुपये के नुकसान की आशंका है। आग इतनी तेजी से फैली कि बार के अंदर रखा फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य सामान जलकर राख हो गया। आग के दौरान शराब की बोतलें टूटने से लपटें और तेज हो गईं, जिससे नुकसान बढ़ गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने करीब 20 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बार बंद होने के कारण आग आसपास की दुकानों तक नहीं फैल सकी और बड़ा हादसा टल गया। आग बुझाने के लिए दमकल कर्मियों को बार के शीशे तोड़कर अंदर प्रवेश करना पड़ा। बार मालिक अमित ने प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट को आग लगने का संभावित कारण बताया है। पुलिस और दमकल विभाग मामले की जांच कर रहे हैं तथा नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

### आईएमईआई ट्रैकिंग से बरामद हुए 13 मोबाइल, मालिकों को मिली राहत

**भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद।** साइबर थाना फतेहाबाद ने विभिन्न शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये मूल्य के 13 गुम मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को सौंप दिए। एसपी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने स्वयं मोबाइल संबंधित नागरिकों को लौटाए। साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार के नेतृत्व में टीम ने

आईएमईआई ट्रैकिंग, डिजिटल सर्विलांस और तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों से मोबाइल बरामद किए। आवश्यक दस्तावेजों और पहचान की पुष्टि के बाद सभी फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गए। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने फतेहाबाद पुलिस की त्वरित कार्रवाई और तकनीकी दक्षता की सराहना की। एसपी निकिता खट्टर ने नागरिकों से अपील की कि मोबाइल गुम होने या साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें या ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराएं।

### नाकाबंदी में गौवंश से भरा ट्रक पकड़ा, चालक गिरफ्तार, छह नंदी सुरक्षित बचाए गए

**भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद।** गौ तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ोपल पुलिस चौकी की टीम ने गौवंश से भरे एक ट्रक को पकड़कर छह नंदी गौवंशों को सुरक्षित मुक्त कराया। पुलिस ने ट्रक चालक गगनदीप निवासी ओढ़ां (सिरसा) को गिरफ्तार कर लिया, जबकि तस्करी में प्रयुक्त ट्रक और एस्कॉर्ट कर रही स्विफ्ट कार को भी कब्जे में ले लिया। जांच में सामने आया कि ट्रक की नंबर प्लेट पर काली टेप लगाकर पहचान छिपाने का प्रयास किया गया था। सभी गौवंशों को श्री कृष्ण प्रणामी गौशाला, बड़ोपल भेजा गया। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

### शादी के छह महीने बाद सड़क हादसे में युवक की दर्दनाक मौत

**भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत।** पानीपत में सड़क हादसे में एक नवविवाहित युवक की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक की बाइक अचानक सड़क पर आई भैंस से टकरा गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। युवक की शादी महज छह महीने पहले हुई थी। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। वह बिलखते हुए कहती रही कि यदि उसे इस हादसे का आभास होता तो वह पति को घर से जाने ही नहीं देती। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

# एचटेट रिजल्ट तैयार, गलत सवालों पर अभ्यर्थियों को मिलेंगे ग्रेस अंक

**भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी**

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) 2026 का परिणाम तैयार कर लिया है। परीक्षा के प्रश्नपत्रों और आंसर-की पर अभ्यर्थियों की ओर से दर्ज कराई गई करीब 18 हजार आपत्तियों का विशेषज्ञ समिति ने विस्तृत परीक्षण पूरा कर लिया है। जांच के दौरान कुछ प्रश्नों और उनके विकल्पों में त्रुटियां पाई गई हैं, जिसके आधार पर संबंधित अभ्यर्थियों को ग्रेस अंक देने का निर्णय लिया गया है।

बोर्ड के अनुसार तीनों स्तरों के प्रश्नपत्रों की विशेषज्ञों ने अलग अलग समीक्षा की। जिन प्रश्नों या विकल्पों में तकनीकी अथवा तथ्यात्मक खामियां मिली हैं, उनके लिए निर्धारित नियमों के अनुसार अभ्यर्थियों को ग्रेस अंक दिए जाएंगे। हालांकि विशेषज्ञों की रिपोर्ट

### री-एग्जाम टला, एचटेट परिणाम जल्द होगा जारी

में ऐसी कोई बड़ी त्रुटि सामने नहीं आई, जिसके कारण परीक्षा दोबारा आयोजित करनी पड़े। इससे री एग्जाम की संभावनाओं पर पूरी तरह विराम लग गया है।

बोर्ड अधिकारियों का कहना है कि परिणाम को अंतिम रूप दिया जा चुका है और आवश्यक प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। प्रक्रिया पूरी होने के बाद परिणाम जुलाई के अंत तक घोषित किए जाने की संभावना है। परिणाम जारी होने के बाद अभ्यर्थी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर अपना परिणाम देख सकेंगे। एचटेट परीक्षा में इस बार बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने भाग लिया था, जिसके कारण आंसर-की पर भी बड़ी संख्या में आपत्तियां दर्ज हुई थीं।

# गुरुग्राम में पोल गिरा युवक घायल; सोसायटी प्रबंधन पर केस

**भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम।** गुरुग्राम की अंतरिक्ष हाइट्स सोसायटी में बास्केटबॉल पोल गिरने से एक युवक के गंभीर रूप से घायल होने के मामले में पुलिस ने सोसायटी प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। हादसे में युवक की रीढ़ की हड्डी में तीन फ्रैक्चर आए हैं, जिसके बाद उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, युवक सोसायटी परिसर में स्थित बास्केटबॉल कोर्ट पर खेल रहा था। इसी दौरान अचानक बास्केटबॉल पोल गिर गया और वह उसकी चपेट में आ गया। हादसे के बाद उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां जांच में रीढ़ की हड्डी में तीन फ्रैक्चर होने की पुष्टि हुई। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने सोसायटी प्रबंधन के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी।

# बारिश बनी संजीवनी, चरखी दादरी में फसलों को मिला जीवनदान, किसानों की उम्मीदें फिर जगीं

**भारतेन्दु संवाददाता, चरखी दादरी**

चरखी दादरी जिले में हुई झमाझम बारिश ने किसानों के चेहरों पर मुस्कान लौटा दी है। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों को आखिरकार राहत मिली है। अच्छी वर्षा से खेतों में पर्याप्त नमी बन गई है, जिससे सूखने की कगार पर पहुंच चुकी फसलों को नया जीवन मिला है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यह बारिश खरीफ फसलों के लिए बेहद लाभकारी साबित होगी और आने वाले दिनों में फसलों की बढ़वार तेज होगी।

बारिश के बाद किसान धान की रोपाई और बाजरा की बुआई का कार्य तेजी से शुरू कर सकेंगे। जिन खेतों में नमी की कमी के कारण कृषि कार्य प्रभावित हो रहे थे, वहां अब बुआई के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं। इसके अलावा पहले से खड़ी कपास,

बाजरा और अन्य खरीफ फसलों को भी इस बारिश का सीधा लाभ मिलेगा। पर्याप्त नमी मिलने से बीजों का अंकुरण बेहतर होगा और पौधों का विकास तेजी से होगा।

कृषि विभाग के जानकारों के अनुसार बारिश के बाद फसलों में यूरिया का प्रयोग अधिक प्रभावी रहता है। मिट्टी में नमी होने से खाद का बेहतर अवशोषण होता है, जिससे पौधों को आवश्यक पोषक तत्व आसानी से मिलते हैं। इसी कारण आने वाले दिनों में जिले में यूरिया की मांग और खपत बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे फसलों की आवश्यकता के अनुसार संतुलित मात्रा में ही उर्वरकों का उपयोग करें।

किसानों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में भी समय-समय पर बारिश होती रही तो इस वर्ष खरीफ फसलों का उत्पादन बेहतर रहने की उम्मीद है। पर्याप्त वर्षा से सिंचाई पर होने वाला अतिरिक्त खर्च भी कम होगा, जिससे किसानों को आर्थिक राहत मिलेगी।

# गुरुग्राम मेट्रो विस्तार परियोजना ने पकड़ी रफ्तार साइबर सिटी तक सफर होगा आसान और तेज

**भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम**

गुरुग्राम में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से चल रही मेट्रो विस्तार परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है। मिलेनियम सिटी सेंटर से साइबर सिटी होते हुए द्वारका एक्सप्रेसवे तक प्रस्तावित 28.5 किलोमीटर लंबे मेट्रो कॉरिडोर का निर्माण कार्य लगातार प्रगति पर है। हरियाणा मेट्रो रेल ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एचएमआरटीसी) के अनुसार जून माह के अंत तक परियोजना का लगभग 11 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है, जबकि विभिन्न हिस्सों में निर्माण गतिविधियां तेज गति से जारी हैं।

केंद्र सरकार से स्वीकृति मिलने के बाद परियोजना को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के लिए, निर्माण कार्य में तेजी लाई गई है। मेट्रो कॉरिडोर तैयार होने के बाद मिलेनियम सिटी सेंटर, साइबर सिटी और द्वारका एक्सप्रेसवे जैसे प्रमुख व्यावसायिक और आवासीय क्षेत्रों के बीच सीधी मेट्रो कनेक्टिविटी

मेट्रो विस्तार से आधुनिक, सुगम और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था को मिलेगा बल।

स्थापित होगी। इससे लाखों लोगों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन का विकल्प मिलेगा। अधिकारियों का कहना है कि इस परियोजना से शहर में निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी।

परिणामस्वरूप प्रमुख सड़कों पर ट्रैफिक दबाव घटेगा, जाम की समस्या में कमी आएगी और यात्रा का समय भी कम होगा। साथ ही वाहनों की संख्या घटने से वायु प्रदूषण में कमी लाने में भी मदद मिलेगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। निर्माण कार्य के दौरान आधुनिक तकनीकों और सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा है ताकि परियोजना को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा किया जा सके। मेट्रो विस्तार को गुरुग्राम के भविष्य की परिवहन जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है। इसके शुरू होने से कार्यालय आने-जाने वाले कर्मचारियों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और आम यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

शहरी विकास विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना गुरुग्राम की परिवहन व्यवस्था में बड़ा बदलाव लाएगी। बेहतर कनेक्टिविटी के साथ आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी और शहर में टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूती मिलेगी। मेट्रो कॉरिडोर पूरा होने के बाद गुरुग्राम की पहचान आधुनिक और सुव्यवस्थित शहरी परिवहन वाले शहर के रूप में और मजबूत होगी।

# फेसबुक दोस्ती के जाल में फंसा पुलिस जवान, 19.69 लाख की साइबर ठगी

**भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद**

हरियाणा पुलिस का एक जवान साइबर ठगी का शिकार हो गया। ठगों ने फेसबुक पर युवती बनकर दोस्ती की, फिर व्हाट्सएप के जरिए निवेश का झांसा देकर उससे 19.69 लाख रुपये हड़प लिए। मामले का खुलासा होने के बाद पीड़ित ने साइबर थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।

शिकायत के अनुसार, जवान की फेसबुक पर एक युवती से जान-पहचान हुई। कुछ दिनों तक दोनों के बीच सामान्य बातचीत होती रही। इसके बाद युवती ने उसे एक ऑनलाइन निवेश योजना के बारे में बताया और अधिक मुनाफा मिलने का भरोसा दिलाया। विश्वास जीतने के बाद उसने व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजा और उसमें निवेश करने के लिए प्रेरित किया। जवान ने लिंक के माध्यम से बताए गए प्लेटफॉर्म पर चरणबद्ध तरीके से रकम जमा करनी शुरू कर दी। शुरुआत में उसे खाते में अच्छा मुनाफा दिखाई दिया, जिससे उसका भरोसा और बढ़ गया। इसके बाद उसने अलग अलग किश्तों में कुल 19.69 लाख रुपये निवेश कर दिए। जब उसने जमा राशि और मुनाफा निकालने का प्रयास किया तो उसे अतिरिक्त शुल्क और टैक्स जमा करने के लिए कहा गया। संदेह होने पर उसने पैसे निकालने की कोशिश की, लेकिन न तो रकम वापस मिली और न ही आरोपितों से संपर्क हो सका।

ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने तुरंत साइबर थाना पुलिस से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल लेनदेन की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर अनजान लोगों की बातों में न आएं और किसी भी ऑनलाइन निवेश योजना में पैसा लगाने से पहले उसकी पूरी तरह जांच-पड़ताल करें। अधिक मुनाफे का लालच अक्सर साइबर ठगों का सबसे बड़ा हथियार होता है, इसलिए सतर्कता ही ऐसे अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

# हरियाणा में ईएसएचएम हेडमास्टरों को 30 दिन में चुनना होगा पद, डीईओ करेंगे निगरानी

**भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला**

हरियाणा के मौलिक शिक्षा निदेशालय ने पदोन्नत एलीमेंट्री स्कूल हेड मास्टर (ईएसएचएम) के लिए महत्वपूर्ण आदेश जारी किए हैं। नए निर्देशों के अनुसार, ऐसे सभी हेडमास्टर जो पदोन्नति के बाद वर्तमान में ईएसएचएम के पद पर कार्यरत हैं, उन्हें 30 दिनों के भीतर यह स्पष्ट करना होगा कि वे इसी पद पर कार्य जारी रखना चाहते हैं या अन्य उपलब्ध विकल्प का चयन करेंगे। शिक्षा विभाग ने इस प्रक्रिया को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

निदेशालय ने सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों (डीईईओ) को भी इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी और क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सौंपी है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि संबंधित हेडमास्टरों से समय पर विकल्प प्राप्त कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही यह भी कहा गया है कि सभी औपचारिकताएं पारदर्शी और

### ईएसएचएम पद पर बने रहने या नया विकल्प चुनने की समयसीमा तय

निर्धारित नियमों के अनुरूप पूरी की जाएं। शिक्षा विभाग का मानना है कि इस व्यवस्था से पदस्थापन संबंधी प्रक्रियाओं में स्पष्टता आएगी और भविष्य में प्रशासनिक स्तर पर किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति नहीं बनेगी।

निर्धारित समयसीमा में विकल्प नहीं देने वाले मामलों में विभाग नियमानुसार निर्णय ले सकता है। इसलिए सभी संबंधित हेडमास्टरों को समय रहते अपना निर्णय दर्ज कराने की सलाह दी गई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, इस निर्णय का उद्देश्य स्कूलों में प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना और पदों के प्रबंधन को सुव्यवस्थित करना है। इससे रिक्त पदों का बेहतर प्रबंधन संभव होगा और शिक्षण व्यवस्था पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। डीईओ को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रत्येक मामले की नियमित समीक्षा करें और समयसीमा का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें।

शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि पूरी प्रक्रिया निर्धारित सेवा नियमों के अनुरूप होगी और सभी संबंधित कर्मचारियों के हितों का ध्यान रखा जाएगा। अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी न हो तथा सभी आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध कराए जाएं। इससे विभागीय कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी और प्रशासनिक दक्षता को भी मजबूती मिलेगी। विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों से निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

# मानसिक रूप से परेशान पिता ने मासूम बेटी को भाखड़ा नहर में फेंका

## गोताखोरों की टीम ने कई किलोमीटर तक नहर में तलाश अभियान चलाया, लेकिन बच्ची का सुराग नहीं मिला

**भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद**

फतेहाबाद जिले के रतिया क्षेत्र के गांव खुन्नन में बुधवार को एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई। गांव निवासी गुरप्रीत, जो पेशे से किसान है और परिजनों के अनुसार पिछले दो-तीन वर्षों से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था, पर अपनी पांच वर्षीय बेटी गुरनूर को भाखड़ा नहर में फेंकने का आरोप है। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची तथा बच्ची की तलाश के लिए व्यापक सर्च अभियान शुरू किया गया।

जानकारी के अनुसार गुरप्रीत अपनी बेटी को बहबलपुर स्थित स्कूल से अपने साथ ले गया था। कुछ समय बाद वह भाखड़ा नहर के पास पहुंचा, जहां उसने कथित रूप से मासूम बच्ची को नहर में फेंक दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद प्रशासन ने तुरंत राहत एवं बचाव अभियान शुरू कराया। पुलिस ने गोताखोरों की सहायता से नहर में कई स्थानों पर तलाश अभियान चलाया। नहर के आसपास के क्षेत्रों में भी

खोजबीन की गई, लेकिन समाचार लिखे जाने तक बच्ची का कोई सुराग नहीं मिल सका था। प्रशासन ने नहर से जुड़े संबंधित अधिकारियों को भी सतर्क कर दिया है, ताकि आगे के क्षेत्रों में भी निगरानी रखी जा सके। सर्च अभियान लगातार जारी है।

परिजनों का कहना है कि गुरप्रीत पिछले कुछ वर्षों से मानसिक तनाव और बीमारी से जूझ रहा था। उसका इलाज भी चल रहा था। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और मानसिक स्थिति सहित सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों और परिस्थितियों के बारे में स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकेगा। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण भी नहर किनारे पहुंच गए। पूरे गांव में शोक और चिंता का माहौल है। लोग मासूम बच्ची के सकुशल मिलने की प्रार्थना कर रहे हैं। स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है और परिवार गहरे सदमे में है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। साथ ही नहर में तलाशी अभियान तब तक जारी रखा जाएगा, जब तक बच्ची का पता नहीं चल जाता। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि घटना को लेकर किसी भी तरह की अपुष्ट या भ्रामक जानकारी सोशल मीडिया

### घटना के बाद नहर किनारे बढ़ाई गई निगरानी, तलाश अभियान जारी

पर साझा न करें। अधिकारियों ने कहा कि केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। पुलिस और बचाव दल पूरी गंभीरता के साथ अभियान चला रहे हैं तथा हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं ताकि बच्ची का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके। पूरे मामले पर जिला प्रशासन लगातार नजर बनाए हुए है और संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

घटना के बाद क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन से नहर किनारे सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी बढ़ाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। पुलिस ने बताया कि बच्ची की तलाश के लिए आसपास के थाना क्षेत्रों को भी अलर्ट कर दिया गया है और नहर के बहाव वाले मार्गों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। जिला प्रशासन ने बचाव दलों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि सर्च अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक बच्ची का पता नहीं चल जाता।

# हरियाणा में हेली एंबुलेंस नेटवर्क का विस्तार गंभीर मरीजों को मिलेगी त्वरित राहत

**भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़**

हरियाणा सरकार ने प्रदेश में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए हेली एंबुलेंस नेटवर्क के विस्तार की प्रक्रिया तेज कर दी है। इस पहल का उद्देश्य गंभीर रूप से बीमार और दुर्घटना में घायल मरीजों को कम समय में बेहतर चिकित्सा संस्थानों तक एयरलिफ्ट कर पहुंचाना है, ताकि उन्हें समय पर उपचार मिल सके और जान बचाने की संभावना बढ़े। योजना के तहत फरीदाबाद, करनाल, सोनीपत, गुरुग्राम और रोहतक स्थित मेडिकल कॉलेजों के निकट बने हेलीपैडों का आधुनिकीकरण किया जाएगा। इन हेलीपैडों को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर हेली एंबुलेंस संचालन के लिए अधिक सक्षम बनाया जाएगा। सरकार का मानना है कि बेहतर हवाई चिकित्सा सेवाओं से आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी।

इस संबंध में हरियाणा एयरपोर्ट्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचएडीसीएल) के निदेशक मंडल की आठवीं बैठक में विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता नागरिक उड्डयन मंत्री एवं एचएडीसीएल के अध्यक्ष विपुल गोयल ने की। बैठक में नागरिक उड्डयन अवसंरचना के विकास, एयर एंबुलेंस सेवाओं के विस्तार, वित्तीय प्रबंधन और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाने से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

मेडिकल कॉलेजों के हेलीपैडों का होगा आधुनिकीकरण।

सरकार का उद्देश्य केवल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना ही नहीं, बल्कि हेलीकॉप्टर सेवाओं का उपयोग पर्यटन, आपदा प्रबंधन और सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में भी बढ़ाना है। इसके लिए राज्य में आवश्यक बुनियादी ढांचे का विकास किया जा रहा है, ताकि भविष्य की जरूरतों के अनुरूप आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

विशेषज्ञों का मानना है कि हेली एंबुलेंस नेटवर्क का विस्तार गंभीर मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकता है। सड़क मार्ग से अधिक समय लगने वाली परिस्थितियों में एयरलिफ्ट सुविधा मरीजों को कम समय में विशेषज्ञ अस्पतालों तक पहुंचाने में मदद करेगी। इससे गोल्डन ऑवर के दौरान उपचार मिलने की संभावना बढ़ेगी और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा।

# नमाज विवाद में सुप्रीम कोर्ट सख्त अगली सुनवाई में होगा जवाब दाखिल

**एजेंसी ,नई दिल्ली**

मध्य प्रदेश के धार स्थित भोजशाला परिसर में नमाज पढ़ने के लिए मुस्लिम समुदाय को दो किलोमीटर दूर स्थान उपलब्ध कराने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई है। अदालत ने केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार से इस संबंध में जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि धार्मिक गतिविधियों को लेकर सभी पक्षों की भावनाओं का ध्यान रखना जरूरी है। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से दलील दी गई कि भोजशाला परिसर से दूर नमाज के लिए अलग स्थान तय किया गया है।

इस पर कोर्ट ने सवाल उठाते हुए कहा कि धार्मिक स्थल से जुड़ी व्यवस्था को लेकर उचित संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। अदालत ने केंद्र और राज्य सरकार को स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए हैं। भोजशाला परिसर लंबे समय से

भोजशाला मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त, जवाब तलब

विवाद का केंद्र रहा है। हिंदू पक्ष इसे प्राचीन मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष यहां नमाज पढ़ने का अधिकार होने का दावा करता है। इस मामले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की रिपोर्ट और हाई कोर्ट के आदेशों के बाद विवाद लगातार चर्चा में रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि किसी भी समुदाय की धार्मिक भावनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने संबंधित पक्षों से मामले में संतुलित दृष्टिकोण अपनाने को कहा है। अब केंद्र और मध्य प्रदेश सरकार को अदालत के सामने अपना पक्ष रखना होगा। इस मामले की अगली सुनवाई में सरकारों के जवाब के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। भोजशाला विवाद पर सभी पक्षों की नजर सुप्रीम कोर्ट के अगले फैसले पर बनी हुई है।

# दिल्ली पुलिस अधिकारी के नाम पर फर्जी वीडियो, जांच में सामने आई सच्चाई

## डीपफेक वीडियो से छेड़छाड़ का मामला, दिल्ली पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की

**एजेंसी, नई दिल्ली**

दिल्ली पुलिस के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजीव रंजन का एआई तकनीक से तैयार किया गया एक फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने इस वीडियो को पूरी तरह भ्रामक और गलत बताते हुए इसके साथ किए जा रहे दावों का खंडन किया है। जानकारी के अनुसार, यह वीडियो एक पाकिस्तानी हैंडल की ओर से प्रसारित किया गया है। वीडियो के साथ दावा किया गया कि दिल्ली पुलिस को खत्म करने के लिए राजनीतिक निर्देशों के तहत कार्रवाई कर रही है।

पोस्ट में यह भी कहा गया कि पुलिस प्रदर्शन खत्म कराने के लिए राजनीतिक दबाव में काम कर रही है और सख्त कार्रवाई नहीं करना चाहती, लेकिन उसे प्रदर्शन समाप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, जांच में यह दावा पूरी तरह फर्जी पाया गया। दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया कि उसके आधिकारिक बयान में किसी भी राजनीतिक निर्देश या दबाव का कोई उल्लेख नहीं किया गया है।

पुलिस ने बताया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो एआई की मदद से तैयार किया गया है, जिससे लोगों को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया कि पुलिस ने केवल प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने और कानून-व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की थी। साथ ही लोगों से किसी भी प्रकार की गैरकानूनी गतिविधि से दूर रहने को कहा गया था। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली किसी भी सामग्री को बिना जांचे-परखे आगे

न बढ़ाएं। एआई तकनीक के जरिए बनाए जा रहे फर्जी वीडियो और गलत सूचनाओं से सतर्क रहने की जरूरत है। दिल्ली पुलिस ने यह भी संकेत दिया है कि भ्रामक जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर नजर रखी जा रही है और लोगों की सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखना उसकी प्राथमिकता है। इस मामले में पुलिस ने दोहराया कि उसका उद्देश्य निष्पक्ष तरीके से कानून का पालन कराना है और किसी भी तरह के राजनीतिक दबाव में कार्रवाई करने के आरोप निराधार हैं। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर भरोसा करें।

## न्यूज ब्रीफ

### आजमगढ़ में पुलिस का एक्शन, हत्या के आरोपी को मुठभेड़ में लगी गोली

**एजेंसी ,नई दिल्ली** आजमगढ़ के पवई थाना क्षेत्र में दादा और पोते की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी संतोष यादव को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को हुई इस कार्रवाई के दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उसे घायल अवस्था में उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पवई भेजा गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। मुठभेड़ के बाद पकड़े गए संतोष यादव ने पूछताछ में पैतृक संपत्ति विवाद के चलते दादा और पोते की हत्या करने की बात कबूल की है। घटना के बाद से पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर कार्रवाई की। इस दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस अब आरोपी से आगे की पूछताछ कर रही है और हत्या से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में राहत की भावना है।

### दिल्ली-गाजियाबाद रेल हादसे से थमी ट्रेनों का रफ्तार, कानपुर में यात्री परेशान

**एजेंसी, नई दिल्ली** । दिल्ली-गाजियाबाद रेलखंड पर मालगाड़ी के डिरेल होने के कारण रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसका असर कानपुर में भी देखने को मिला, जहां बुधवार को कई ट्रेनें घंटों की देरी से पहुंचीं। ट्रेनों के रिशेड्यूल होने के बावजूद यात्रियों को लंबे समय तक रास्ते में इंतजार करना पड़ा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, मालगाड़ी के पटरी से उतरने के बाद कई ट्रेनों के संचालन में बदलाव करना पड़ा। कुछ ट्रेनों को वैकल्पिक मार्ग से चलाया गया, जबकि कई ट्रेनों के समय में परिवर्तन किया गया। इसके बावजूद कानपुर आने वाली कई ट्रेनें एक घंटे से लेकर 11 घंटे तक देरी से पहुंचीं। लंबे इंतजार के कारण यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई और लोग ट्रेनों की स्थिति जानने के लिए पूछताछ केंद्रों पर पहुंचते रहे। खासकर दूर-दराज के सफर पर जाने वाले यात्रियों को सबसे ज्यादा दिक्कत हुई। रेलवे की टीमें ट्रैक को सामान्य करने और ट्रेन संचालन को सुचारू बनाने में जुटी रहीं। अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही सभी ट्रेनों का संचालन सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं। यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति की जानकारी जरूर लें।

### नोएडा को स्वच्छ बनाने की कवायद तेज लापरवाही करने वालों पर बड़ा शिकंजा

**एजेंसी, नई दिल्ली** । नोएडा प्राधिकरण ने शहर में साफ-सफाई और जलभराव की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए बड़ी कार्रवाई की है। काम में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों पर सख्त कदम उठाया गया है। प्राधिकरण ने तीन सुपरवाइजरों की सेवाएं समाप्त कर दी हैं, जबकि आठ अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार, तीन प्रबंधकों और पांच अवर अभियंताओं का एक माह का वेतन स्थायी रूप से काट दिया गया है। यह कार्रवाई नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक (जीएम) एसपी सिंह के निर्देश पर की गई। शहर में लगातार साफ-सफाई व्यवस्था और जलभराव से जुड़ी शिकायतें मिल रही थीं। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर कर्मचारियों की लापरवाही सामने आई, जिसके बाद जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई का निर्णय लिया गया। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि शहर की सफाई व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने और समस्याओं का समय पर समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं। नोएडा प्राधिकरण की इस कार्रवाई से कर्मचारियों और अधिकारियों में सख्ती का संदेश गया है। प्रशासन का उद्देश्य शहर को स्वच्छ और जलभराव मुक्त बनाना है। प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी लापरवाही मिलने पर जिम्मेदार कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

# प्रयागराज में ट्रेन पलटाने की कोशिश नाकाम, लोको पायलट ने बचाई बड़ी घटना

**एजेंसी ,नई दिल्ली**

प्रयागराज के इरादतगंज में मंगलवार रात एक बड़ा रेल हादसा लोको पायलट की सतर्कता से टल गया। वाराणसी से मुंबई जा रही बनारस सुपरफास्ट एक्सप्रेस के चालक ने ट्रैक पर रखी लोहे की पाइप को समय रहते देख लिया और तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। इससे ट्रेन रुक गई और उसमें सवार सैकड़ों यात्रियों की जान बच गई। जानकारी के अनुसार, घटना इरादतगंज रेलवे क्षेत्र की है, जहां देर रात ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग से गुजर रही थी।

इसी दौरान रेलवे ट्रैक पर लोहे की एक भारी पाइप रखी दिखाई दी। लोको पायलट ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तुरंत कार्रवाई की और ट्रेन को रोक दिया। अगर समय पर ब्रेक नहीं लगाए जाते तो बड़ा हादसा हो

सकता था। घटना के बाद रेलवे अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। मौके पर पहुंचकर कर्मचारियों ने ट्रैक की जांच की और बाधा को हटाया। रेलवे ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाया जा रहा है कि ट्रैक पर पाइप किसने और किस उद्देश्य से रखी थी। लोको पायलट की सूझबूझ और तेज निर्णय की रेलवे अधिकारियों ने सराहना की है। उनकी सतर्कता के कारण एक संभावित दुर्घटना टल गई और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकी।

## नोएडा प्राधिकरण औद्योगिक इलाकों में घर-घर से उठाएगा कचरा

**एजेंसी, नई दिल्ली**

नोएडा में औद्योगिक सेक्टरों को बेहतर और स्वच्छ बनाने के लिए नई पहल की तैयारी की जा रही है। नोएडा प्राधिकरण शहर के औद्योगिक क्षेत्रों में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था शुरू करने की योजना बना रहा है। इसके तहत सेक्टर-1, 2 और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में नियमित रूप से कचरा उठाने की व्यवस्था की जाएगी। प्राधिकरण का उद्देश्य औद्योगिक इलाकों में सफाई व्यवस्था को मजबूत करना और कूड़े के सही निस्तारण को सुनिश्चित करना है। अभी कई औद्योगिक क्षेत्रों में कचरा प्रबंधन की व्यवस्था पूरी तरह व्यवस्थित नहीं है, जिसके कारण जगह-जगह गंदगी दिखाई देती है। अधिकारियों के अनुसार, औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले कचरे को निर्धारित प्रक्रिया के तहत एकत्र किया जाएगा। इसके लिए कंपनियों और फैक्ट्रियों को भी सहयोग करना होगा।

# श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बड़ा इंतजाम आगरा से गोवर्धन तक 50 रुपए किराया

**एजेंसी ,नई दिल्ली**

गोवर्धन (मथुरा) में 23 जुलाई से शुरू होने वाले प्रसिद्ध मुड़िया मेला को लेकर रोडवेज ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। लाखों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए परिवहन विभाग ने विशेष बस संचालन की योजना बनाई है। मेले के पहले दिन आगरा से गोवर्धन के लिए 400 बसें चलाई जाएंगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कुल 1100 रोडवेज बसें तैनात की जाएंगी।

रोडवेज अधिकारियों के अनुसार, आगरा से गोवर्धन आने-जाने के लिए यात्रियों से केवल 50 रुपये किराया लिया जाएगा। मेले में शुरुआती दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य रहने की संभावना है, लेकिन 25 जुलाई से भीड़ बढ़ने लगेगी। इसके बाद यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बसों

की संख्या में लगातार वृद्धि की जाएगी। मुड़िया मेला 30 जुलाई तक चलेगा, जिसमें देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गोवर्धन पहुंचेंगे। रोडवेज ने बसों के संचालन, कर्मचारियों की तैनाती और यात्रियों की सुविधाओं को लेकर विशेष इंतजाम किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त बसें उपलब्ध रहेंगी। मेले के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रशासन और परिवहन विभाग मिलकर काम करेंगे। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित बस सेवाओं का उपयोग करें।

मुड़िया मेले के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए प्रशासन भी विशेष इंतजाम करेगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बस स्टैंडों पर अतिरिक्त कर्मचारी तैनात रहेंगे और यात्रियों को समय पर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

# फरीदाबाद में पुलिसकर्मी भी साइबर ठगी का शिकार,फेसबुक दोस्त ने लगाया 19.69 लाख का चूना

**एजेंसी ,नई दिल्ली**

फरीदाबाद में साइबर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां एक साइबर अपराधी ने पुलिसकर्मी को अपना शिकार बनाकर करीब 19.69 लाख रुपये की ठगी कर ली। जानकारी के अनुसार ठग ने फेसबुक के माध्यम से पुलिसकर्मी से दोस्ती की और धीरे-धीरे विश्वास हासिल कर उसे निवेश करने का झांसा दिया। आरोपी ने पीड़ित को अधिक मुनाफे का लालच देकर अलग-अलग योजनाओं में पैसा लगाने के लिए प्रेरित किया।

ठग की बातों में आकर पुलिसकर्मी ने कई बार अलग-अलग बैंक खातों में कुल 19.69 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। कुछ समय बाद जब पीड़ित ने निवेश की गई रकम निकालने की कोशिश की तो आरोपी ने पैसे लौटाने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद पीड़ित को अपने साथ हुई ठगी का

फेसबुक दोस्ती में पुलिसकर्मी से 19.69 लाख ठगे

एहसास हुआ और उसने मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद साइबर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने संबंधित बैंक खातों और लेनदेन की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। साथ ही आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के लिए तकनीकी जांच की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि साइबर ठगी के मामलों में लोगों को सावधान रहने की जरूरत है और किसी भी अनजान व्यक्ति के निवेश संबंधी दावों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर होने वाली दोस्ती और ऑनलाइन निवेश के प्रस्तावों से सतर्क रहें। किसी भी तरह के वित्तीय लेनदेन से पहले पूरी जांच करें और संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन या पुलिस को सूचना दें।

# मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना: अब चांदी के सामान की जगह खाते में मिलेंगे 4,000

**एजेंसी ,नई दिल्ली**

उत्तर प्रदेश शासन के नए दिशा-निर्देशों के तहत जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को शासन द्वारा योजना में किए गए महत्वपूर्ण बदलावों का पारदर्शी तरीके से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।नए नियमों के अनुसार, अब सामूहिक विवाह योजना में मिलने वाली उपहार सामग्री में से चांदी के सामान का प्रावधान समाप्त कर दिया गया है। चांदी के दाम में उतार-चढ़ाव को देखते हुए इसके लिए निर्धारित 4,000 की राशि अब सीधे लाभार्थी कन्या के बैंक खाते में भेजी जाएगी। इस बदलाव के साथ ही वधू के बैंक खाते में अंतरित की जाने वाली सहायता राशि 60,000 से बढ़कर 64,000 हो गई है।

योजना के तहत प्रति जोड़े कुल 1,00,000 की वित्तीय सहायता दी जाती है। इस कुल बजट में से

64,000 सीधे कन्या के खाते में जमा होंगे, जबकि 21,000 की उपहार एवं घरेलू सामग्री प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त विवाह समारोह के आयोजन व व्यवस्थाओं के लिए निर्धारित 15,000 की राशि पूर्ववत रखी गई है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों का पारदर्शी सत्यापन सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई पात्र वंचित न रहे। उन्होंने उपहारों की गुणवत्ता और आयोजन की व्यवस्था में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने के कड़े निर्देश दिए हैं। इस योजना में किए गए महत्वपूर्ण बदलावों के तहत अब चांदी की पायल और बिछिया के बढ़ते दामों के कारण उत्पन्न होने वाली दिक्कतों को समाप्त कर दिया गया है।

पहले उपहार सामग्री में शामिल चांदी के आभूषणों की जगह अब सीधे 4,000 की नकद राशि लाभार्थी के बैंक खाते में (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) के माध्यम से भेजी जा रही है।इस निर्णय से न केवल आभूषणों की खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है, बल्कि नवविवाहित वधू को अपनी आवश्यकतानुसार राशि का उपयोग करने की स्वतंत्रता भी मिली है।

# मेरठ में राज्यपाल का युवाओं को संदेश,डिग्री नहीं चरित्र बनाता है व्यक्ति की असली पहचान

**एजेंसी, नई दिल्ली**

मेरठ स्थित चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) के 38वें दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए चरित्र निर्माण, शोध, नवाचार और नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का युवा उच्च शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों को भी अपने जीवन का आधार बनाएगा। राज्यपाल ने कहा कि डिग्री केवल सफलता का प्रमाण नहीं होती, बल्कि व्यक्ति का चरित्र ही उसकी सबसे बड़ी पहचान बनता है। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए ईमानदारी, अनुशासन और सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

आनंदीबेन पटेल ने शोध और नवाचार को देश के विकास का प्रमुख आधार बताते हुए कहा कि नई सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ही भारत वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना सकता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए हानिकारक है। समारोह में उन्होंने विद्यार्थियों को डिजिटल सेवाओं का अधिक से अधिक उपयोग करने की भी सलाह दी। विशेष रूप से डिजिलॉकर के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इससे शैक्षणिक प्रमाणपत्रों और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित और आसानी से उपलब्ध रखा जा सकता है। राज्यपाल ने मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाना और देश के विकास में सक्रिय योगदान देना भी है।

# गुरुग्राम के ब्लैक स्पॉट्स पर डीसीपी ट्रैफिक का निरीक्षण, सड़क सुरक्षा पर जोर

## यातायात व्यवस्था होगी और सुरक्षित, डीसीपी प्रतीक गहलोत ने प्रमुख चौराहों और ब्लैक स्पॉट्स का किया निरीक्षण

**एजेंसी, नई दिल्ली**

गुरुग्राम में सड़क हादसों को कम करने और यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पुलिस उपायुक्त (ट्रैफिक) प्रतीक गहलोत ने सोमवार को शहर के कई दुर्घटना संभावित क्षेत्रों और ब्लैक स्पॉट्स का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सेक्टर-53/54 चौक, सेक्टर-42/43 चौक, सेक्टर-31 चौक, पचगांव फौजी ढाबा तथा पचगांव चौक का दौरा कर वहां की यातायात व्यवस्था, सड़क की स्थिति और दुर्घटनाओं के संभावित कारणों का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीसीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर बार-बार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, वहां तकनीकी अध्ययन कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए।

उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं के वास्तविक कारणों की पहचान कर उनके स्थायी समाधान के लिए

डीसीपी ने ब्लैक स्पॉट्स का किया निरीक्षण

प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इस दौरान ट्रैफिक रोड सेफ्टी इंस्पेक्टर मदन, संबंधित यातायात निरीक्षक, जोनल अधिकारी, राहगीरी टीम, टेक्निकल टीम और आरएसओ टीम के अधिकारी भी मौजूद रहे। टीम ने विभिन्न चौराहों पर वाहनों की आवाजाही, ट्रैफिक सिग्नलों की स्थिति, सड़क संकेतकों, डिवाइडर, यू-टर्न, पैदल पार पथ और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने उन स्थानों को भी चिन्हित किया जहां अतिरिक्त संकेतक, स्पीड कंट्रोल उपाय, बेहतर रोशनी और यातायात प्रबंधन की आवश्यकता महसूस की गई। डीसीपी प्रतीक गहलोत ने कहा कि सड़क सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है और ब्लैक स्पॉट्स की पहचान कर उनमें सुधार करना लगातार जारी रहेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुझावों के आधार पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि भविष्य में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या कम हो और शहर में सुरक्षित, सुचारु तथा बेहतर यातायात व्यवस्था स्थापित की जा सके।

# नोएडा एयरपोर्ट क्षेत्र में मेगा डेवलपमेंट की शुरुआत, सात सेक्टरों में जमीन खरीद तेज

**एजेंसी ,नई दिल्ली**

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने सात नए सेक्टरों में भूमि खरीद की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्राधिकरण का लक्ष्य एयरपोर्ट के आसपास योजनाबद्ध शहरी विकास को गति देना और निवेश के लिए बेहतर माहौल तैयार करना है।

इस पहल के तहत किसानों से निर्धारित नीति के अनुसार जमीन अधिग्रहित की जाएगी, ताकि भविष्य की आवासीय, औद्योगिक, संस्थागत और व्यावसायिक परियोजनाओं को समय पर विकसित किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार भूमि खरीद की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी और प्रभावित किसानों को नियमानुसार मुआवजा तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई

जाएंगी। एयरपोर्ट शुरू होने के बाद इस पूरे क्षेत्र में रोजगार, कारोबार और निवेश की संभावनाएं तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। इसी को ध्यान में रखते हुए सड़क, बिजली, जलापूर्ति, सीवर, हरित क्षेत्र और अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी विस्तार किया जाएगा। प्राधिकरण का मानना है कि सुव्यवस्थित विकास से क्षेत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। साथ ही स्थानीय लोगों को भी बेहतर बुनियादी सुविधाओं और रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

## न्यूज ब्रीफ

### मूसलाधार बारिश से जम्मू बेहाल, सड़कों पर बाढ़ जैसे हालात

**भारतेंदु संवाददाता, जम्मू।** जम्मू में पिछले 24 घंटे से जारी भारी बारिश ने शहर की रफ्तार थाम दी है। लगातार बरसात के कारण कई सड़कों पर पानी भर गया है और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। तवी नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। ज्यूल चौक, डोगरा चौक समेत कई क्षेत्रों में लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है।

### रामबन में दर्दनाक हादसा, हाईवे पर पत्थर गिरने से टेंपो सवार दो लोगों की मौत

**भारतेंदु संवाददाता, रामबन।** जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को दर्दनाक हादसा हुआ। रामसू इलाके के पास पहाड़ी से अचानक गिरे भारी पत्थर की चपेट में एक यात्री टेंपो आ गया। हादसे में दो यात्रियों की मौत हो गई जबकि पांच लोग घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस और बचाव दल ने स्थानीय लोगों की मदद से राहत अभियान चलाया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनका इलाज जारी है। लगातार बारिश के कारण हाईवे पर भूस्खलन और पत्थर गिरने का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

### गांदरबल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिला एक 25 वर्षीय युवक

**भारतेंदु संवाददाता, गांदरबल।** मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले के वायिल वुडर इलाके में 21 और 22 जुलाई की दरमियानी रात को एक 25 वर्षीय युवक अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया। मृतक की पहचान वायिल वुडर निवासी हारून रशीद खान के पुत्र फरहान अहमद खान के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि शव उसके घर से बरामद किया गया और बाद में चिकित्सा-कानूनी औपचारिकताओं के लिए जिला अस्पताल गांदरबल ले जाया गया। गांदरबल पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

### भारी बारिश के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात रुका

**भारतेंदु संवाददाता, जम्मू।** बुधवार को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोनों तरफ से गाड़ियों की आवाजाही रोक दी गई। पूरे रास्ते में हुई भारी बारिश के कारण उधमपुर और रामबन जिलों में कई जगहों पर पत्थर गिरने और मिट्टी धंसने (मडस्लाइड) की घटनाएं हुईं। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए एहतियात के तौर पर जम्मू और श्रीनगर दोनों तरफ से यातायात रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि उधमपुर और रामबन जिलों के संवेदनशील इलाकों में मिट्टी धंसने और पत्थर गिरने की कई घटनाएं हुईं जिससे हाईवे गाड़ियों की आवाजाही के लिए असुरक्षित हो गया।

### ईओडब्ल्यू ने एयरपोर्ट जॉब स्कैम में चार लोगों के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

**भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर।** इकोनॉमिक ऑफेंस विंग कश्मीर ने बुधवार को चार आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। इन पर एयरपोर्ट में नौकरी दिलाने के नाम पर कई नौकरी चाहने वालों को धोखा देने का आरोप है। एक बयान में एजेंसी के प्रवक्ता ने बताया कि जम्मू कश्मीर क्राइम ब्रांच की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग कश्मीर ने चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट श्रीनगर की अदालत में चार्जशीट दाखिल की। यह चार्जशीट प्राथमिकी नंबर 36/2018 के संबंध में दाखिल की गई है जो आरपीसी की धारा 420 और 120- बी और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट की धारा 66(डी) के तहत दर्ज की गई थी।

### राजौरी में फॉरवर्ड पोस्ट पर ड्यूटी के दौरान फिसलने से आर्मी जवान की मौत

**भारतेंदु संवाददाता, राजौरी।** राजौरी ज़िले के सुंदरबनी सेक्टर में एक फॉरवर्ड पोस्ट पर ड्यूटी के दौरान फिसलने से सेना के एक जवान की मौत हो गई। यह घटना मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात को हुई। एक अधिकारी ने बताया कि मृतक जो 19 जम्मू-कश्मीर राइफल्स का राइफलमैन था और फॉरवर्ड लोकेशन पर तैनात था। उन्होंने बताया कि पोस्ट पर ड्यूटी के दौरान फिसलने के कारण राइफलमैन को गंभीर चोटें आईं और ड्यूटी के दौरान ही उनकी मौत हो गई। मृतक की पहचान पंजाब के रहने वाले राइफलमैन सुखप्रीत सिंह के तौर पर हुई है। अधिकारी ने कहा कि घटना का संज्ञान ले लिया गया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

### रियासी के महोर में भारी बारिश से तीन घर क्षतिग्रस्त

**भारतेंदु संवाददाता, रियासी।** बुधवार को रियासी ज़िले के महोर इलाके में बारिश से जुड़ी एक घटना में तीन रिहायशी घर क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए जिससे राशन, बिस्तर, बर्तन और कपड़ों सहित घर का सामान नष्ट हो गया। उन्होंने कहा कि इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। क्षतिग्रस्त घर महोर के शिकारी गाँव के निवासी जदेश सिंह, ब्रंधिर सिंह और लाल सिंह के हैं। नुकसान के सटीक कारण और नुकसान की सीमा का आकलन किया जा रहा है।

### अपनी पार्टी ने 25 करोड़ रुपए आपातकालीन बाढ़ फंड जारी करने की मांग की

**भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के प्रवक्ता रकीक अहमद खान ने प्रेस वार्ता के दौरान नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि राजौरी और पुंछ में आई विनाशकारी बाढ़ के बावजूद सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के लिए 25 करोड़ का आपातकालीन फंड जारी नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि राहत कार्यों में देरी से लोगों की परेशानियां बढ़ी हैं और क्षतिग्रस्त बाढ़ सुरक्षा कार्यों, सड़कों, पुलों तथा अन्य बुनियादी ढांचे की मरम्मत तत्काल शुरू की जानी चाहिए। रकीक अहमद खान ने राजौरी और पुंछ में पिछले चार दिनों से जारी बिजली संकट पर भी चिंता जताते हुए कहा कि अस्पताल भी पर्याप्त बिजली के बिना काम कर रहे हैं जिससे मरीजों की देखभाल प्रभावित हो रही है।

# अमरनाथ यात्रा चौथे दिन भी बंद, बेस कैंपों में रुके तीर्थयात्री

## जम्मू में फंसे हजारों तीर्थयात्री, सामाजिक संस्थाएं कर रहीं रहने और भोजन की व्यवस्था

खराब मौसम के कारण रुकी अमरनाथ यात्रा और बारिश में फंसे श्रद्धालु।

**भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर में लगातार खराब मौसम और भारी बारिश के कारण प्रमुख धार्मिक यात्राओं पर असर पड़ा है। श्री अमरनाथ जी यात्रा, माता वैष्णो देवी यात्रा, शिव खोड़ी यात्रा और मचैल माता यात्रा चौथे दिन भी शुरू नहीं हो सकी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की मौसम चेतावनी को देखते हुए प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा के लिए इन यात्राओं को अस्थायी रूप से रोकने का फैसला लिया था।

श्री अमरनाथ जी यात्रा को 18 जुलाई की शाम से रोक दिया गया था। बालटाल और नंदीवान-पहलगाम दोनों मार्गों से श्रद्धालुओं की आवाजाही बंद है। हालांकि पंचतरणी और बालटाल बेस कैंप में मौजूद कुछ श्रद्धालुओं को मौसम में थोड़े सुधार के बाद दर्शन के लिए जाने की अनुमति दी गई थी। लेकिन इसके बाद भारी बारिश और खराब मौसम के चलते फिर से यात्रा पर रोक लगा दी गई।

अधिकारियों के अनुसार जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास और आसपास के शिविरों में करीब छह हजार श्रद्धालु मौजूद हैं। इनमें से कई यात्रियों को सुरक्षित तरीके से उनके गृह राज्यों के लिए रवाना किया गया है। वहीं कई समाजसेवी संस्थाओं ने फंसे हुए श्रद्धालुओं के लिए भोजन और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था शुरू कर दी है।

अनंतनाग जिले के नंदीवान-पहलगाम बेस कैंप में भी बड़ी संख्या में तीर्थयात्री रुके हुए हैं। इसके अलावा श्रीनगर के यात्री निवास, बालटाल और रामबन के चंद्रकोट यात्री निवास में भी श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था की गई है।

प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे मौसम की स्थिति को देखते हुए धैर्य बनाए रखें और बिना अनुमति यात्रा शुरू करने की कोशिश न करें। मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर में 24 जुलाई तक खराब मौसम बने रहने का अनुमान जताया है। अधिकारियों का कहना है कि मौसम में सुधार और मार्गों की सुरक्षा जांच के बाद ही धार्मिक यात्राओं को दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया जाएगा।

## जुलाई में बर्फ से सजे लद्दाख के पहाड़

# वारि ला पास पर जुलाई में बर्फबारी से लौट आई सर्दियों जैसी ठंडक

◆ लद्दाख का वारि ला पास फिर बना आकर्षण का केंद्र

**भारतेंदु संवाददाता, लेह।** देश के अधिकांश हिस्सों में इन दिनों भीषण गर्मी, उमस और बारिश का मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है। मैदानी राज्यों में तापमान लोगों को परेशान कर रहा है, वहीं लद्दाख के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मौसम ने बिल्कुल अलग रंग दिखाया है। नुब्रा घाटी को पैंगोंग क्षेत्र से जोड़ने वाले प्रसिद्ध वारि ला पास पर जुलाई के महीने में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है। बर्फबारी के बाद पूरे इलाके के पहाड़ सफेद चादर से ढक गए, जिससे यहां का प्राकृतिक सौंदर्य और भी मनमोहक हो गया।

समुद्र तल से लगभग 5,312 मीटर (17,428 फीट) की ऊंचाई पर स्थित वारि ला पास लद्दाख के सबसे दुर्गम और ऊंचे मोटरेबल दर्रों में गिना जाता है। यह मार्ग नुब्रा घाटी, श्योक घाटी और पैंगोंग झील को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक रास्ता है। ऊंचाई अधिक होने के कारण यहां मौसम बेहद तेजी से बदलता है और गर्मियों के दौरान भी बर्फबारी होना कोई असामान्य बात नहीं मानी जाती। यही कारण है कि लद्दाख का मौसम दुनिया के सबसे अनिश्चित और रोमांचक मौसमों में शामिल माना जाता है।

ताजा बर्फबारी के बाद वारि ला पास का नजारा किसी शीतकालीन पर्यटन स्थल जैसा दिखाई देने लगा। पहाड़ों पर जमी ताजा बर्फ, ठंडी हवाएं और बादलों के बीच उभरते सफेद शिखर पर्यटकों और फोटोग्राफी के शौकीनों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। हालांकि प्रशासन ने यात्रियों और वाहन चालकों को ऊंचाई वाले क्षेत्रों में यात्रा के दौरान मौसम की ताजा जानकारी लेकर ही सफर करने की सलाह दी है, क्योंकि अचानक बर्फबारी और फिसलन से सड़कें चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं।

## जम्मू-कश्मीर में बाइक टैक्सी सेवा पर लगा ब्रेक

# जेएंडके में परिवहन विभाग ने एग्रीगेटर सेवाओं पर लगाई तत्काल रोक

◆ बिना परमिट दौड़ रही बाइक टैक्सी पर कार्रवाई सेवाएं पूरी तरह बंद

**भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर परिवहन विभाग ने केंद्र शासित प्रदेश में चल रही बाइक टैक्सी सेवाओं पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। परिवहन विभाग ने ओला, उबर और रैपिडो जैसी एग्रीगेटर कंपनियों को अपने प्लेटफॉर्म से सभी दोपहिया वाहनों को हटाने के निर्देश जारी किए हैं। यह प्रतिबंध तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार बाइक टैक्सी संचालन के लिए कोई स्पष्ट और अलग नियामक नीति तैयार नहीं कर देती।

परिवहन विभाग के अनुसार कुछ एग्रीगेटर कंपनियां बिना स्पष्ट नियमों और अनुमति के अपने प्लेटफॉर्म पर निजी दोपहिया वाहनों को जोड़कर बाइक टैक्सी सेवाएं संचालित कर रही थीं। विभाग ने इसे मोटर वाहन नियमों का उल्लंघन माना है। अधिकारियों का कहना है कि वर्तमान में जम्मू-कश्मीर में बाइक टैक्सी या दोपहिया एग्रीगेटर सेवाओं को मंजूरी देने वाली कोई नीति लागू नहीं है। परिवहन आयुक्त की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म से केवल उन्हीं वाहनों को जोड़ा जा सकता है जिनके पास व्यावसायिक उपयोग की वैध अनुमति हो।

## किश्तवाड़ में पाकिस्तानी आतंकियों का मददगार रफीक नाइक गिरफ्तार

**भारतेंदु संवाददाता, किश्तवाड़।** जम्मू कश्मीर पुलिस ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए किश्तवाड़ जिले के छातरू इलाके से एक कथित आतंकी मददगार को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद रफीक नाइक पाकिस्तानी आतंकियों को सहायता पहुंचाने वाले नेटवर्क से जुड़ा हुआ था और सैफुल्ला ग्रुप का मुख्य हैंडलर के तौर पर काम कर रहा था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक यह कार्रवाई छातरू थाने में दर्ज मामले की जांच के आधार पर की गई। गहन जांच और विशेष अभियान के बाद आरोपी को पकड़ा गया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि रफीक नाइक इलाके में सक्रिय आतंकी समूह को जरूरी मदद और सहयोग उपलब्ध कराने में शामिल था। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर उसके नेटवर्क, संपर्कों और विदेशी आतंकी संगठनों से संबंधों की जानकारी जुटा रही है। इससे पहले भी पुलिस ने आतंकी गतिविधियों में सहयोग करने के आरोप में कुछ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को दें ताकि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनी रहे।

# डोडा में पांच दिन बाद बहाल हुई 5जी इंटरनेट सेवा

## भद्रवाह समेत पूरे डोडा में लौटी 5जी इंटरनेट की रफ्तार

◆ डोडा में इंटरनेट प्रतिबंध हटा, पूरे जिले में फिर दौड़ी 5जी सेवा

**भारतेंदु संवाददाता, डोडा।** जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में पांच दिनों तक बंद रहने के बाद मोबाइल इंटरनेट सेवा, विशेष रूप से 5जी नेटवर्क, दोबारा बहाल कर दिया गया है। मंगलवार देर रात प्रशासन द्वारा यह निर्णय लागू किए जाने के बाद जिले के लोगों ने राहत की सांस ली। भद्रवाह सहित पूरे डोडा जिले में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं शुरू होते ही लोगों के दैनिक कार्य फिर से सामान्य होने लगे। पिछले पांच दिनों से इंटरनेट बंद होने के कारण छात्र ऑनलाइन पढ़ाई और परीक्षा संबंधी कार्य नहीं कर पा रहे थे। व्यापारियों को डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन लेनदेन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, जबकि आम नागरिक अपने परिजनों से वीडियो कॉल और अन्य ऑनलाइन माध्यमों से संपर्क नहीं कर पा रहे थे।

प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अफवाहों तथा भ्रामक सूचनाओं के प्रसार को रोकने के उद्देश्य से एहतियातन मोबाइल इंटरनेट सेवा को अस्थायी रूप से निलंबित किया था। अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा एजेंसियों की समीक्षा और हालात सामान्य पाए जाने के बाद इंटरनेट सेवा बहाल करने का निर्णय लिया गया। इंटरनेट बहाली के साथ ही बैंकिंग सेवाएं, ऑनलाइन भुगतान, ई-कॉमर्स, सरकारी पोर्टलों से जुड़े कार्य और डिजिटल संचार फिर से सुचारु रूप से शुरू हो गए हैं।

# सुखनाग नदी उफनी, बाढ़ के पानी में बहा पूरा बाजार

## सुखनाग नदी का कहर, तेज बहाव में बह गई पूरी म्यूनिसिपल मार्केट

सुखनाग नदी के उफान से इलाकों में जलभराव, लोग परेशान।

◆ तोसा मैदान में बारिश का कहर, नदी ने मचाई तबाही

**भारतेंदु संवाददाता, बडगाम।** जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में भारी बारिश के बाद सुखनाग नदी ने विकराल रूप धारण कर लिया। तोसा मैदान इलाके में हुई तेज बारिश के कारण नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया और तेज बहाव ने बीरवाह क्षेत्र में भारी नुकसान पहुंचाया। नदी के उफान के चलते बीरवाह स्थित म्यूनिसिपल मार्केट की पूरी इमारत और कई दुकानें पानी के तेज बहाव में बह गईं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें सैलाब की भयावह तस्वीरें दिखाई दे रही हैं।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार सुखनाग नदी का ऊपरी क्षेत्र जलग्रहण क्षेत्र और उद्गम स्थल है। ऐसे इलाकों में जब लंबे समय तक भारी बारिश होती है तो पानी तेजी से नदी में पहुंचता है और निचले क्षेत्रों में अचानक बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। मौसम रडार में तोसा मैदान के जलग्रहण क्षेत्र में लगातार तेज बारिश दर्ज की गई थी जिसके बाद सुखनाग नदी का प्रवाह कई गुना बढ़ गया।

बाढ़ का सबसे अधिक असर बीरवाह इलाके में देखने को मिला। नदी का पानी किनारों से बाहर निकलकर आसपास के क्षेत्रों में फैल गया जिससे कई स्थानों पर जनजीवन प्रभावित हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ इलाकों में हालात वर्ष 2014 की विनाशकारी बाढ़ जैसे नजर आ रहे हैं। बाढ़ के कारण सड़कें प्रभावित हुईं और लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर बचाव एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। लोगों से नदी किनारे और संवेदनशील इलाकों से दूर रहने की अपील की गई है।

### अनंतनाग आतंकी हमले के दोषियों को नहीं बख्शा जाएगा: सिन्हा

**भारतेंदु संवाददाता, अनंतनाग।** जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में हुए आतंकी हमले की उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कड़ी निंदा की है। इस हमले में जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी बलिदान हो गए। उपराज्यपाल ने शहीद जवान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आतंकियों की यह कायराना हरकत बेहद निंदनीय है और इसमें शामिल लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मनोज सिन्हा ने कहा कि सुरक्षा बल आतंकियों और उनके मददगारों के खिलाफ लगातार अभियान चला रहे हैं। हमले के दोषियों की पहचान कर उन्हें कानून के दायरे में लाया जाएगा। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

# भूस्खलन में फंसी सांसद मियां अल्ताफ की गाड़ी, बाल-बाल बचे

◆ बाढ़ पीड़ितों से मिलने जा रहे सांसद की गाड़ी लैंडस्लाइड में फंसी

**भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच बुधवार को अनंतनाग-राजौरी लोकसभा क्षेत्र से सांसद मियां अल्ताफ अहमद उस समय एक बड़े हादसे से बाल-बाल बच गए, जब उनकी सरकारी गाड़ी जम्मू-पुंछ राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन की चपेट में आ गई। सांसद बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और पीड़ितों से मिलने के लिए जम्मू से पुंछ जा रहे थे। इसी दौरान पहाड़ी से अचानक भारी मात्रा में मलबा और पत्थर सड़क पर आ गिरे, जिससे उनकी गाड़ी बीच रास्ते में फंस गई। चालक की सूझबूझ और सतर्कता के कारण वाहन समय रहते रोक दिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि गाड़ी को नुकसान पहुंचा, लेकिन सांसद सहित वाहन में सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित रहे।

हादसे के बाद भी मियां अल्ताफ अहमद ने अपना दौरा रद्द नहीं किया। उन्होंने अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों के साथ पैदल ही आगे बढ़ने का निर्णय लिया और बाढ़ से प्रभावित गांवों तक पहुंचकर लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों की समस्याएं सुनीं, राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया और प्रशासन को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। सांसद ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में प्रभावित लोगों के बीच रहना उनकी जिम्मेदारी है और हर संभव सहायता उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है।

**आपदा** बादल फटने और बाढ़ से हाहाकार, जम्मू-कश्मीर में राहत बचाव अभियान तेज

# जेएंडके में चार जगह फटे बादल, 26 जुलाई तक सभी स्कूल बंद

**भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। बांदीपोरा जिले की गुरेज-तुलैल घाटी में चार अलग-अलग स्थानों पर बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है। बादल फटने के कारण कई इलाकों में सड़क संपर्क प्रभावित हुआ, जबकि दूरसंचार व्यवस्था को भी नुकसान पहुंचा है। कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण रास्ते बंद हो गए हैं, जिससे लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बडगाम जिले में सुखनाग नाले में अचानक आई बाढ़ से कई दुकानें बह गईं और स्थानीय लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। वहीं श्रीनगर सहित कई शहरी क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई है। निचले इलाकों में घरों और बाजारों में पानी घुसने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य लगातार जारी हैं।

भारी बारिश के कारण पुंछ-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी असर पड़ा है। कई स्थानों पर भूस्खलन से हाईवे बंद हो गया, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। मदाना और शींदरा क्षेत्र में मलबा आने के कारण यात्रियों को घंटों परेशानी झेलनी पड़ी। सांबा, कठुआ, राजोरी, पुंछ और बनी क्षेत्र में भी कई सड़कें प्रभावित हुई हैं और कुछ गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से कट गया है।

मौसम की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने प्रदेश के सभी स्कूलों में छुट्टियां 26 जुलाई तक बढ़ा दी हैं। मौसम विभाग ने 27 जुलाई तक कई जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है।

## गुरेज में चार जगह बादल फटे, बाढ भूस्खलन से जम्मू-कश्मीर बेहाल

**भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर।** कटड़ा, पुंछ, राजोरी और रियासी सहित कई क्षेत्रों में भारी बारिश दर्ज की गई है।

खराब मौसम और भूस्खलन के खतरे को देखते हुए श्री माता वैष्णो देवी यात्रा लगातार चौथे दिन स्थगित रही। कटड़ा में हजारों श्रद्धालु यात्रा शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। इसके अलावा अमरनाथ यात्रा और शिवखोड़ी यात्रा भी मौसम सुधरने तक रोकी गई है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और नदी-नालों के पास जाने से बचने की अपील की है।

भारी बारिश के कारण पुंछ-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी असर पड़ा है। कई स्थानों पर भूस्खलन से हाईवे बंद हो गया, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गई। मदाना और शींदरा क्षेत्र में मलबा आने के कारण यात्रियों को घंटों परेशानी झेलनी पड़ी। सांबा, कठुआ, राजोरी, पुंछ और बनी क्षेत्र में भी कई सड़कें प्रभावित हुई हैं और कुछ गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से कट गया है।

# रियासी में सलाल बांध के सभी गेट खुले, चिनाब नदी का जलस्तर बढ़ा

## रियासी में जलप्रलय का खतरा, सलाल बांध से बढ़ा पानी का बहाव

**भारतेंदु संवाददाता, रियासी।** जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले और आसपास के ऊपरी इलाकों में लगातार हो रही भारी बारिश का असर चिनाब नदी और सलाल बांध के जलाशय पर देखने को मिला है। जलाशय में पानी की आवक तेजी से बढ़ने के बाद प्रशासन ने जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए सलाल बांध के सभी गेट खोल दिए हैं। बांध से बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण चिनाब नदी का बहाव तेज हो गया है और नदी का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है।

अधिकारियों के अनुसार भारी बारिश के कारण जलाशय में पानी का दबाव बढ़ गया था। किसी भी आपात स्थिति से बचने और बांध की सुरक्षा बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पानी को बाहर निकाला गया। बांध से पानी छोड़े जाने के बाद चिनाब नदी के किनारे बसे क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश जारी किए गए हैं।

प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों को सावधानी बरतने और नदी के पास नहीं जाने की सलाह दी है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को लगातार बदलते हालात पर नजर रखने के लिए कहा गया है। राहत और बचाव दलों को भी सतर्क रखा गया है ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

सलाल बांध जम्मू-कश्मीर के प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं में शामिल है और चिनाब नदी के पानी को नियंत्रित करने में इसकी अहम भूमिका है। मानसून के दौरान भारी बारिश होने पर बांध से पानी का नियंत्रित तरीके से निकासी की जाती है ताकि जलाशय पर दबाव कम किया जा सके।

वहीं चिनाब नदी में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। लोगों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। बारिश की स्थिति को देखते हुए आने वाले घंटों में नदी के जलस्तर में बदलाव की संभावना बनी हुई है।

## न्यूज ब्रीफ

### भड़ोलीकलां में जहरीला पदार्थ खाने से युवती की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर जिले के तलाई थाना क्षेत्र के भड़ोलीकलां गांव में 23 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। मृतका की पहचान शिवानी के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सोमवार को घर में किसी बात को लेकर उसकी परिजनों से कहासुनी हुई थी। इसके बाद वह अपने कमरे में चली गई, जहां उसने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ समय बाद परिजनों को घटना का पता चला और उसे तुरंत उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी। सूचना मिलने पर तलाई थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिजनों के बयान दर्ज किए और युवती के कमरे की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

### चार साल बाद परिवार से मिला बेंगलुरु का युवक

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए करीब चार वर्षों से लापता युवक को उसके परिवार से मिलाने में सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान ने बताया कि 21 जुलाई को स्वारघाट थाना पुलिस को टक्कल नंबर-1 के पास एक युवक संदिग्ध एवं परेशान हालत में घूमता मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम हरिहंत निवासी बेंगलुरु (कर्नाटक) बताया। पुलिस ने सूझबूझ से उसके परिजनों का पता लगाया। जांच में सामने आया कि युवक वर्ष 2022 से घर से लापता था और परिवार लंबे समय से उसकी तलाश कर रहा था। सूचना मिलने पर उसके पिता बेंगलुरु से बिलासपुर पहुंचे। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद 22 जुलाई को युवक को सुरक्षित उनके सुपुर्द कर दिया गया। बेटे से वर्षों बाद मिलकर परिजन भावुक हो गए और बिलासपुर पुलिस का आभार जताया।

### छात्रों ने निबंध, प्रश्नोत्तरी व पेंटिंग में दिखाई प्रतिभा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में नगर परिषद बिलासपुर द्वारा 'प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी' राष्ट्र निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी व पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा आंचल ने द्वितीय तथा तृप्ता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में आकृति द्वितीय और मीनाक्षी प्रथम रहीं। निबंध लेखन प्रतियोगिता में बीएससी प्रथम वर्ष की शीतल ने द्वितीय तथा रीतिका ने प्रथम स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में कॉलेज के प्राचार्य उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने, आत्मविश्वास बढ़ाने व रचनात्मक सोच विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने प्रश्नोत्तरी से ज्ञानवर्धन, निबंध लेखन से अभिव्यक्ति कौशल तथा चित्रकला से कल्पनाशीलता के विकास पर बल दिया। इस अवसर पर नगर परिषद की वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (ईओ) वर्षा चौधरी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज ग्रुप-1 ने किया, जिसमें संयोजिका अंजू शर्मा एवं ग्रुप सदस्य ऋचा ने सक्रिय भूमिका निभाई।

### दो मल्टी एक्सेल ट्रकों की टक्कर, घंटों लगा जाम

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। शिमला-मटौर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाग खुर्द के समीप दो मल्टी एक्सेल ट्रकों की टक्कर के बाद यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। हादसे के कारण हाईवे पर करीब डेढ़ से दो घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम में कई बसें भी फंस गईं, जिसके चलते यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। भीषण गर्मी के बीच बसों में बैठे यात्रियों को काफी देर तक जाम खुलने का इंतजार करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों ट्रक आपस में टकराए, जिससे दोनों वाहनों को नुकसान पहुंचा है। हालांकि हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। स्थानीय लोगों के अनुसार घटनास्थल के समीप नम्होल पुलिस चौकी है, लेकिन सूचना के बाद भी पुलिस के पहुंचने में देरी हुई। लोगों ने जल्द मौके पर पहुंचकर यातायात बहाल करने की मांग की। वहीं, एसपी बिलासपुर अभिषेक धीमान ने बताया कि मामले की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस चौकी के जवानों को मौके पर भेजा गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही यातायात व्यवस्था को सुचारू कर दिया जाएगा, ताकि लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

### विद्यालय के विकास के लिए बजट का प्रावधान करे पंचायत

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पीरन में विद्यार्थियों के लिए बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) ने ग्राम पंचायत पीरन को विभिन्न विकास कार्यों का प्रस्ताव सौंपा, जिसमें एसएमसी अध्यक्षा विद्या कुमारी, उपाध्यक्ष सरला शर्मा, समिति सदस्य मीरा वर्मा एलआरपी और रंजना सहित अन्य सदस्य शामिल हुए। एसएमसी अध्यक्ष विद्या कुमारी ने बताया कि विद्यालय में मुख्य प्रवेश द्वार न होने के कारण आवारा मवेशी स्कूल परिसर में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे विशेषकर छोटे बच्चों की सुरक्षा को खतरा बना रहता है। उन्होंने विद्यालय में मुख्य गेट लगाने, शौचालय की मरम्मत, खेल मैदान के चारों ओर जाली अथवा फेंसिंग करने तथा पंचायत घर से विद्यालय तक के मार्ग पर इंटरलॉक टाइलें लगाने के लिए पंचायत से बजट का प्रावधान करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि विद्यालय में जल्द ही स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा। इसके तहत पेयजल टंकियों की सफाई कर उनमें ब्लीचिंग पाउडर एवं क्लोरीनेशन कराया जाएगा, ताकि अशुद्ध पानी के सेवन से बच्चों के स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। ग्राम पंचायत प्रधान निशा देवी, उपप्रधान अत्तर सिंह ठाकुर तथा पंचायत सचिव राजीव ठाकुर ने आश्वासन दिया कि विद्यालय के सभी विकास कार्य चरणबद्ध तरीके से पूरे किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 16वें वित्त आयोग के तहत बजट प्राप्त होते ही विद्यालय के शौचालय निर्माण एवं अन्य आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा।

### बच्चों के आधार कार्ड किए गए अपडेट

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। स्कूली बच्चों के आधार कार्ड बनाने और अपडेट करने के उद्देश्य से लोक मित्र केंद्र टूंड के सौजन्य से ग्राम पंचायत कार्यालय पीरन में विशेष आधार सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पीरन के विद्यार्थियों को आधार संबंधी सेवाएं उपलब्ध करवाई गईं। शिविर के दौरान 30 विद्यार्थियों के आधार कार्ड अपडेट किए गए, जबकि 3 नए आधार कार्ड बनाए गए। इस पहल से विद्यार्थियों और अभिभावकों को आधार संबंधी कार्यों के लिए दूर-दराज क्षेत्रों में जाने की जरूरत नहीं पड़ी। विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश वर्मा ने लोक मित्र केंद्र टूंड के संचालक दीपक ठाकुर व उनकी टीम का आभार जताते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे शिविर बेहद लाभदायक साबित होते हैं। दीपक ठाकुर ने बताया कि 5 और 15 वर्ष की आयु पूरी होने पर बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट करवाना अनिवार्य है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों के आधार कार्ड समय पर बनवाएं और अपडेट करवाएं, ताकि भविष्य में सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी न हो।

# एचपीयू में शुरू होगा बीटेक एआई कोर्स, छात्रों व शिक्षकों को विदेश भेजेगी सरकार : सुक्खू

## विवि के 57वें स्थापना दिवस पर दी शुभकामनाएं, डिजिटल लाइब्रेरी के लिए 10.25 करोड़ मंजूर

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू) में आने वाले समय में नए दौर की पढ़ाई से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को विदेश में एक्सपोजर विजिट पर भी भेजा जाएगा।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के 57वें स्थापना दिवस समारोह में यह घोषणा की। उन्होंने विश्वविद्यालय में बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कोर्स शुरू करने के लिए पांच करोड़ रुपए देने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य की जरूरतों को देखते हुए विश्वविद्यालय को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग और डेटा स्टोरेज जैसी आधुनिक तकनीकों के क्षेत्र में आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय को ग्रीन हाइड्रोजन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में विकसित किया जाएगा। राज्य सरकार इन क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है। सुक्खू ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन के आठ वर्ष हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में बिताए और उनकी राजनीतिक यात्रा की शुरुआत भी यहीं से हुई।

उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने उन्हें बहुत कुछ सीखने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर महावीर सिंह और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा भी इसी विश्वविद्यालय के छात्र रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज एचपीयू के पूर्व छात्र देश और प्रदेश के कई अहम पदों पर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली भाजपा सरकार ने राजनीतिक कारणों से खोले गए करीब 500 शिक्षण संस्थानों को वर्तमान सरकार ने बंद करने का फैसला लिया और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर जोर दिया।

पहली कक्षा से अंग्रेजी माध्यम, राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल और छात्रों व शिक्षकों के एक्सपोजर टूर जैसी योजनाएं शुरू की गई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 150 से अधिक नए सीबीएसई स्कूल खोले गए हैं और इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। पहले सरकारी स्कूलों से छात्र निजी स्कूलों की ओर जा रहे थे, जबकि अब सरकारी स्कूलों में 24 हजार से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन बढ़ा है।

सुक्खू ने कहा कि प्रदेश के चार मेडिकल कॉलेजों में रोबोटिक सर्जरी की सुविधा शुरू की गई है। एक रोबोटिक सर्जरी पर करीब 1.25 लाख रुपए खर्च आता है, जिसमें राज्य सरकार 80 हजार रुपये की सहायता दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पांच स्वचालित प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए 125 करोड़ रुपए दिए गए हैं और ये प्रयोगशालाएं दिसंबर तक तैयार हो जाएंगी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में 10.25 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली आधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी और 6.09 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज के प्रशासनिक भवन की आधारशिला रखी।

# भाजपा चाहती तो प्रदेश को कर्जमुक्त बना सकती थी: सीएम सुखविंद्र सुक्खू

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश कांग्रेस पार्टी मुख्यालय राजीव भवन में आयोजित कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ता सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए भाजपा पर हिमाचल प्रदेश को आर्थिक संकट की ओर धकेलने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि यदि भाजपा सरकार चाहती, तो हिमाचल प्रदेश को कर्जमुक्त बनाया जा सकता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार को जीएसटी प्रतिपूर्ति और आरडीजी के रूप में लगभग 60,000 करोड़ रुपए प्राप्त हुए थे। यदि इस राशि में से 48,000 करोड़ रुपए भी राज्य के कर्ज को चुकाने के लिए खर्च किए जाते, तो हिमाचल प्रदेश कर्जमुक्त हो सकता था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने इस धनराशि का राजनीतिक लाभ के लिए दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार को इस राशि की तुलना में लगभग तीन गुना कम, करीब 17,000 करोड़ रुपए ही प्राप्त हुए हैं। इसके बावजूद प्रदेश सरकार हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को आर्थिक संकट की ओर धकेलने का श्रेय भाजपा की पूर्व सरकार को जाता है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कोई ठोस प्रयास नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश राजस्व घाटा अनुदान रोककर राज्य के वैधानिक अधिकारों का हनन किया गया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी के बावजूद वर्तमान कांग्रेस सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के समय हिमाचल प्रदेश गुणात्मक शिक्षा के क्षेत्र में देश में 21वें स्थान पर पहुंच गया था, जबकि कांग्रेस सरकार के फैसलों के बाद राज्य अब पांचवें स्थान पर पहुंच गया है।

## कंडवाल पुलिस बैरियर पर एचआरटीसी बस से 10.16 ग्राम चिट्टा बरामद, 19 वर्षीय युवक काबू

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। 'नशा मुक्त हिमाचल अभियान' के तहत नूरपुर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कंडवाल पुलिस बैरियर पर एचआरटीसी बस से 10.16 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद कर 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है।

एसपी धर्म चंद वर्मा ने बताया कि पुलिस जिला नूरपुर की सीआईए टीम 21 जुलाई को क्षेत्र में गश्त, सुरंग बरारी व यातायात चैकिंग पर तैनात थी। दोपहर करीब 1:50 बजे पठानकोट की ओर से आ रहा एचआरटीसी बस (एचपी 31 ए 8869) को कंडवाल पुलिस बैरियर पर जांच के लिए रोका गया। चैकिंग के दौरान बस में सवार एक युवक पुलिस को देखकर घबरा गया और उतरने का प्रयास करने लगा। संदेह होने पर पुलिस ने उसे रोककर गवाहों की मौजूदगी में नियमानुसार तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसकी जेब से एक पारदर्शी प्लास्टिक लिफाफा बरामद हुआ, जिसमें 10.16 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) पाई गई। पुलिस ने मादक पदार्थ को मौके पर ही सील कर कब्जे में ले लिया। इसके साथ ही आरोपी के पास से पठानकोट से शाहपुर तक की बस टिकट और एक लावा 5जी स्मार्टफोन भी जब्त किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कर्तव्य पठानिया (19) पुत्र कश्मीर सिंह निवासी गांव ठम्बां, डाकघर दुरगेला, तहसील शाहपुर, जिला कांगड़ा के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना नूरपुर में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अब मामले की गहन जांच कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी हेरोइन कहां से लेकर आया था और इसकी आपूर्ति किसे की जानी थी।

## छात्रों, युवाओं का आक्रोश अब दबने वाला नहीं: विनय

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने प्रदेश कांग्रेस के सभी जिला अध्यक्षों व ब्लॉक अध्यक्षों से अपने अपने जिलों व ब्लॉकों में केंद्र की मोदी सरकार की तानाशाही व कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी व अन्य नेताओं पर पुलिस कार्यवाही के विरोध में 23, 24 व 25 जुलाई को धरना प्रदर्शन करने को कहा है। विनय कुमार ने कहा है कि कांग्रेस देश के युवाओं व छात्रों के हित की लड़ाई से पीछे हटने वाली नहीं है। उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर आरोप लगाया है कि वह देश के युवाओं की आवाज को सत्ता के बल पर कुचलने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आंदोलनरत छात्रों पर पुलिस की बर्बरता की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि छात्रों,युवाओं का आक्रोश अब दबने वाला नहीं।

# असिस्टेंट स्टाफ नर्स भर्ती पर हाईकोर्ट की रोक बरकरार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल में 900 असिस्टेंट स्टाफ नर्स भर्ती मामले में बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया और न्यायाधीश बिपिन चंद्र नेगी की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए भर्ती प्रक्रिया पर पहले से लागू अंतरिम रोक को फिलहाल बरकरार रखा। इसके चलते चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी करने और जॉइनिंग देने पर रोक जारी रहेगी।

मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी। डिवीजन बेंच ने सरकार के फाइल किए गए एफिडेविट पर कड़ी नाराजगी जताई और सरकार से दोबारा विस्तृत और व्यापक हलफनामा दायर करने को कहा। यह मामला स्वास्थ्य विभाग द्वारा 900 असिस्टेंट स्टाफ नर्सों की भर्ती से जुड़ा है। याचिकाकर्ताओं ने भर्ती प्रक्रिया को चुनौती देते हुए दलील दी है कि सरकार ने वैधानिक भर्ती एवं पदोन्नति (आरएंडपी) नियमों में आवश्यक संशोधन किए बिना नई श्रेणी बनाकर भर्ती प्रक्रिया शुरू की, जो नियमों के अनुरूप नहीं है। बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार और अन्य पक्षों की ओर से अपने-अपने तर्क रखे गए। खंडपीठ ने फिलहाल अंतरिम आदेश में कोई बदलाव नहीं किया। ऐसे में भर्ती प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकेगी और नियुक्ति पत्र जारी नहीं किए जा सकेंगे। इससे पहले भी हाईकोर्ट नियमित स्टाफ नर्स भर्ती, आउटसोर्सिंग नीति और स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों को लेकर राज्य सरकार से जवाब तलब कर चुका है। अदालत ने सरकार की भर्ती नीति और नियमित पदों को भरने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए थे। स्टाफ नर्स भर्ती का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों के लिए फिलहाल राहत नहीं मिली है।

## गरामोड़ा टोल प्लाजा पर किसानों का प्रदर्शन तीन घंटे रहा टोल फ्री

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश व पंजाब सीमा पर स्थित गरामोड़ा टोल प्लाजा पर संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर विभिन्न किसान संगठनों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान किसानों ने केंद्र और पंजाब सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। विरोध प्रदर्शन के चलते टोल प्लाजा करीब तीन घंटे तक टोल फ्री रहा और सभी वाहनों को बिना शुल्क के गुजरने दिया गया। किसान नेताओं ने भारत-अमेरिका प्रस्तावित ट्रेड समझौते का विरोध करते हुए कहा कि इससे पंजाब सहित कृषि प्रधान राज्यों के किसानों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने पंजाब सरकार की लैंड पूलिंग नीति को भी वापस लेने की मांग उठाई और कहा कि किसानों की सहमति के बिना भूमि अधिग्रहण स्वीकार नहीं किया जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

# फीस वृद्धि के विरोध में एबीवीपी ने किया धरना-प्रदर्शन

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महाविद्यालय, हमीरपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हमीरपुर इकाई द्वारा बुधवार को विद्यार्थियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न शुल्कों में की गई फीस वृद्धि के मामलों को लेकर परिषद ने अपना विरोध दर्ज करवाते हुए छात्र हित में ठोस कदम उठाने की मांग की। इकाई अध्यक्ष दीक्षित ठाकुर का कहना है कि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न शुल्कों में की गई बढ़ोतरी को विद्यार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बताते हुए इसका कड़ा विरोध किया। परिषद का कहना है कि इस प्रकार की फीस वृद्धि का सीधा प्रभाव प्रदेश के आम, मध्यमवर्गीय और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आने वाले विद्यार्थियों पर पड़ेगा। शिक्षा प्रत्येक विद्यार्थी का अधिकार है और आर्थिक परिस्थितियों के कारण किसी भी छात्र को उच्च शिक्षा से वंचित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा माइग्रेशन फीस 600 से बढ़ाकर 1300 तथा स्पेशल एग्जाम फॉर्म फीस 20,000 से बढ़ाकर 50,000 की गई है। इसके अतिरिक्त कुछ मास्टर पाठ्यक्रमों में 7,500 तक की फीस वृद्धि के साथ-साथ डुप्लीकेट डिग्री, करेक्शन फीस तथा प्रति-पेपर और प्रैक्टिकल फीस में भी बढ़ोतरी की गई है। परिषद ने सवाल उठाया कि जब सरकार और विश्वविद्यालय शिक्षा को अधिक सुलभ और विद्यार्थियों के अनुकूल बनाने की बात करते हैं, तो लगातार शुल्कों में वृद्धि कर विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर आर्थिक बोझ क्यों डाला जा रहा है। परिषद ने मांग की कि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा की गई फीस वृद्धि के फैसले पर तत्काल पुनर्विचार किया जाए और विद्यार्थियों पर डाले गए अतिरिक्त आर्थिक बोझ को वापस लिया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्र हितों से जुड़े किसी भी विषय पर परिषद चुप नहीं बैठेगी और विद्यार्थियों के अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगी। वहीं, नीट परीक्षा में पेपर लीक के मामले को लेकर भी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने गहरी चिंता व्यक्त की। एबीवीपी के मीडिया संयोजक जतिन ने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाएं देश के लाखों मेहनती विद्यार्थियों के भविष्य और उनकी मेहनत पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद पेपर लीक की घटनाओं का लगातार विरोध करती रही है और इस विषय को लेकर परिषद द्वारा संबंधित एजेंसी के कार्यालय का घेराव एवं विरोध प्रदर्शन भी किया गया।

## चलते ट्रक में चालक की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल ले जाते समय मौत

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पुलिस थाना सदर को शनिवार शाम सूचना मिली कि बामटा चौक के समीप एक ट्रक सड़क के बीचों-बीच खड़ा है व उसका चालक अचेत अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और चालक को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल रवाना किया। हालांकि, अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान 56 वर्षीय दर्शन सिंह पुत्र जोगिंदर सिंह, निवासी सुजानपुर, जिला पठानकोट (पंजाब) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि चालक ट्रक के केबिन में अचेत अवस्था में मिला था। प्रथम दृष्टया आशंका जताई जा रही है कि वाहन चलाते समय उसे हृदयाघात (हार्ट अटैक) आया, जिसके कारण ट्रक सड़क पर रुक गया। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में नियमानुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

## राजनीतिक प्रतिशोध के चलते विपक्ष के नेताओं को चुन-चुनकर निशाना बना रहे हैं सीएम: बिक्रम

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। जसवां-परागपुर से भाजपा विधायक एवं पूर्व उद्योग मंत्री बिक्रम सिंह ठाकुर ने देहरा के पूर्व विधायक होशियार सिंह के विरुद्ध विजिलेंस द्वारा दर्ज मामले को राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई बताते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब कानून का शासन नहीं, बल्कि राजनीतिक बदले की भावना से सरकार चल रही है। विपक्ष के नेताओं को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है, जबकि सत्ता से जुड़े मामलों में सरकार पूरी तरह मौन है। बुधवार को जारी एक प्रेस बयान में बिक्रम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री प्रदेश में एक गलत राजनीतिक ट्रेंड स्थापित कर रहे हैं, जो लोकतंत्र और स्वस्थ राजनीति दोनों के लिए बेहद घातक है। यदि सरकार वास्तव में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ कार्रवाई करना चाहती है तो जांच समान नीति से होनी चाहिए, न कि राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से। आज स्थिति यह है कि सरकार के विरोध में आवाज उठाने वालों पर तुरंत एफआईआर और विजिलेंस की कार्रवाई होती है, लेकिन सत्ता पक्ष से जुड़े गंभीर मामलों पर सरकार आंखें मूंद लेती है। उन्होंने कहा कि देहरा उपचुनाव के दौरान महिला मंडलों के खातों में 50-50 हजार रुपये डाले जाने के मामले में भाजपा ने गंभीर शिकायतें कीं। पूरे प्रदेश ने देखा कि सरकारी तंत्र का किस प्रकार चुनावी लाभ के लिए इस्तेमाल किया गया। आज तक उस मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई, न किसी अधिकारी पर कार्रवाई हुई और न ही किसी जिम्मेदार व्यक्ति से जवाब मांगा गया। आखिर मुख्यमंत्री बताएं कि उस मामले में विजिलेंस की सक्रियता क्यों नहीं दिखाई दी? क्या कानून केवल विपक्ष के लिए है? उन्होंने कहा कि होशियार सिंह वर्षों से अपने निजी संसाधनों से गरीबों, जरूरतमंदों और असहाय परिवारों की निस्वार्थ सहायता करते आए हैं।

## 'कैच द रेन' अभियान की समीक्षा, जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने पर जोर

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। 'जल संचय जन भागीदारी: कैच द रेन-2026' अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्तों, सह-जिला नोडल अधिकारियों, जल शक्ति विभाग के प्रमुख अभियंताओं, मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रत्यक्ष एवं वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

बैठक की अध्यक्षता प्रधान सचिव (जल शक्ति) एवं अभियान के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. अभिषेक जैन ने की। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि पंचायती राज संस्थाओं, शहरी निकायों, शिक्षण संस्थानों, स्वयं सहायता समूहों, महिला मंडलों, युवा क्लबों और गैर सरकारी संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर अभियान को व्यापक जनभागीदारी से सफल बनाया जाए। डॉ. जैन ने कहा कि अभियान को वीबी-जी राम जी, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, अमृत, कैम्पा, स्वच्छ भारत मिशन सहित अन्य केंद्र एवं राज्य योजनाओं के साथ प्रभावी तालमेल से लागू किया जाए। उन्होंने मौजूदा जल संरक्षण परिसंपत्तियों के संरक्षण, पुनर्स्थापन और पुनर्जीवन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने पारंपरिक जल स्रोतों जैसे बावड़ियों, खातियों, कुहलों और पोखरों के संरक्षण पर विशेष बल दिया। साथ ही ग्राम पंचायतों और स्थानीय समुदायों की भागीदारी से छोटे जल संरक्षण एवं भूजल पुनर्भरण कार्यों की पहचान कर उन्हें शीघ्र पूरा करने को कहा। बैठक में 4 जुलाई से 4 अगस्त, 2026 तक चल रहे राष्ट्रव्यापी अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला स्तर पर किए जा रहे कार्यों, योजनाओं के अभिसरण, जियो-टैगिंग और पोर्टल पर कार्यों की ऑनलाइन अपलोडिंग की स्थिति पर भी चर्चा हुई। साथ ही प्रधान सचिव ने प्रत्येक जिले में जल संरक्षण कार्यों की स्थायी योजना तैयार करने और वैज्ञानिक आधार पर भूजल पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण के लिए तकनीकी सहयोग उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

**रोष** मुक्त व्यापार समझौते को किसानों के लिए खतरा बता संयुक्त किसान मोर्चा ने जताया विरोध

# एफटीए के विरोध में किसानों का प्रदर्शन, ट्रंप, मोदी के पुतले फूंके

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर हिमाचल किसान सभा ने अमेरिका व भारत के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के विरोध में शिमला में जिलाधीश कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुतले फूंके तथा समझौते को किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए नुकसानदायक बताया।

प्रदर्शन के बाद वर्ष 1990 के सेब आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक मिनट का मौन रखा गया। प्रदर्शन में हिमाचल किसान सभा के राज्य सदस्य एवं कसुम्पटी किसान सभा के अध्यक्ष जय शिव ठाकुर, सीटू प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र मेहरा, कोषाध्यक्ष जगत राम सहित बड़ी संख्या में किसान सभा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच मुक्त व्यापार समझौते का मसौदा तैयार हो चुका है और इसके लागू होने से भारतीय कृषि व किसानों के हित प्रभावित होंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस समझौते के तहत अमेरिका, यूरोप और न्यूजीलैंड जैसे देशों के कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में बढ़ावा मिलेगा, जिससे देश के किसानों के सामने नई चुनौतियां खड़ी होंगी। किसान नेताओं ने कहा कि विदेशों में कॉरपोरेट खेती को बड़े पैमाने पर सरकारी सहायता मिलती है, जबकि भारत में बड़ी संख्या में लोग कृषि पर निर्भर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों से किसानों को मिलने वाली सहायता का लाभ सीधे किसानों के बजाय बड़ी कंपनियों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित समझौते में कपास, बासमती चावल, फल, दूध उत्पाद, कपड़ा, रसायन, दवाएं और अन्य कृषि उत्पाद प्रभावित हो सकते हैं। किसान नेताओं ने दावा किया कि इससे भारतीय कृषि व्यवस्था कमजोर होगी और छोटे किसानों की मुश्किलें बढ़ेंगी।

वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 2014 में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य सहित कई वादे किए गए थे, लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया गया। उन्होंने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हुए किसान आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि किसानों के संघर्ष के कारण सरकार को कानून वापस लेने पड़े थे। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार पर किसान, मजदूर और आम जनता के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में आर्थिक असमानता बढ़ रही है और सरकार की नीतियां मेहनतकश वर्ग के खिलाफ जा रही हैं। किसान नेताओं ने घोषणा की कि एफटीए के विरोध में देशभर में आंदोलन को तेज किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि आगामी 29 जुलाई को दिल्ली में किसानों, मजदूरों और आम जनता के संयुक्त आंदोलन की आगामी रणनीति तैयार की जाएगी। प्रदर्शन में प्रोफेसर राजेंद्र चौहान, जगमोहन ठाकुर, महेश वर्मा, डॉ. विजय कौशल, जगदीप पंवर, दलीप कुमार, सुशील गंधर्व, सुनील वशिष्ठ, प्रताप ठाकुर, रतिराम, लायक राम, मस्तराम, राकेश कुमार, विवेक कश्यप, प्रेम गौतम, बालक राम, राम सिंह, रमाकांत मिश्रा, जीत राम सहित कई कार्यकर्ता शामिल हुए।

### खूबसूरत अंदाज में ओलिविया डन

**नई दिल्ली।** ओलिविया डन एक अमेरिकी कलात्मक जिम्नास्ट और सोशल मीडिया हस्ती हैं। उनका जन्म 1 अक्टूबर 2002 को हुआ था। उन्होंने कम उम्र से जिम्नास्टिक में सफलता हासिल की और एलएसयू टीम का हिस्सा रहीं।

## अय्यर की कप्तानी में जीत की तलाश में उतरेगी टीम इंडिया

# भारत–जिम्बाब्वे में टी20 जंग आज

**एजेंसी, हरारे**

श्रेयस अय्यर बतौर कप्तान पहली जीत दर्ज करने को बेताब होंगे जब उनकी युवा भारतीय टीम आत्मविश्वास से ओतप्रोत जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में वीरवार को उतरेगी। कप्तान के रूप में पहले सात टी20 मैचों में से आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ छह गंवा चुके अय्यर के पास टीम को जीत की राह पर लौटाने का यह सुनहरा मौका है। जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत अपेक्षित है, लेकिन अगर हार गए तो उस ड्रेसिंग रूम की हालत का अनुमान ही लगाया जा सकता है जिसमें 15 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी भी हैं। भारत ने इस दौरे के लिए वीवीएस लक्ष्मण को कोच के रूप में भेजा है जिनकी शख्सियत आक्रामक कोच गौतम गंभीर से एकदम उलट है। ऐसा नहीं है कि गंभीर जीतना नहीं चाहेंगे, लेकिन अंतिम एकादश के साथ प्रयोग करने की उनकी आदत गंभीर की तुलना में कम है।

एक बार फिर नजरें 'वंडर ब्वॉय' सूर्यवंशी पर होंगी, जो अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करेंगे, क्योंकि संजू सैमसन को टीम में जगह नहीं मिली है। हरारे स्पोर्ट्स क्लब से अभिषेक और सूर्यवंशी की पुरानी यादें जुड़ी है। अभिषेक ने इसी मैदान पर पदार्पण किया था और दूसरे मैच में पहला टी20 शतक भी यहीं लगाया था।

सूर्यवंशी ने छह फरवरी को इस मैदान पर इंग्लैंड की अंडर–19 टीम के खिलाफ जूनियर विश्व कप फाइनल में शतक लगाया था। इस सीरीज में नए गेंदबाजी आक्रमण को आजमाने का लक्ष्य था, लेकिन वर्तमान खराब प्रदर्शन के कारण अब इसे हर हालत में जीतना जरूरी हो गया है। हरारे स्पोर्ट्स क्लब की पिच में नमी और उछाल रहता है जिससे भारतीय बल्लेबाजों को दिक्कतें आ सकती है। ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड एनगारवा के तेज आक्रमण का सामना करना भारतीय बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा। उपकप्तान तिलक वर्मा पांचवें नंबर पर सहज नहीं दिख रहे हैं जो टी20 में तीसरे नंबर के अच्छे बल्लेबाज हैं, लेकिन ईशान किशन को इस क्रम पर उतारा जा रहा है।

पांचवें नंबर पर रिंकू सिंह बेहतर विकल्प हैं, लेकिन उपकप्तान को बाहर करना आसान नहीं होगा। भारत के सामने असली चुनौती हर्ष दुबे, शिवम दुबे और सूर्यांश शेडगे में से एक को चुनने की है । तीनों में से कोई भी शुद्ध हरफनमौला नहीं है। ऐसे में तीनों को भी उतारा जा सकता है। शिवम को सीम और स्विंग गेंदबाजी के सामने बतौर बल्लेबाज परेशानी आई है, लेकिन उन्हें दो टी20 विश्व कप जीतने का अनुभव है। वहीं, शेडगे की गेंदबाजी अपेक्षा के अनुरूप नहीं है तो हर्ष अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पा रहे हैं। गंभीर की पसंद हरफनमौला रहे हैं लेकिन लक्ष्मण की सोच अलग है। वह पुछल्ले बल्लेबाजों की कतार नहीं रख सकते, क्योंकि मयंक यादव, अशोक शर्मा, प्रिंस यादव और यश ठाकुर जैसे तेज गेंदबाज बल्लेबाजी नहीं कर पाते। प्रिंस का खेलना तय लग रहा है जो मयंक यादव के साथ उतरेंगे । तीसरे तेज गेंदबाज का चयन अशोक और यश में से किया जाएगा।

**मैच : शाम 4.30 बजे से**

**संभावित टीमें**

**भारत:** श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, यश ठाकुर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अशोक शर्मा, रवि बिश्नोई, प्रभसिमरन सिंह, रिंकू सिंह।

**जिम्बाब्वे :** सिकंदर यादव (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रियान बर्ल, तनाका शिवांगा, बेन कुरेन, ब्राड इवांस, वेसले माधेवेरे, टी मारूमनी, वेलिंगटन मसाकाजा, ब्लेसिंग मुजरबानी, डियोन मायर्स , रिचर्ड एनगारवा, न्यूमैन एन, मिल्टन शुम्बा, टी सिगा ।

## विश्व कप जीतकर 51 साल का इंतजार करेंगे खत्म : हरमनप्रीत

**एजेंसी, नई दिल्ली**

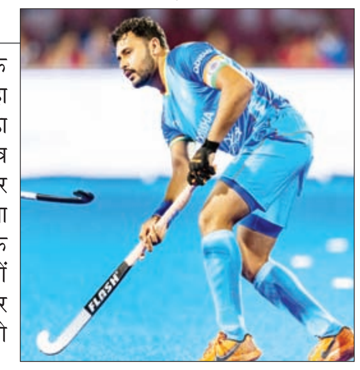

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि टीम का सबसे बड़ा लक्ष्य एफआईएच हॉकी विश्व कप का 51 साल पुराना इंतजार खत्म कर नया इतिहास रचना है। उनका विश्वास है कि अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के मजबूत संतुलन के दम पर भारत किसी भी टीम को चुनौती देने में सक्षम है।

15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप में भारत को पूल–डी में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगी।

दूसरी बार विश्व कप में कप्तानी कर रहे हरमनप्रीत ने कहा कि पेरिस ओलंपिक 2024 में लगातार दूसरा कांस्य पदक और प्रो लीग में अच्छे प्रदर्शन से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है। उनके अनुसार बड़े टूर्नामेंट में निरंतरता, अनुशासन और छोटे मौकों का पूरा फायदा उठाना सफलता की कुंजी होगी।

उन्होंने कहा कि स्ट्राइकिंग सर्कल में आक्रामक और रक्षात्मक दोनों परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करना बेहद जरूरी है। पेनल्टी कॉर्नर, गोल पर शॉट और हर अटैकिंग मौके को गोल में बदलना टीम की प्राथमिकता रहेगी। हरमनप्रीत ने कहा कि टीम का माहौल सकारात्मक है। अनुभवी खिलाड़ी युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं और सभी का लक्ष्य विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। उन्होंने युवाओं को बिना दबाव के खेलने और गलती के बाद तुरंत वापसी करने की सलाह भी दी। भारत–पाकिस्तान मुकाबले पर उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत पाकिस्तान से नहीं हारा है, लेकिन इस मैच में भावनाओं पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। उनके मुताबिक वेल्स, इंग्लैंड और पाकिस्तान–तीनों मुकाबले समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। कप्तान ने प्रशंसकों से समर्थन जारी रखने की अपील करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि भारत विश्व कप का 51 साल लंबा इंतजार खत्म कर फिर से चैंपियन बने।

## स्पोर्ट्स विंडो

### हशमतउल्लाह शाहिदी ने अफगानिस्तान की वनडे टीम की छोड़ी कप्तानी

**एजेंसी, काबुल।** अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज हशमतउल्लाह शाहिदी ने एकदिवसीय टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। शाहिदी ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि कप्तानी से इस्तीफा देना उनका निजी निर्णय है। 31 वर्षीय शाहिदी ने जनवरी 2022 में अफगानिस्तान की वनडे टीम की कमान संभाली थी और जून 2026 में भारत के खिलाफ खेली गई पिछली वनडे सीरीज तक कुल 55 मुकाबलों में टीम की कप्तानी की। सोशल मीडिया पर साझा किए गए अपने संदेश में शाहिदी ने कहा कि टीम का नेतृत्व करना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात रही। उन्होंने कहा कि उन्होंने पूरी ईमानदारी, एकजुटता और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि अल्लाह की कृपा, क्रिकेट अधिकारियों, कोचिंग स्टाफ और खिलाड़ियों के सहयोग से टीम ने कई महत्वपूर्ण जीत दर्ज कीं, बड़ी टीमों को हराया और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अफगानिस्तान का नाम रोशन किया। शाहिदी की कप्तानी में अफगानिस्तान ने द्विपक्षीय वनडे सीरीज में बांग्लादेश को तीन बार, जिम्बाब्वे को दो बार, जबकि दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड को एक-एक बार हराया।

### डेविड वॉर्नर ने शराब पीकर गाड़ी चलाने की बात स्वीकारी

**एजेंसी, सिडनी।** सिडनी थंडर के कप्तान डेविड वॉर्नर शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। वॉर्नर के वकील बॉबी हिल ने बताया कि उन्होंने ईस्टर संडे के दिन शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप को स्वीकार कर लिया है। वॉर्नर को बुधवार को वेवरली स्थानीय कोर्ट में पेश होने की जरूरत नहीं पड़ी। पांच अप्रैल को सिडनी में सड़क किनारे हुई शराब जांच में वॉर्नर का नमूना पॉजिटिव पाया गया था। पुलिस थाने में हुए दूसरे टेस्ट में पता चला कि उनके खून में शराब की मात्रा वैध सीमा से दोगुनी से भी अधिक थी।

### दो बार के ओलंपिक चैंपियन नॉर्वे के नाविक ओलाफ टफ्टे का निधन

**एजेंसी, ओस्लो।** दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नॉर्वे के नाविक ओलाफ टफ्टे का मंगलवार को 50 वर्ष की आयु में निधन हो गया। 21वीं सदी की शुरुआत में नौकायन के सबसे बेहतरीन नाविक में से एक, टफ्टे पानी के अंदर और बाहर अपने प्रतिद्वंद्वियों के साथ दुश्मन के बजाय दोस्त बनने के लिए जाने जाते थे। सात बार ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले टफ्टे ने अटलांटा 1996 ओलंपिक खेलों में अपना डेब्यू किया था। टोक्यो 2020 ओलंपिक खेलों के बाद अंतरराष्ट्रीय नौकायन से संन्यास लेने से पहले उन्होंने चार पदक (दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य) जीते। तब तक, उनके नाम छह वर्ल्ड चैंपियनशिप पदक थे और उन्हें खेल के सबसे प्रतिष्ठित व्यक्तिगत सम्मान थॉमस केलर पदक से सम्मानित किया गया था।

### भारतीय सब जूनियर हॉकी टीम ने पाकिस्तान और ओमान को हराया

**एजेंसी, मस्कट।** भारतीय सब जूनियर लड़कों की टीम ने एफआईएच युवा हॉकी5 एशियाई चैंपियनशिप में पाकिस्तान और ओमान को हराकर जीत का सिलसिला जारी रखा। केतन कुशवाहा की कप्तानी में भारत ने ओमान को 14-0 से हराया, जिसमें कप्तान ने चार गोल किए और आशीष तानी पूर्ति ने हैट्रिक लगाई। राहुल यादव और शाहरुख अली ने दो-दो, प्रह्लाद राजभर, करण गौतम और रोमित पाल ने एक-एक गोल दागा। पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने 7-4 से जीत दर्ज की, जिसमें करण गौतम ने तीन गोल किए। राहुल यादव, प्रह्लाद राजभर, कप्तान कुशवाहा, रोमित पाल ने एक-एक गोल किए। पाकिस्तान के लिए असलम मुहम्मद फरहान और आदिल ने एक जबकि उस्मान मुहम्मद ने दो गोल किए। भारतीय सब जूनियर लड़कियों ने चीन से 2-2 से ड्रॉ खेला और उजबेकिस्तान को 16-0 से हराया। चीन के लिए चेन गि और जियाशिन गुओ ने गोल किए जबकि भारत के लिए नौशीन नाज ने दो गोल दागे। उजबेकिस्तान के खिलाफ नौशीन नाज ने चार, संदीपा कुमारी और कप्तान स्वीटी कुजूर ने तीन तीन, दिया और पुष्पा ने दो-दो, जबकि किरण इक्का और नीलम टोप्नो ने एक-एक गोल दागे। यह टूर्नामेंट पहले एफआईएच हॉकी 5 विश्व कप का क्वालीफायर भी है।

## वेस्टइंडीज जीतकर भी हारी सीरीज

### हेटमायर की तूफानी फिफ्टी, वेस्टइंडीज ने आखिरी वनडे 2 विकेट से जीता

**एजेंसी, ब्रिजटाउन**

शिमरोन हेटमायर की नाबाद अर्द्धशतकीय पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को पांचवें और अंतिम वनडे में 2 विकेट से हरा दिया। हालांकि, इस जीत के बावजूद मेजबान टीम पांच मैचों की सीरीज 2–3 से हार गई।

पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 268 रन बनाए। शुरुआती झटके के बाद विल यंग (56), निक केली (64) और टॉम लैथम (69) ने उपयोगी पारियां खेलीं। अंत में कप्तान मिचेल सैंटनर और नाथन स्मिथ ने टीम को 268 रन तक पहुंचाया। वेस्टइंडीज के लिए विटेल लुईस और अल्जारी जोसेफ ने दो–दो विकेट लिए।

269 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी रही, लेकिन टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और एक समय स्कोर 123/4 हो गया। इसके बाद शेरफन रदरफोर्ड (61) और शिमरोन हेटमायर ने पांचवें विकेट के लिए 95 रन जोड़कर मैच का रुख बदल दिया। रदरफोर्ड के आउट होने के बाद हेटमायर ने संयम और आक्रामकता का शानदार मिश्रण दिखाते हुए 69 रन बनाकर नाबाद रहे और 47.3 ओवर में टीम को जीत दिला दी। हेटमायर को उनकी मैच जिताऊ पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि जॉयडन लेनिक्स को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला। न्यूजीलैंड की ओर से जैकब डफी और जॉयडन लेनिक्स ने तीन–तीन विकेट झटके।

## राष्ट्रमंडल खेलों में नीरज, मीराबाई और लवलीना से स्वर्ण की उम्मीद

**एजेंसी, नई दिल्ली।** 23 जुलाई से 2 अगस्त तक स्कॉटलैंड के ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल–2026 में भारतीय दल पदकों की मजबूत उम्मीद के साथ उतरेगा। अनुभवी सितारों और युवा खिलाड़ियों के संतुलित दल से कई स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। भारत की सबसे बड़ी उम्मीद ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा होंगे, जिनसे भाला फेंक में एक बार फिर स्वर्ण पदक की आस है।

भारोत्तोलन में मीराबाई चानू लगातार तीसरा राष्ट्रमंडल स्वर्ण जीतकर इतिहास रचने के इरादे से उतरेंगी। वह 2018 और 2022 संस्करण में गोल्ड जीत चुकी हैं। मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहैन महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में भारत की प्रमुख दावेदार होंगी। टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और विश्व चैंपियन लवलीना से स्वर्ण की उम्मीद है। एथलेटिक्स में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुरिंदरवीर सिंह पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में उतरेंगे। हाल ही में 100 मीटर में 10.09 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले गुरिंदरवीर से पदक की उम्मीद बढ़ी है। कलात्मक जिम्नास्टिक में प्रणति नायक भारत की चुनौती का नेतृत्व करेंगी और राष्ट्रमंडल खेलों में अपना पहला पदक जीतने की कोशिश करेंगी। इनके अलावा सरवेश कुशारे और ज्ञानेश्वरी यादव जैसे युवा खिलाड़ी भी पहली बार इस मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

## हिमाचल के मोहम्मद सफी और पवन शर्मा बने राष्ट्रीय कबड्डी रेफरी

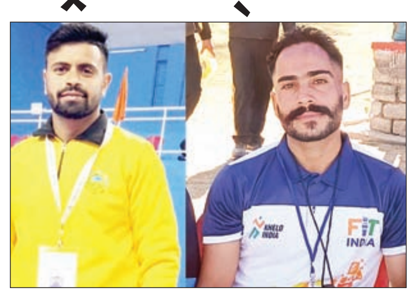

**एजेंसी, नई दिल्ली।** खेल प्रतिभाओं की धरती चंबा ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत की है। ऑल इंडिया कबड्डी फेडरेशन (ऋस्न्नद्घ) की राष्ट्रीय कबड्डी रेफरी परीक्षा में जिले के मोहम्मद सफी और पवन शर्मा ने सफलता हासिल कर हिमाचल प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

3 से 8 जुलाई 2026 तक झारखंड के बोकारो में आयोजित इस प्रतिष्ठित परीक्षा में देशभर के करीब 120 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। हिमाचल प्रदेश से केवल पांच प्रतिभागियों को अवसर मिला था, जिनमें चंबा के दोनों युवाओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय रेफरी बनने का गौरव हासिल किया।

मोहम्मद सफी चंबा जिले के गांव चड़ियारा (डाकघर बाट) के निवासी हैं, जबकि पवन शर्मा गांव चनेड से संबंध रखते हैं। दोनों ने अपनी सफलता का श्रेय जिला कबड्डी संघ चंबा, संघ के अध्यक्ष विनीत विज, सचिव मुनीश जमवाल, कोषाध्यक्ष धर्मपाल तथा अपने कोच मोहम्मद रफ़ी और ओमप्रकाश को दिया। इस उपलब्धि पर जिला कबड्डी संघ, खेल प्रेमियों और विभिन्न खेल संगठनों ने दोनों युवाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। खेल जगत का मानना है कि उनकी सफलता जिले के अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी और चंबा की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएगी।

## राहुल गांधी की गिरफ्तारी पर भड़के विजय, बोले–यह लोकतंत्र के खिलाफ

**एजेंसी, चेन्नई**

**◆ नीट खत्म करने की मांग शिक्षा को राज्य सूची में लाने की वकालत**

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) प्रमुख विजय ने नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की गिरफ्तारी की निंदा की है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए केंद्र सरकार से छात्रों और युवाओं की चिंताओं का समाधान करने की अपील की।

विजय ने कहा कि नीट के विरोध में आंदोलन कर रहे छात्रों के समर्थन में पहुंचे राहुल गांधी समेत विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी उचित नहीं है। उन्होंने दिल्ली में हुई कार्रवाई को निंदनीय बताते हुए विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन को समर्थन दिया। टीवीके प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी का रुख नीट को लेकर पहले से स्पष्ट है। उनके अनुसार यह परीक्षा प्रणाली छात्रों और परिवारों पर मानसिक दबाव बढ़ाती है, इसलिए इसे समाप्त किया जाना चाहिए। विजय ने नीट जैसी केंद्रीय परीक्षाओं के समाधान के लिए शिक्षा को फिर से राज्य सूची में शामिल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे राज्यों को शिक्षा और चिकित्सा शिक्षा से जुड़े मामलों में अधिक अधिकार मिलेंगे और स्थानीय जरूरतों के अनुसार नीतियां बनाई जा सकेंगी।

उन्होंने कहा कि यदि तत्काल शिक्षा को राज्य सूची में लाना संभव न हो तो अंतरिम व्यवस्था के रूप में विशेष समवर्ती सूची पर विचार किया जा सकता है। विजय ने केंद्र सरकार से छात्रों की आवाज सुनने और इस मुद्दे पर गंभीरता से कदम उठाने की अपील की।

## मनीला सम्मेलन में जयशंकर ने सहयोग के नए क्षेत्रों को गिनाया

**एजेंसी, मनीला (फिलीपींस)**

**बोले–ऊर्जा, खाद्य भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती**

भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि ऊर्जा, भोजन और स्वास्थ्य सुरक्षा को अब हल्के में नहीं लिया जा सकता। भारत और आसियान भविष्य की संभावनाओं को लेकर आशावादी हैं। उन्होंने यह विचार मनीला में आयोजित भारत के साथ आसियान पोस्ट मिनिस्टीरियल कॉन्फ्रेंस में व्यक्ति किए। जयशंकर ने एक्स पर अपने शुरुआती संबोधन का वीडियो भी साझा किया।

जयशंकर ने कहा कि हम सब समुद्री व्यापार पर अत्यधिक निर्भर हैं। इसलिए यह भी चिंता का विषय बन सकता है। इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करना जरूरी है। संयोग से, 2026 'आसियान–भारत समुद्री सहयोग वर्ष' है। यह स्मरण कराता है कि हम ज्यादा स्थिर और सुरक्षित भविष्य के लिए क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत–आसियान एजेंडे में व्यापार,निवेश, लोगों की आवाजाही, टैलेंट, टेक्नोलॉजी, डिजिटल, एआई, ग्रीन, सस्टेनेबिलिटी और कनेक्टिविटी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि फिलीपींस ने 2026 के लिए आसियान की अध्यक्षता संभाली है। विदेशमंत्री जयशंकर आसियान ढांचे के तहत विदेशमंत्री स्तर की बैठकों में हिस्सा लेने के लिए फिलीपींस की राजधानी मनीला के दौरे पर हैं।

## पाकिस्तान में बारिश बनी आफत, 23 लोगों की मौत

**एजेंसी, इस्लामाबाद**

**◆ पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में बाढ़ जैसे हालात; घर ढहे, कई इलाके जलमग्न**

पाकिस्तान के पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन अस्त–व्यस्त कर दिया है। बाढ़ जैसे हालात के बीच घर ढहने, करंट लगने और अन्य हादसों में अब तक 23 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं।

प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, पंजाब में नौ और खैबर पख्तूनख्वा में 14 लोगों की जान गई है। मृतकों में पुरुषों के अलावा महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। पंजाब में लाहौर, गुजरांवाला, गुजरात, साहीवाल, मंडी बहाउद्दीन, फैसलाबाद, झांग और पिंडी भटियां समेत कई जिले सबसे अधिक प्रभावित हैं। लगातार बारिश से कई मकानों की छतें और दीवारें ढह गईं, जबकि कुछ स्थानों पर बिजली का करंट फैलने से भी हादसे हुए। कई निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं। खैबर पख्तूनख्वा में पेशावर, नौशेरा, मरदान, बाजौर, स्वाबी, मानसेहरा, एबटाबाद और उत्तरी वजीरिस्तान सहित कई जिलों में भारी नुकसान हुआ है। लगातार बारिश के कारण नदियां और नाले उफान पर हैं, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि 24 जुलाई तक भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और निचले इलाकों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।

## चांदी 3034 रुपए महंगी, सोना 2,303 रुपए बढ़कर 1.43 लाख रुपए पर पहुंचा

**एजेंसी, नई दिल्ली।** सोने और चांदी की कीमतों में लगातार बढ़त देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 22 जुलाई को चांदी के भाव में 3,034 रुपए प्रति किलो की तेजी आई, जिसके बाद इसकी कीमत 2.26 लाख रुपए प्रति किलो पहुंच गई। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,303 रुपए महंगा होकर 1.43 लाख रुपए पर पहुंच गया।

पिछले तीन दिनों में सोने की कीमत में 4,281 रुपए और चांदी में 10,764 रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस साल सोने–चांदी के बाजार में लगातार उतार–चढ़ाव बना हुआ है। 2026 में अब तक सोना करीब 12 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोने की कीमत करीब 1.33 लाख रुपए थी, जो अब बढ़कर 1.45 लाख रुपए के स्तर पर पहुंच गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक बाजार के रुझानों और निवेश मांग का असर कीमतों पर दिखाई दे रहा है।

## सीजेपी का नड्डा के आवास पर जाने से इनकार

### जंतर–मंतर के पास तटस्थ स्थान पर वार्ता का दिया प्रस्ताव

**एजेंसी, नई दिल्ली**

सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा के आवास पर जाकर बातचीत करने से इनकार किया है। सीजेपी ने स्पष्ट रूप से कहा कि बातचीत जंतर–मंतर पर अथवा इसके निकट किसी तटस्थ स्थान पर होनी चाहिए।

सीजेपी प्रवक्ता सौरभ दास ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि आज सुबह पुलिस ने सीजेपी प्रतिनिधियों से संपर्क कर जानकारी दी कि केंद्रीय मंत्री नड्डा उनसे बातचीत करना चाहते हैं और इसके लिए अपने आवास पर आने का निमंत्रण दिया है, लेकिन सीजेपी ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। सौरभ दास ने कहा कि सीजेपी का कोई भी प्रतिनिधि किसी मंत्री के घर या कार्यालय नहीं जाएगा। जंतर–मंतर पर जनता दरबार लगा हुआ है और यदि सरकार बातचीत करना चाहती है तो मंत्रियों को जनता के बीच आना चाहिए। उन्होंने कहा कि वार्ता जंतर–मंतर पर ही होनी चाहिए। यदि सुरक्षा कारणों से मंत्री जंतर–मंतर आने में असमर्थ हैं, तो सीजेपी प्रदर्शन स्थल के पास किसी तटस्थ स्थान पर बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अभी हम केंद्रीय मंत्री की ओर से जवाब का इंतजार कर रहे हैं।

दास ने कहा कि सरकार की मंशा केवल औपचारिक बातचीत की नहीं, बल्कि उनकी मांगों पर ठोस निर्णय लेने की होनी चाहिए। बिना किसी सार्थक उद्देश्य के चर्चा के लिए बुलाने का कोई औचित्य नहीं है।

हजारों लोग अभी भी प्रदर्शन में शामिल हैं और सीजेपी का पूरा ध्यान आंदोलन के संचालन पर है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह वास्तव में आंदोलनकारियों से सार्थक वार्ता करना चाहती है? उल्लेखनीय है कि संसद मार्च के दौरान 20 जुलाई को सीजेपी के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने जेपी नड्डा के आवास पर जाकर उनको ज्ञापन सौंपा था। नड्डा से मिलने वालों में सौरव दास और आशुतोष रांका शामिल थे। इस दौरान नड्डा ने सीजेपी से धरना समाप्त करने का आग्रह किया था।

## सेंसेक्स 715 अंक फिसला निफ्टी 24 हजार के नीचे बंद

**एजेंसी, मुंबई।** शेयर बाजार में बुधवार को गिरावट का दौर रहा। सेंसेक्स 715 अंक टूटकर 76,755 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी भी 191 अंक गिरकर 23,996 पर आ गया। बाजार में रियल्टी, आईटी, मीडिया और बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली देखने को मिली। दूसरी ओर, सरकारी तेल कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए। अप्रैल–जून तिमाही में कंपनी को 3,962.13 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। पिछले साल की समान तिमाही में बीपीसीएल को 6,123.93 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। वहीं, मार्च तिमाही में भी कंपनी ने 3,191.49 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया था। कमजोर तिमाही नतीजों और बाजार में दबाव का असर निवेशकों के सेंटीमेंट पर भी देखने को मिला।